बालाघाट, सिवनी, गोंदिया एवं भंडारा जिले मे प्रसारित हिन्दी दैनिक..

जग प्रेरणा

बालाघाट - 01 जुलाई 2026 | दिन - बुधवार | वर्ष-14 वां | पृष्ठ - 12 | अंक - 154 | मूल्य - 5 रुपये

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होने की संभावना

नई दिल्ली, (भाषा)। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो सकता है और इसके तीन सप्ताह तक चलने की संभावना है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हालांकि, संसदीय कार्य संबंधी मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीपीए) ने अभी इसपर अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

आमतौर पर मानसून और शीतकालीन सत्रों में 20 बैठकें होती हैं और ये चार सप्ताह तक चलते हैं, लेकिन अतीत में इससे कम अवधि के सत्र आयोजित किए जाने के भी उदाहरण रहे हैं। यह मानसून सत्र पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगियों की जीत के बाद होने जा रहा है।

तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उबाठा) में बगावत का असर भी आगामी सत्र में देखने को मिल सकता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा अलग समूह के रूप में मान्यता देने की मांग करने वाले तृणमूल के 20 और शिवसेना (उबाठा) के छह सांसदों की मांग पर निर्णय का इंतजार है। राज्यसभा में नवनिर्वाचित और पुनर्निर्वाचित सदस्यों के शपथ लेने के बाद सत्तापक्ष का संख्या बल और मजबूत हो गया है।

ईरान युद्ध खत्म करने के समझौते पर बैठक के लिए अमेरिकी दूत कतर पहुंचे..

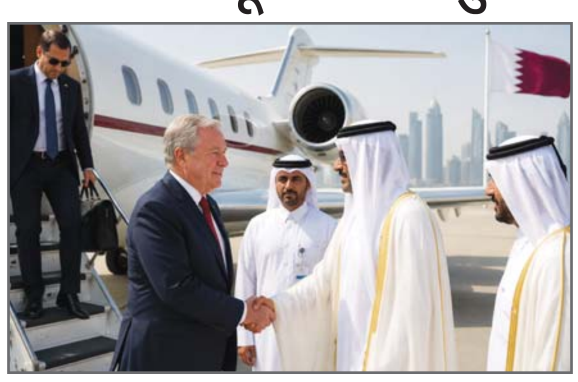

दुबई, (एपी)। ईरान युद्ध खत्म करने के शुरुआती समझौते को लागू करने के बारे में मध्यस्थों के साथ वार्ता करने के लिए अमेरिका के दो दूत मंगलवार को कतर पहुंचे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पश्चिम एशिया मामलों के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और उनके (ट्रंप के) दामाद जे. कुशनर का यह दौरा, फारस की खाड़ी में होर्मुज जलडमरूमध्य को जहाजों की आवाजाही के लिए फिर से खोलने की कोशिशों को लेकर हुई गोलाबारी के बाद हो रहा है।

कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने कहा कि देश की राजधानी दोहा में रहने के दौरान ये दूत ईरानी राजनयिकों के साथ सीधी बातचीत नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि फिलहाल मध्यस्थ बातचीत कर रहे हैं और इसमें कोई भी उच्च-स्तरीय अधिकारी शामिल नहीं होगा। अल-अंसारी ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता में संवाददाताओं से कहा, ''फिलहाल हमें ईरान के किसी बड़े अधिकारी के आने की उम्मीद नहीं है, लेकिन जैसा कि मैंने कहा, तकनीकी बैठकें चल रही हैं...।'' ईरान भी इस हफ्ते एक प्रतिनिधिमंडल कतर भेज रहा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने मंगलवार को कहा कि आने वाले दिनों में अमेरिकी पक्ष के साथ किसी भी स्तर पर बैठक करने की ईरान की कोई योजना नहीं है। बघाई ने संवाददाताओं से कहा, ''कल दोहा में, कतर के साथ समझौता ज्ञापन के कुछ हिस्सों को लागू करने पर चर्चा होगी, जिसमें ईरान की जब्त संपत्ति को मुक्त करना भी शामिल है।'' इस महीने की शुरुआत में अमेरिका और ईरान एक अंतरिम समझौते पर सहमत हुए थे जिसके तहत तेहरान को अपने संवर्धित यूरेनियम भंडार को कम करना होगा। इस समझौते में देश पर लगे अमेरिका-समर्थित तेल प्रतिबंधों को हटाने और होर्मुज जलडमरूमध्य से आवाजाही को निर्बाध रखने की बात भी शामिल है। साथ ही, इसमें दोनों पक्षों को व्यापक समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए 60 दिन का समय दिया गया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने सोमवार को कहा कि कतर ईरान की जब्त की गई 6 अरब अमेरिकी डॉलर की संपत्ति जारी करने की योजना बना रहा है। एक अमेरिकी अधिकारी ने इस रकम के जारी होने की पुष्टि की और कहा कि इसका इस्तेमाल ईरानी लोगों के लिए अमेरिकी खाद्य उत्पाद खरीदने में किया जाएगा।

युद्ध शुरू होने से पहले, दुनिया के 20 प्रतिशत तेल का परिवहन होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते होता था। ईरान के हमलों और धमकियों के कारण इस जलडमरूमध्य से मालवाहक जहाजों और टैंकर की आवाजाही रुक गई, जिससे दुनिया भर में ईंधन का संकट पैदा हो गया। ईरान और ओमान के समुद्री क्षेत्र में होने के बावजूद, होर्मुज जलडमरूमध्य को लंबे समय से एक अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग माना जाता रहा है।

पिछले हफ्ते ओमान के समुद्री इलाके में फारस की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों के लिए मार्ग खोलने की कोशिशें हो रही थीं, इसी दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर हमले किए। इससे यह चिंता पैदा हो गई कि युद्ध को औपचारिक रूप से खत्म करने के लिए हो रही बातचीत में बाधा आ सकती है। ईरान ने इस जलडमरूमध्य में दो बार जहाजों पर हमले किए -- जिनमें कतर का एक टैंकर भी शामिल था -- और इसके जवाब में अमेरिका ने हवाई हमले किए। ईरान ने रविवार को बहरीन और कुवैत को निशाना बनाते हुए ड्रोन और मिसाइल हमले भी किए।

मोबाइल पर बात करने से मना करने पर बहु ने किया सास पर चाकू से हमला..

गोरखपुर (भाषा)। गोरखपुर के एम्स थानाक्षेत्र में 25 वर्षीय एक महिला ने एक युवक से फोन पर बातचीत को लेकर हुए झगड़े के बाद अपनी सास का गला कथित तौर पर चाकू से रेत दिया। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि महिला को गंभीर हालत में एम्स में भर्ती कराया गया है। यह घटना मलमालिया जगदीशपुर गांव में घटी। जानकारी के अनुसार जयहिंद नाम के व्यक्ति की पत्नी वंदना सोमवार रात मोबाइल फोन पर एक युवक से बात कर रही थी तभी उसकी सास आशा देवी (55) ने इस पर आपत्ति जताई और उसे बातचीत बंद करने के लिए कहा। इससे नाराज वंदना ने सास पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके गले में गहरा घाव हो गया। गंभीर घायल आशा देवी को एम्स ले जाया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बतायी जाती है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया।

सरकार ने पेट्रोल के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर बढ़ाया, डीजल और एटीएफ पर घटाया

नई दिल्ली, (भाषा)। सरकार ने एक जुलाई से शुरू होने वाले पखवाड़े के लिए पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर लगाए जाने वाले अप्रत्याशित लाभ कर में बदलाव किया है। इसके तहत डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) पर कर घटाया गया है, जबकि पेट्रोल पर अप्रत्याशित लाभ कर में बढ़ोतरी की गई है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार, डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) घटाकर 8.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जो पहले 14 रुपये प्रति लीटर था। वहीं, एटीएफपर शुल्क 12.5 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 7.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इसके विपरीत, पेट्रोल के निर्यात पर लगने वाला शुल्क 1.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर चार रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। यह संशोधित दरें एक जुलाई से लागू होंगी। सरकार ने मार्च में पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बाद पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात पर यह विशेष कर लगाया था और तब से हर पखवाड़े इसकी समीक्षा की जा रही है। शुरुआत में डीजल और एटीएफपर शुल्क लगाया गया था, जबकि मई में पेट्रोल पर भी यह लागू किया गया। मंत्रालय ने यह भी बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों द्वारा नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका को किए जाने वाले निर्यात पर पहले दी गई छूट को अब मॉरीशस और मालदीव तक बढ़ा दिया गया है। सरकार का कहना है कि यह कर घरेलू बाजार में ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने और अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उतार-चढ़ाव के दौरान निर्यात से अनुचित लाभ कमाने से रोकने के लिए लगाया गया है।

प.बंगाल के हल्दिया में नेफ्था पाइपलाइन में भीषण आग, 20 से अधिक घायल..

हल्दिया/कोलकाता (भाषा)। पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले में हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड की नेफ्था पाइपलाइन में भीषण आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड की इस नेफ्था पाइपलाइन के एक छोटे हिस्से में करीब 15 घंटे बाद भी आग जल रही थी। पुलिस ने बताया कि 38 वर्षीय एक महिला ने शहर के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारियों के अनुसार, चार अन्य घायलों की हालत ÷बेहद गंभीर÷ बनी हुई है और उनका अस्पतालों में इलाज चल रहा है, जबकि 16 अन्य का जिले के विभिन्न चिकित्सा केंद्रों में उपचार किया जा रहा है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है, सिवाय पाइपलाइन के पास एक छोटे से हिस्से को छोड़कर, जहां आग अब भी जल रही है। वहां अब भी काफी मात्रा में नेफ्था मौजूद है।''

01 से 07 जुलाई की अवधि में बालाघाट जिले में भारी से अति भारी वर्षा का अलर्ट

किसानों और आमजन को सतर्क रहने की सलाह

जगप्रेरणा बालाघाट। ***भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में 01 जुलाई से 07 जुलाई 2026 के दौरान मौसम अत्यंत सक्रिय*** रहने की संभावना है। इस अवधि में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भारी बादलों के साथ भारी से अति भारी वर्षा होने, आकाशीय बिजली गिरने, आंधी-तूफान आने तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। जिला कृषि मौसम इकाई एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, बडगांव-बालाघाट के वैज्ञानिक डॉ धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि जारी पूर्वानुमान के अनुसार इस दौरान जिले का अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 21 से 22 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। सुबह के समय वायुमंडलीय आर्द्रता 96 से 99 प्रतिशत तथा दोपहर में 82 से 88 प्रतिशत तक रहने की संभावना है। वहीं, दक्षिण दिशा से लगभग 7 से 8 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चल सकती हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र बडग़ांव द्वारा किसानों को सलाह दी है कि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए खेतों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था बनाए रखें तथा तेज वर्षा और आकाशीय बिजली के दौरान खेतों में कार्य करने से बचें। कृषि कार्यों की योजना मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर बनाएं। वहीं आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि खराब मौसम के दौरान अनावश्यक खुले स्थानों में न जाएं तथा बिजली चमकने और तेज हवाओं के समय सुरक्षित स्थानों पर शरण लें। जिला कृषि मौसम इकाई ने किसानों एवं आमजन से मौसम विभाग द्वारा जारी नवीनतम पूर्वानुमानों और प्रशासन की सलाह का नियमित पालन करने की अपील की है।

कुंडली निर्माण, कुंडली मिलान, विवाह मुहूर्त, कुम्भ विवाह, वास्तु परामर्श, वास्तु शान्ति पूजन, पितृदोष, कालसर्प, अन्य ग्रहों की शांति पूजा एवं महामृत्युंजय अनुष्ठान, लक्ष्मी कुबेर अनुष्ठान, भैरव अनुष्ठान आदि के लिये संपर्क करें..

मार्गदर्शक
डॉ. अरविंदचन्द्र तिवारी
एसोसिएट प्रोफेसर कॉमर्स,
ज्योतिष पद्मविभूषण बालाघाट म.प्र.
ग्रहयोग भवन, नर्मदा नगर, शिव मंदिर चौक, बालाघाट
मो. 94251-38638
94067-38800

जग प्रेरणा
live शहर बालाघाट
● गर्रा ● भटेरा ● देवटोला ● आंवलाझरी ● भरवेली ● हीरापुर ● कोसमी ● नवेगांव ● गोंगलई

मान्यता ऑटो पार्ट्स
सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती है।
Hero BAJAJ HONDA TVS
मनीष वर्मा मो. 9425448126
वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

बालाघाट में 115 आवेदकों के आवेदन पर जनसुनवाई में प्रशासनिक अधिकारियों ने सुनी समस्याएं, किया समाधान..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 30 जून को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के निर्देश पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, श्री एमआर कोल तथा एसडीएम श्री गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं

और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 115 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे। ग्राम पंचायत लेण्डेझरी के बच्चों के अभिभावक सीएम राइज सांदीपनि विद्यालय लेण्डेझरी में विद्यार्थियों के लिए स्कूल बस सुविधा उपलब्ध कराये जाने की मांग लेकर आये थे। उनका कहना था कि अभिभावकों को निजी वाहन और ऑटो से बच्चों को लाने-ले जाने में अतिरिक्त खर्च और समय की परेशानी हो रही है। साथ ही कई बार बच्चों को स्कूल पहुँचाने में देरी हो जाती है, इससे बच्चों की पढ़ाई का नुकसान हो रहा है। अतः शीघ्र विद्यालय में बस सुविधा शुरू की जाए। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

वार्ड नं.03 बालाघाट के विजय पटले अपने पुत्र विवेक पटले का दाखिला सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में दिलाये जाने की मांग लेकर आये थे। विजय का कहना था कि उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर है जिसके कारण वह अपने बेटे को निजी विद्यालय में पढ़ाई कराने में असमर्थ हैं। विजय ने बताया कि उसके पुत्र विवेक ने कक्षा 5वीं में 84 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं और अब वह उसक दाखिला सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में करवाना चाहता है। इसी तरह वार्ड नं.13 गंगा नगर के अशोक बुरड़े भी अपनी पुत्री दिव्यांशी बुरड़े का दाखिला सीएम राईज बालाघाट में कराने की मांग लेकर आये थे। उन्होंने बताया कि दिव्यांशी ने कक्षा 8वीं में 84 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं और अब वह दिव्यांशी को कक्षा 9वीं अंग्रेजी माध्यम में सीएम राईज बालाघाट में कराना चाहते है। इन दोनो ही प्रकरणों में जिला शिक्षा अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। ग्राम भानेगांव निवासी अंचल बेदरे विवाह उपरांत अपनी समग्र आईडी स्थानांतरित करने की मांग लेकर आयी थी। अंचल का कहना था कि उसकी समग्र आईडी अभी ग्राम बुधाटोला कोपे से संबद्ध है, जबकि वर्तमान निवास भानेगांव में है। उसने समग्र आईडी को पति की समग्र आईडी के साथ जोड़कर वर्तमान पते पर ट्रांसफर करने का अनुरोध किया है। इस प्रकरण में जनपद सीईओ लांजी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

किरनापुर जनपद के ग्राम सेवती निवासी रमेश बघेल मनरेगा के तहत किए गए कार्य की मजदूरी का भुगतान चार वर्ष बाद भी नहीं मिलने की शिकायत लेकर आये थे। रमेश ने बताया कि उसने वर्ष 2022 में ग्राम सेवती में खेल मैदान निर्माण कार्य में 181 दिनों तक मजदूरी की थी, जिसके एवज में करीब 1.81 लाख रुपये का भुगतान लंबित है। उसने इस संबंध में कई बार अधिकारियों से शिकायत भी की लेकिन उसे केवल आश्वासन ही मिला। अतः मजदूरी की राशि का भुगतान किया जाए। इस प्रकरण में जनपद सीईओ किरनापुर को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है। चांगोटोला निवासी सविता अहिरवार राजीव विद्यापीठ स्कूल के संचालक एन.पी. गौतम द्वारा उसके लडके की टीसी न देने और फोन करके परेशान करने की शिकायत लेकर आयी थी। सविता का कहना था कि उसके बेटे का आरटीई (शिक्षा का अधिकार अधिनियम) के तहत विद्यालय में मुफ्त में दाखिला हुआ था, फिर भी संचालक बार-बार फीस मांग रहे हैं। विद्यालय के संचालक एनपी गौतम द्वारा फीस नहीं देने पर बेटे की टीसी नहीं दी जा रही है तथा फोन पर धमकाने के साथ ही गाली-गलौज की जा रही है। इस प्रकरण में जिला शिक्षा अधिकारी को शीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गए है।

परसवाड़ा तहसील के ग्राम घाना के ग्रामीण नल जल योजना के तहत पेयजल आपूर्ति नहीं किये जाने की शिकायत लेकर आये थे। ग्रामीणों का कहना था कि गांव में नल-जल योजना का पानी नहीं मिल रहा है, जिससे लोगों को दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है और दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नल-जल योजना की व्यवस्था को जल्द से जल्द सुचारु कराया जाए, ताकि गांव के लोगों को नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। इस प्रकरण में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बैहर तहसील की ग्राम मंडवा निवासी मिलाबाई कुमरे संबल योजना की सहायता राशि में हिस्सा दिलाने की मांग लेकर आयी थी। मिलाबाई ने बताया कि उसके पुत्र दिनेश कुमरे की सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो चुकी है। बेटे की मृत्यु के बाद मिलने वाली संबल योजना एवं अन्य मदों की सहायता राशि स्वीकृत हो चुकी है। मिलाबाई का कहना है कि बेटा ही परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था, जिसकी मृत्यु के बाद परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा है। उसका कहना था कि सहायता राशि का आधा हिस्सा बहू और आधा हिस्सा उन्हें दिलाने की व्यवस्था की जाए। इस प्रकरण में जिला श्रम पदाधिकारी को आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गए है।

खैरलांजी तहसील के ग्राम मोवाड़ के वार्ड पंच तुलाराम मते शासकीय स्कूल की भूमि का दोबारा सीमांकन कराने की मांग लेकर आये थे। उन्होंने बताया कि स्कूल की बाउंड्रीवाल का निर्माण चल रहा है, लेकिन पहले किया गया सीमांकन संतोषजनक नहीं है। उनका कहना है कि सचिव और सरपंच ने वार्ड पंच को सूचना दिए बिना सीमांकन कराया है। वार्ड पंच तुलाराम ने मांग की है कि अधिकारियों का दल गठित कर निष्पक्ष तरीके से दोबारा सीमांकन कराया जाए। इस प्रकरण में तहसीलदार वारासिवनी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बिरसा तहसील के ग्राम भडगांव निवासी काशीराम चिचाम राष्ट्रीय बांस मिशन के तहत नर्सरी स्थापित करने के लिए आर्थिक सहायता या बैंक ऋण दिलाने की मांग लेकर आये थे। काशीराम का कहना था कि वे 12वीं पास हैं, नर्सरी तैयार करने का अनुभव रखते हैं और वर्तमान में बेरोजगार हैं। उन्होंने बताया कि कि आर्थिक तंगी के कारण वे नर्सरी का कार्य शुरू नहीं कर पा रहे हैं। इस प्रकरण में सहायक संचालक उद्यान को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

ग्रीन वेली पब्लिक स्कूल के छात्र मोहित तिवारी की भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्ति..

विद्यालय प्रबंधन ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं..

जगप्रेरणा बालाघाट।

बालाघाट जिले में विद्यार्थीयों के बेहतर भविष्य के लिये निरंतर प्रयासरत जिले की ख्यातिप्राप्त शैक्षणिक संस्था ग्रीन वेली पब्लिक स्कूल के शिक्षक राजेश तिवारी एवं शासकीय शिक्षक श्रीमती नुपुर तिवारी के सुपुत्र मोहित तिवारी को 13 जून 2026 को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्त किया गया है।

मोहित तिवारी की इस उपलब्धि से ग्रीन वेली पब्लिक स्कूल में हर्ष व्याप्त है। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती अंकुर कुलकर्णी ने कहा कि मोहित तिवारी की यह उपलब्धि उनके परिवार और क्षेत्र के साथ साथ विद्यालय परिवार के लिये भी गर्व की बात है तथा युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

लेफ्टिनेंट मोहित तिवारी के संबंध में ग्रीन वेली पब्लिक स्कूल प्राचार्य ने बताया कि मोहित ने वर्ष 2021 में ग्रीन वैली पब्लिक स्कूल से 12 वीं की शिक्षा पूर्ण की। वर्ष 2022 में मात्र 18 वर्ष की आयु में उन्होंने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़कवासला में प्रवेश लिया, जहाँ उन्होंने तीन वर्षों तक कठोर सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया। वर्ष 2025 में 21 वर्ष की आयु में वे राष्ट्रीय रक्षा अकादमी से सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुए। इसके बाद उन्होंने भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून में प्रवेश लिया और एक वर्ष का सैन्य प्रशिक्षण प्राप्त किया वर्ष 2026 में 22 वर्ष की आयु में उन्होंने भारतीय सैन्य अकादमी से प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। हाल ही में 13 जून 2026 को मोहित तिवारी को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर नियुक्त किया गया है।

रोटरी क्लब ऑफ वैनगंगा के नए अध्यक्ष होंगे श्रेयांस (शेखु) वैद्य

अंशुल अग्रवाल को सचिव और गौरव माहेश्वरी को मिली कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी

श्रेयांस वैद्य

अंशुल अग्रवाल

गौरव माहेश्वरी

जगप्रेरणा बालाघाट।

रोटरी क्लब ऑफ वैनगंगा बालाघाट में वर्ष 2026-27 के कार्यकाल के लिए नए पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया है। वर्तमान अध्यक्ष सुकुमार जैन, सचिव निलेश पटेल और कोषाध्यक्ष विकल्प जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि नए कार्यकाल के लिए अध्यक्ष श्रेयांस वैद्य, सचिव अंशुल अग्रवाल और कोषाध्यक्ष गौरव माहेश्वरी को मनोनित किया गया है।

सभी नए पदाधिकारियों को रोटरी क्लब ऑफ वैनगंगा बालाघाट के रोटेरियन साथियो ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। नए कार्यकाल की शुरूआत आज 1 जुलाई से होगी। एक जुलाई को सीए एवं डॉक्टर्स-डे होने पर रोटरी क्लब ऑफ वैनगंगा के नव पदाधिकारियों एवं सदस्यों द्वारा रोटेरियन साथियों के साथ शहर के सीए और डॉक्टर्स को सम्मानित किया जाएगा। गौरतलब है कि नवनियुक्त रोटरी क्लब अध्यक्ष श्रेयांस श्रेयांस (शेखु) वैद्य जिले के चर्चित चेहरों में शामिल हैं, तथा वे सामाजिक क्षेत्र में अनेक पदों पर कार्य करते हुए सक्रिय हैं। वर्तमान में श्रेयांस वैद्य जैन समाज के सचिव हैं, जबकि वहीं जैन प्रिमीयर लीग के भव्य आयोजन को सफलतापूर्वक कर दिखाते हुए सीएमडी के पद का कुशल संचालन करते आ रहे हैं। इसी प्रकार श्रेयांस वैद्य वैश्य समाज के संभागीय ईकाई के युवा अध्यक्ष के पद पर कार्य कर रहे हैं, जिससे कि माना जा सकता है कि श्रेयांस वैद्य के प्रतिनिधित्व में इस वर्ष रोटरी क्लब के सामाजिक कार्यक्रम और बढ़चढ़कर नगर व जिले में संपन्न होंगे। चर्चा किये जाने पर श्रेयांस वैद्य ने जगप्रेरणा को बताया कि वे रोटरी क्लब से पिछले 10 साल से जुड़े हुए हैं, और पहली बार उन्हें अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी जा रही है। अपने कार्यकाल में सामाजिक सेवाओं के साथ साथ भव्य स्वरुप में मेडिकल कैम्प लगाने का भी वे प्रयास करेंगे, यह बात भी श्रेयांस वैद्य ने कही।

मौसम परिवर्तन के चलते आंगनवाड़ी केंद्रों का समय में हुआ बदलाव

1 जुलाई से सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक संचालित होंगे केंद्र

जगप्रेरणा बालाघाट।

मौसम में आए परिवर्तन को देखते हुए महिला एवं बाल विकास विभाग ने जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों के संचालन समय में संशोधन किया है। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री सुंद्रीयाल द्वारा मंगलवार 30 जून को इस संबंध में आदेश जारी कर दिये गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार, ग्रीष्म ऋतु को ध्यान में रखते हुए 22 अप्रैल 2026 से आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन प्रातः 7:30 बजे से दोपहर 2:30 बजे तक किया जा रहा था। वर्तमान मौसमीय परिस्थितियों को देखते हुए इस आदेश में संशोधन कर अब सभी आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन पूर्व निर्धारित समयानुसार प्रातः 9:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक किया जाएगा। नई समय-सारणी के अनुसार सुबह 9 बजे बच्चों के स्वागत एवं आंगनवाड़ी संचालन की शुरुआत होगी। इसके बाद शाला पूर्व शिक्षा, सामुदायिक गतिविधियां, पूरक पोषण आहार, स्वतंत्र एवं रचनात्मक खेल, भाषा एवं साक्षरता विकास, बाहरी खेल गतिविधियां तथा दोपहर में भोजन वितरण कराया जाएगा।

दोपहर बाद थर्ड मील वितरण, पोषण परामर्श, वृद्धि निगरानी, किशोरी बालिका योजना अंतर्गत गतिविधियां, गृह भेंट एवं अन्य विभागीय कार्य संपादित किए जाएंगे। शाम 4 बजे तक रिकॉर्ड संधारण के साथ केंद्र का दैनिक कार्य पूर्ण होगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री सुंद्रीयाल ने सभी परियोजना अधिकारियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं संबंधित स्व-सहायता समूहों को संशोधित समय-सारणी का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

दैनिक जग प्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें..
मनोज सचदेव बालाघाट
मो. 9425822975

14 वीं राष्ट्रीय पेंचक सिलाट चैंपियनशिप में बालाघाट के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

दो स्वर्ण सहित चार पदक जीते..

जगप्रेरणा बालाघाट।

महाराष्ट्र के नासिक स्थित संत जनार्दन स्वामी लॉन, तपोवन में 25 से 28 जून 2026 तक आयोजित 14वीं जूनियर राष्ट्रीय पेंचक सिलाट चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए बालाघाट जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर

जिले का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया। चार खिलाड़ियों के दल ने प्रतियोगिता में भाग लेकर कुल दो स्वर्ण, एक कांस्य तथा एक अतिरिक्त कांस्य पदक अपने नाम किए। इस चार दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देशभर के लगभग 1900 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में दमन एवं दीव, गोवा, तमिलनाडु, केरल, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, अंडमान एवं निकोबार, पुडुचेरी, ओडिशा, पश्चिम बंगाल तथा दिल्ली सहित अनेक राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बालाघाट के खिलाड़ियों में ओम सोनकर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तुंगल इवेंट में स्वर्ण पदक तथा टेंडिंग इवेंट में कांस्य पदक जीतकर दो पदक अपने नाम किए। सोहम बैरा ने टेंडिंग इवेंट में कांस्य पदक अर्जित किया। वहीं विहान बिसेन ने सब-जूनियर वर्ग के टेंडिंग इवेंट में स्वर्ण पदक जीतकर मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया। आर्या राहंगडाले ने भी उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया और अपनी प्रतिभा का प्रभाव छोड़ा।

प्रतियोगिता में बालाघाट के राष्ट्रीय रेफरी एवं जज प्रवीण नन्हेट ने निर्णायक (जज) की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके उत्कृष्ट तकनीकी योगदान एवं निष्पक्ष निर्णयन के लिए आयोजन समिति द्वारा उन्हें मोमेंटो एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान बालाघाट एवं मध्यप्रदेश के लिए गर्व का विषय है। प्रतियोगिता सम्पन्न होने के बाद 29 जून 2026 को दोपहर में बालाघाट टीम का आगमन हुआ। खिलाड़ियों के स्वागत के लिए एकलव्य मार्शल आर्ट एंड फिटनेस एकेडमी, बालाघाट पेंचक सिलाट एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारी, प्रशिक्षक, पालकगण एवं खेल प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी खिलाड़ियों का पुष्पगुच्छ, फूल-मालाओं एवं जोरदार तालियों के साथ भव्य स्वागत किया गया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर खेल जगत में हर्ष का माहौल है। प्रशिक्षकों एवं अभिभावकों ने खिलाड़ियों की मेहनत, अनुशासन और समर्पण की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी बालाघाट के खिलाड़ी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन करते रहेंगे।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा बालाघाट ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा..

जगप्रेरणा बालाघाट।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रांतीय आव्हान पर प्रदेश के 5 लाख पेंशनर्सों के हित रक्षणार्थ आंदोलन के दुसरे चरण में प्रांतीय उपाध्यक्ष व जिला अध्यक्ष ए एल मोहारे, संभागीय उपाध्यक्ष डा. एस एस बिसेन व संरक्षक सुभाष पटेल के नेतृत्व में आज पांच सूत्रीय मांगों का ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर श्री मयाराम कोल को सौंपा गया ।

ज्ञापन सौंपने के पूर्व सभी तहसीलों से पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों व सदस्यों का हुजुम कमला नेहरू सभागृह में एकत्र होकर धरना, प्रर्दशन कर सरकार की पेंशनर्सों की नीतियों के विरुद्ध लांजी, किरनापुर , वारासिवनी, खैरलांजी, लामता, लालबर्रा, आदि के पदाधिकारियों द्वारा उद् बोधन किया गया साथ ही आंदोलन की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसी तारतम्य में जिला सचिव अमर सिंह ठाकुर, पी आर देशमुख, संभागीय उपाध्यक्ष डा एस एस बिसेन, जिला अध्यक्ष ए एल मोहारे व संरक्षक सुभाष पटेल ने भी उपस्थित पेंशनर्स साथियों को आंदोलन के प्रथम चरण की सफलता के लिए बधाई देते हुए सरकार से अपने हितों की रक्षा हेतु संघर्षरत रहने का आव्हान किया। मंच संचालन कोषाध्यक्ष पी एल मोहारे द्वारा किया गया। सभा की समाप्ति के बाद सभागृह से एक विशाल रैली के माध्यम से जिला कलेक्टर कार्यालय की ओर अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए प्रस्थान किया । ज्ञापन सौंपने के पूर्व उसका वाचन श्री पी आर देशमुख द्वारा कर उपस्थित सभी पेंशनर्सों व अधिकारी गण को सुनाया गया।

दरीयां, मेटींग्स, कार्पेट्स, डोरमेट्स, शॉल, ब्लैंकेट्स, स्कूल की भोजन पट्टियां, ताड़पत्री, मच्छरदानी, ग्रीन नेट, चादरें, बेड शीट्स के थोक व चिल्लर विक्रेता
रमनकुमार मेठी हैंडलुम हाऊस
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया 9890696200

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

धनौरा कॉम्प्लेक्स विवाद: जनपद CEO के बयान के बाद सीधे कटघरे में आए सरपंच दिनेश कौरेती..

क्या रसूखदारों के आगे नतमस्तक है पंचायत प्रशासन या है कोई गुप्त साठगांठ?

जगप्रेरणा बलजीत सिंह धनौरा।

सिवनी जनपद मुख्यालय की ग्राम पंचायत धनौरा में 19 लाख रू. की सरकारी लागत से बने मार्केट कॉम्प्लेक्स में हुए 'ताले तोड़ो और कब्जा करो' आंदोलन के बाद अब असली प्रशासनिक जिम्मेदारी को

लेकर जंग छिड़ गई है। बीते दिन न्यूज़ चैनल के इंटरव्यू में जनपद सीईओ ओंकार सिंह ठाकुर ने दो टूक शब्दों में स्पष्ट कर दिया था कि शासकीय संपत्ति की सुरक्षा, देखरेख और इस पर होने वाले किसी भी अवैध कृत्य को रोकने की सीधी और पहली जिम्मेदारी स्वयं ग्राम पंचायत की है। जनपद सीईओ के इस बयान ने अब सीधे तौर पर धनौरा ग्राम पंचायत के मुखिया (सरपंच) दिनेश कौरेती को कटघरे में खड़ा कर दिया है।

संवैधानिक पद पर बैठकर मौन क्यों हैं सरपंच? उठ रहे गंभीर सवाल..

क्षेत्र की प्रबुद्ध जनता और बेरोजगार युवाओं में अब यह सुलगता हुआ सवाल तैर रहा है कि जिस भारतीय संविधान और पंचायती राज की 'आरक्षण प्रक्रिया' के तहत चुनकर दिनेश कौरेती आज सरपंच की कुर्सी पर विराजमान हैं, उसी संविधान द्वारा शोषित, वंचित, अनुसूचित जाति **(SC)** और अनुसूचित जनजाति **(ST)** वर्ग के युवाओं को दिए गए अधिकारों पर वे मौन क्यों साधे हुए हैं? जब शासकीय रिकॉर्ड में कॉम्प्लेक्स का न तो कोई टेंडर हुआ, न नीलामी हुई और न ही सी.सी. जारी हुई, तो रसूखदारों द्वारा खुलेआम ताले तोड़कर दुकानें संचालित करने पर सरपंच ने अब तक कड़ा रुख क्यों नहीं अपनाया? क्या रसूखदारों से कोई गुप्त साठगांठ है या फिर धनौरा पंचायत के मुखिया पूरी तरह बेबस हो चुके हैं?

क्या अपने ही वर्ग के मूल निवासियों को दिला पाएंगे हक?

ग्रामीणों का आरोप है कि इस कॉम्प्लेक्स का वितरण शासन की गाइडलाइन के अनुसार बकायदा आरक्षण रोस्टर (**SC/ST/OBC** व महिला कोटा) के तहत होना था, ताकि क्षेत्र के गरीब और जरूरतमंद मूल निवासी युवाओं को रोजगार का साधन मिल सके। लेकिन जमीनी हकीकत में संपन्न और रसूखदार लोगों ने दुकानों पर कब्जा जमा लिया है। ऐसे में यह देखना बेहद दिलचस्प होगा कि क्या सरपंच दिनेश कौरेती अपने ही समाज और वर्ग के उन गरीब युवाओं को न्याय दिला पाते हैं जिनके पास न तो पैरवी करने के लिए कोई 'छोटभैया नेता' है और न ही मोटी रकम देने के लिए दलाल।

क्या शीघ्र अति शीघ्र कॉम्प्लेक्स को कब्जा मुक्त कराकर ताला लगवा पाएगी पंचायत?

जनपद सीईओ ओंकार सिंह ठाकुर द्वारा जिम्मेदारी तय किए जाने के बाद अब पूरी कार्यप्रणाली का दारोमदार सरपंच दिनेश कौरेती पर है। क्षेत्र की जनता अब यह देखना चाहती है कि क्या ग्राम पंचायत के मुखिया त्वरित कार्रवाई करते हुए शासकीय परिसर को तत्काल कब्जा मुक्त कराकर वहां आधिकारिक ताला लगवाते हैं, या फ़िर जांच और बहानों की आड़ में रसूखदारों को उपकृत करने का यह मूक खेल यूँ ही चलता रहेगा? यदि पंचायत प्रशासन ने तत्काल दंडात्मक कदम नहीं उठाए, तो यह साफ़ हो जाएगा कि धनौरा में नियमों का नहीं, बल्कि रसूखदारों और दलालों का सिक्का चल रहा है।

दैनिक जगप्रेरणा के तीखे सवाल..

सवाल 1: सरपंच दिनेश कौरेती जी, जब खुद जनपद सीईओ कह रहे हैं कि संपत्ति की सुरक्षा आपकी जिम्मेदारी है, तो फिर सरकारी दुकानों के ताले टूटने पर आपने अब तक थाने में शिकायत या एफआईआर क्यों नहीं कराई? **सवाल 2:** जिस आरक्षण व्यवस्था ने आपको गाँव का प्रथम नागरिक (सरपंच) बनाया, उसी आरक्षण व्यवस्था के तहत गरीब **SC-ST** वर्ग के बेरोजगार युवाओं को उनका हक दिलाने में आपकी कलम क्यों कांप रही है? **सवाल 3:** क्या रसूखदारों के 'बरसात' वाले बहाने को स्वीकार कर पंचायत प्रशासन धनौरा के स्थानीय मूल निवासी युवाओं के भविष्य पर पानी फेरना चाहता है? **सवाल 4:** धनौरा की जनता जानना चाहती है कि आप शीघ्र अति शीघ्र इस कॉम्प्लेक्स को कब्जा मुक्त कराकर सील लगवाएंगे, या फिर इस मौन साठगांठ को ही अपनी नियति मान लेंगे?

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मुख्यातिथ्य में आयोजित होगा धान महोत्सव कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जिले को देंगे 494.16 करोड़ रुपये के 629 विकास कार्यों की सौगात..

कोदो-कुटकी उत्पादक किसानों को मिलेगा प्रोत्साहन राशि का लाभ..

जगप्रेरणा सिवनी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्यातिथ्य में बुधवार 01 जुलाई को जिले में प्रदेश स्तरीय धान महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जिले को विकास और किसान कल्याण की अनेक सौगातें देंगे।

कार्यक्रम के माध्यम से कोदो-कुटकी उत्पादक किसानों को प्रोत्साहन राशि का अंतरण, विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन, हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जिले के कुल 494.161 करोड़ रुपये लागत के 629 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन करेंगे। इनमें 349.33 करोड़ रुपये लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण तथा 144.831 करोड़ रुपये लागत के विकास कार्यों का भूमिपूजन शामिल है। इन परियोजनाओं से जिले में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल एवं नगरीय अधोसंरचना को नई गति मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के करकमलों से राज्य के कोदो एवं कुटकी उत्पादक 3,941 किसानों के बैंक खातों में 2 करोड 82 लाख 99 हजार 300 रूपये की प्रोत्साहन राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की जाएगी। यह राशि किसानों को 1 हजार रूपये प्रति क्विंटल की दर से प्रदान की जा रही है, जिससे श्रीअन्न उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आय में वृद्धि होगी। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण विभिन्न विभागों द्वारा लगाई जाने वाली थीम आधारित विकास प्रदर्शनी होगी। प्रदर्शनी में धान बुवाई के आधुनिक कृषि यंत्र, प्राकृतिक खेती एवं प्राकृतिक बगीचे, कस्टम हायरिंग सेंटर, जीआई टैग एवं मिलेट्स उत्पाद, पीएमएफएमई उत्पाद, आम की विभिन्न किस्में, स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प एवं मिट्टी कला उत्पाद, लघु वनोपज, स्थानीय उद्यमियों के उत्पाद, पोषण आहार प्रदर्शनी, डिजिटल जमीन, कृषिका एप तथा किसान क्रेडिट कार्ड से संबंधित जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। प्रदर्शनी परिसर में आकर्षक सेल्फी प्वाइंट भी आमजन के लिए विशेष आकर्षण रहेगा। इस अवसर पर प्रदेश शासन के राजस्व मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, कृषि मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना, सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते, सांसद श्रीमती भारती पारधी, विधायक श्री दिनेश राय, विधायक श्री कमल मर्सकोले, विधायक श्री रजनीश सिंह, विधायक श्री योगेंद्र सिंह तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती डहेरिया सहित अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति रहेगी। साथ ही बड़ी संख्या में कृषक बंधुओं की सहभागिता कार्यक्रम में रहेगी।

इन प्रमुख विकास कार्यों की मिलेगी सौगात..

मुख्यमंत्री लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 3.64 करोड़ रुपये लागत के दौंदीवाड़ा-बरटोला-ओखाटोला-अमुरला मार्ग, 3.42 करोड़ रुपये लागत के पांडिया छपारा-जेवनारा मार्ग तथा 3.93 करोड़ रुपये लागत के मोहबर्रा-सारसडोल मार्ग का लोकार्पण करेंगे। वहीं 2.92 करोड़ रुपये लागत के मलारी-पौड़ी मार्ग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 9.97 करोड़ रुपये लागत से निर्मित अंजनिया, भीमगढ़, गंगई रैयत, सरेखाटोला एवं कौड़िया रैयत मार्गों पर पुल निर्माण कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। इसके अलावा 6.65 करोड़ रुपये लागत के बरबसपुर-सुनवारा-आमानाला वैनगंगा नदी सेतु तथा 2.78 करोड़ रुपये लागत के घोघराटोला-मंगलटोला हिर्री नदी सेतु का लोकार्पण होगा। इसी तरह लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अंतर्गत बरघाट में 145.60 करोड़ रुपये, केवलारी में 67.34 करोड़ रुपये, सिवनी में 52.19 करोड़ रुपये तथा लखनादौन में 44.49 करोड़ रुपये लागत की एकल नल-जल योजनाओं तथा स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत 2.95 करोड़ रुपये लागत के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सिहोरा, 1.59 करोड़ रुपये लागत के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र घंसौर एवं केदारपुर, 1.95 करोड़ रुपये लागत के उप स्वास्थ्य केंद्र लखनवाड़ा, बींझावाड़ा एवं तिघरा का लोकार्पण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हस्ते 2.36 करोड़ रुपये लागत के केवलारी खेड़ा-टालाटाली मार्ग तथा 102.01 करोड़ रुपये लागत के गनेशगंज-लामटा-सुनवारा-पिंडरई-देवरी टीका मार्ग का भूमिपूजन संपन्न होगा। इसी तरह नगरपालिका सिवनी के अंतर्गत 4.96 करोड़ रुपये लागत के बबरिया गार्डन स्विमिंग पूल, 1.60 करोड़ रुपये लागत के नवीन फायर स्टेशन तथा 11.51 करोड़ रुपये लागत के नगर पालिका कार्यालय भवन का भूमिपूजन होगा। वहीं 3.34 करोड़ रुपये लागत के मिनी स्टेडियम लखनादौन तथा 8 करोड़ रुपये लागत के 100-100 सीटर बालक एवं बालिका छात्रावास (संदीपनि विद्यालय, धूमा) निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया जाएगा। इसी प्रकार 1.30-1.30 करोड़ रुपये लागत के उप स्वास्थ्य केंद्र कलारबांकी, औरिया रैयत, गोंडेगांव एवं केसलाकला का भूमिपूजन किया जाएगा। इसके अलावा जनजातीय कार्य विभाग द्वारा 2.30 करोड़ रुपये लागत के कन्या शिक्षा परिसर सिवनी एप्रोच रोड तथा 2.80 करोड़ रुपये लागत के कन्या शिक्षा परिसर लखनादौन एप्रोच रोड का भूमिपूजन किया जाएगा। वहीं महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत बरघाट 56 लाख रूपये , सिवनी 33 लाख रुपय, केवलारी 22 लाख रुपये एवं लखनादौन में 2.24 करोड़ रुपये लागत से बनने वाले नवीन आंगनवाड़ी भवनों का भूमिपूजन भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव के करकमलों से संपन्न होगा।

सिवनी जिले को सिर्फ घोषणाएँ ही मिली है जो आज तक पूरी नही हुई - जेपीएस..

जगप्रेरणा सिवनी।

भारतीय जनता पार्टी मुख्यमंत्री मोहन यादव के सिवनी आगमन को लेकर ऐसा प्रचारित कर रही है कि जैसे कि सिवनी जिले के विकास के लिए बड़ी-बड़ी सौगाते लेकर आ रहें हो। इसके पूर्व में भी भाजपा के

मुख्यमंत्रियों का आगमन होता रहा है पर सिर्फ सिवनी जिले को घोषणाएँ ही मिली है जो आज दिनांक तक पूरी नही हुई। जेपीएस तिवारी प्रवक्ता जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी ने कहा है कि इंडियन एक्सप्रेस में प्रसारित खबर ने पूरे देश में मोहन यादव जी की छबि को धूमिल किया है महाकाल जैसे पवित्र नगरीय में जिस तरह से पद का लाभ लेते हुए अपने और परिजनों के नाम से सैकड़ो एकड़ जमीन, प्लॉट कौड़ियों के भाव खरीदे, जिससे उनके द्वारा किया जा रहा भ्रष्टाचार को दर्शाता है।

बीते दिनों सरकारी विभाग में हुए ट्रांसफर में बिना लेन देन नही हुए है ऐसा ही प्रदेश के हर सरकारी विभागों में बिना पैसा दिए कोई काम नहीं हो रहा है, शासकीय योजनाओं को पूरा करने के लिए प्रदेश को कर्जदार बनाया जा रहा है। सिवनी जिले के किसानों को फसलो की सही कीमत नही मिल पा रही है खाद के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है, बखरौनी बुआई के समय किसानों को पर्याप्त डीजल नहीं मिल पाया जिससे किसान हताश और निराश है। सिवनी मेडिकल कॉलेज की घोषणा होने के वर्षो बाद मेडिकल कॉलेज का निर्माण हुआ। जिसकी जिले को बहुत अधिक आवश्यकता है अस्पताल जिसका निर्माण अभी तक प्रारंभ नही किया गया। सिवनी को संभाग बनाने की घोषणा, नगर निगम बनाने की घोषणा आज भी अधूरी है, इंजीनियरिंग कॉलेज, कृषि विद्यालय का आज दिनांक तक कोई अता पता नही है, लालमाटी क्षेत्र को पानी देने की बात कही गई, सिवनी में क्रिकेट के खिलाड़ी तो बहुत है जिन्होंने अन्तराष्ट्रीय,राष्ट्रीयं एवं प्रदेश में अपने खेल का जौहर दिखाया है लेकिन क्रिकेट का मैदान नही है। सिवनी में ऐसा कोई गार्डन नही है जिसमें परिवार के लोग एक साथ घूम सके। सिवनी के कंडीपार में संदीपनि स्कूल का निर्माण किया गया है जिसमें अभी तक परिवहन व्यवस्था नही है शाला के बच्चे कैसे आना जाना करेंगे।

केवलारी विधानसभा में धनौरा महाविद्यालय के लिए शिवराजसिंह चौहान एवं मोहन यादव द्वारा घोषणा की गई थी जिसका निर्माण अभी तक प्रारंभ नही किया गया, बैनगंगा तिलवारा बायी तट नहर सीमेंटीकरण के लिए वर्ष 2023 में स्वीकृति मिलने के पश्चात टेंडर लगाए जाने की घोषणा की गई थी जो कि आज भी जस की तस है। अभी तक उक्त कार्य का शुभारंभ नही किया गया। यह भाजपा की नीति और नियत को दर्शाता है कि भाजपा जो भी घोषणा करती है उसमें निश्चित रूप में झूठ का पुट होता है। भाजपा के मुख्यमंत्रियों द्वारा लखनादौन को जिला बनाने की घोषणा कई बार की है जो कि आज तक घोषणा ही बनकर रह गई है।

फिर मुख्यमंत्री मोहन यादव सिवनी आगमन हो रहा है जिला प्रशासन द्वारा लाखो रूपय खर्च कर स्वागत की तैयारीयॉ की जा रही है कही पूर्व की तरह भूमि पूजन कर शासकीय राशि को खाते में डालकर बडी बडी घोषणाएँ कर निकल जाऐगें और जिले की जनता एक बार फ़िर अपने आपको ठगा महसूस करेंगी।

आज कांग्रेस करेगी विरोध प्रदर्शन

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा सिवनी के लिए अनेक घोषणाएँ करने के बाद पूरी नही की गई, उनकी वादा खिलाफी के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी द्वारा आज 12 बजे जिला कांग्रेस में एकत्र होकर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल में रवाना होकर विरोध प्रदर्शन किया जायेगा।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी ने जिला कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस, नगर कांग्रेस अध्यक्ष गण, प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि, पदाधिकारी, वरिष्ठ कांग्रेस नेतागणों, मोर्चा संगठन युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, कांग्रेस सेवादल, जिला एनएसयुआई, समस्त मंडलम, विभाग एवं प्रकोष्ठ कांग्रेस अध्यक्ष, पदाधिकारी, जिला जनपद एवं नगरपालिका के निर्वाचित जनप्रतिनिधि एवं समस्त कांग्रेस जनों से अनिवार्य रूप से विरोध प्रदर्शन में उपस्थिति हेतु अपील की है।

डुण्डासिवनी पुलिस को बड़ी सफलता: सूने मकान में चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

1.60 लाख का मशरुका बरामद: नगदी, जेवरात, लैपटॉप व आइपैड जप्त..

सीसीटीवी व मुखबिर तंत्र से मिली अहम लीड, आरोपी भेजे गए जेल..

जगप्रेरणा सिवनी।

पुलिस अधीक्षक सिवनी कृष्ण लालचंदानी द्वारा चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु दिए गए सख्त निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक मिश्रा एवं स्ष्ठह्रक्क सिवनी सचिन परते के मार्गदर्शन में थाना डूण्डासिवनी पुलिस ने रात में सूने मकान को निशाना बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर 48 घंटे के भीतर वारदात का खुलासा किया है।

दिनांक 28.06.2026 को प्रार्थी संदीप चौधरी निवासी ड्रीमलैंड सिटी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि अज्ञात चोरों द्वारा घर का ताला तोड़कर नगदी, जेवरात, लैपटॉप एवं आइपैड चोरी कर लिए गए हैं। रिपोर्ट पर थाना डूण्डासिवनी में अपराध क्र. 340/2026 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया.

थाना प्रभारी निरीक्षक चैनसिंह उइके के नेतृत्व में विशेष टीम गठित कर तत्काल आरोपियों की धरपकड़ हेतु क्षेत्र में रवाना की गई। डूण्डासिवनी पुलिस द्वारा तत्परता दिखाते हुए संदेहियों से पूछताछ, मुखबिर तंत्र सक्रिय करने एवं घटना स्थल व आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। चंद घंटों के भीतर तीन संदेहियों को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई, जिन्होंने चोरी करना कबूल किया।

गिरफ्तार आरोपी एवं जप्ती

चेतन पिता विजयराव दुर्गे, उम्र 20 वर्ष, निवासी खटीकी मोहल्ला, आजाद वार्ड, सिवनी, विधि विरुद्ध बालक 02 नाबालिग। **जप्त मशरुका-** कुल कीमत लगभग 1,60,000/- नगदी - ₹27,800/-, 01 नग सोने का पैंडल 01 जोड़ी चांदी की पायल, 01 नग चांदी का हाथ का कड़ा, 01 नग लैपटॉप, 01 नग आइपैड।

सराहनीय भूमिका..

इस सफल कार्रवाई में निरीक्षक चैनसिंह उइके के नेतृत्व में सउनि बालकृष्ण त्रिगाम, सउनि संजय बघेल, प्रआर रंजीत पटले, नितेश राजपूत, धूपलाल नेताम, योगेन्द्र चौहान, आरक्षक आशीष ठाकरे, विनोद बोपचे, रवि धुर्वे, धनराज बरकड़े, हिमेन्द्र सहारे, अकलेश माहोरे एवं मोहसीन आजमी का विशेष एवं सराहनीय योगदान रहा।

खेत में मिला वयस्क भालू का शव

जगप्रेरणा सिवनी।

धूमा वन परिक्षेत्र अंतर्गत बरबटी ग्राम के पास सोमवार रात खेत में वयस्क भालू का शव मिला। ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग का अमला तत्काल मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा

कार्रवाई की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। भालू की मौत के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो सका है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार रात कुछ ग्रामीणों ने खेत में भालू को मृत अवस्था में देखा। उन्होंने तुरंत वन विभाग को सूचित किया। सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी और वनकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। प्रारंभिक जांच में भालू के शरीर पर किसी स्पष्ट चोट के निशान नहीं मिले हैं। मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। वन विभाग के रेंजर आकाश परोहा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही भालू की मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।धूमा परिक्षेत्र घने जंगलों से घिरा उन्होंने कहा किसी बीमारी, करंट, विषाक्त पदार्थ के सेवन, आपसी संघर्ष या किसी अन्य वजह से मौत हुई है, यह रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा। यदि कोई संदिग्ध परिस्थिति सामने आती है, तो मामले की विस्तृत जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। धूमा वन परिक्षेत्र और इसके आसपास का क्षेत्र घने जंगलों से घिरा हुआ है।

यहां भालू, तेंदुआ, हिरण और जंगली सूअर जैसे कई वन्यजीव पाए जाते हैं। भोजन और पानी की तलाश में ये वन्यजीव अक्सर जंगल से निकलकर खेतों और ग्रामीण इलाकों में आ जाते हैं, जिससे मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं भी होती रहती हैं।

घायल वन्यजीव दिखे तो वन विभाग को सूचना दें..

वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि उन्हें कोई वन्यजीव घायल, बीमार या संदिग्ध अवस्था में मिले, तो वे स्वयं उसके पास जाने या छेड़छाड़ करने से बचें। इसके बजाय, तत्काल वन विभाग को सूचित करें। अधिकारियों ने जोर दिया कि वन्यजीवों कीसुरक्षा और संरक्षण सभी की साझा जिम्मेदारी है, और समय पर सूचना मिलने से उनकी जान बचाई जा सकती है।

एमएलबी प्राचार्य हुई सेवानिवृत्त..

जगप्रेरणा सिवनी।

शिक्षा विभाग में किस माह में 39 शिक्षकों के सेवानिवृत्ति के अवसर पर शालाओं में कार्यक्रम आयोजित किए गए नगर मुख्यालय स्थित महारानी लक्ष्मीबाई कन्यशाला में डॉक्टर आराधना राजपूत को बिदाई देते हुए शिक्षा विभाग की एपीसी संयुक्त उईके ने कहा कि उन्हें आज विदाई देते हुए दुख हो रहा है वहीं दूसरी ओर मेरा भी स्थानांतरण होने का दुख है इस अवसर पर संजीव राय एवं अनीता वगाडे ने कहा कि ने कहा कि मुझे उनके साथ काम करने का अवसर मिला और उनके अनुभव को मैं आगे भविष्य में आगे बढ़ने का काम करूंगी।

इस अवसर पर सेवानिवृत्ति शिक्षक राजीव धगट उपाध्याय दीपमाला पाठक श्रीमती चंदेल शाहिद अनेक लोगों ने अपनी भावनाएं राखी श्रीमती सिंह गौर द्वारा अभिनंदन पत्र भेंट किया गया इस अवसर पर श्रीमती आराधना राजपूत के पति श्री सुरेंद्र सिंह राजपूत उपस्थित रहे।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा
वारासिवनी, कटंगी
डोंगरमाली, रामपायली, खैरलांजी, बुदबुदा, कोचेवाही, तिरोड़ी, बोनकट्टा, महकेपार..

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी ने ग्राम खमरिया में परमात्मा एक सेवा मंडल के त्रैमासिक चर्चा बैठक कार्यक्रम में की शिरकत..

जगप्रेरणा कटंगी।

कटंगी विधानसभा क्षेत्र के विधायक गौरव सिंह पारधी ने गत रात्रि ग्राम खमरिया में परमात्मा एक सेवा मंडल द्वारा आयोजित त्रैमासिक चर्चा बैठक एवं धार्मिक समारोह में सहभागिता कर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर विधायक ने उपस्थित सेवक-सेविकाओं एवं आयोजन समिति के सदस्यों से आत्मीय मुलाकात कर उनका अभिवादन किया।

व्यसन मुक्ति और सत्य का संदेश देता है यह मार्ग - गौरव सिंह पारधी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गौरव सिंह पारधी ने कहा कि परमात्मा एक मार्ग के मार्गदर्शक समय-समय पर सेवकों को सही दिशा प्रदान करते हैं।

उन्होंने कहा कि यह मार्ग सत्य और व्यसनमुक्त जीवन की प्रेरणा देने वाला है। ऐसे आयोजन समाज में भाईचारे, सेवा भावना और आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करने का कार्य करते हैं। विधायक ने आयोजन समिति की सराहना करते हुए सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

महाराष्ट्र सहित बड़ी संख्या में पहुंचे सेवक

कार्यक्रम में क्षेत्र सहित महाराष्ट्र राज्य से बड़ी संख्या में सेवक-सेविकाएं उपस्थित रहे। इस दौरान सेवकों के जीवन में आए अनुभवों पर चर्चा की गई तथा मार्ग के विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। विधायक ने सभी के सुख-समृद्धि एवं क्षेत्र की निरंतर उन्नति की कामना की।

कार्यक्रम में अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुरूबेले, उद्घाटक टी.के. पराते, मंडल संचालक रामेश्वर जोगी, तापेश्वर वैद्य, सिंदेकर जी, मार्गदर्शक मारोतराव राउत गुरुजी, भैयालाल हलमारे, संचालक संतोष चौधरी नांदी, आयोजक ओमप्रकाश सूर्यवंशी, रणजीत ठवकर,

फुल्लेंद्र बनकर, जियालाल टांडेकर, गंगाधर दिखाते, नरेश पराते, भुवनलाल कुर्बेती, राहुल भूरे सहित परमात्मा एक सेवा मंडल के सभी सेवक-सेविकाओं की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

निजी शिक्षण संस्थान सरकारी आदेशों की उड़ा रहे धज्जियां

स्कूल प्रबंधन द्वारा निर्धारित दुकानों से किताबें और ड्रेस खरीदने पालकों पर बना रहे दबाव..

जनसुनवाई में हुई शिकायत क्रिएटिव इंटरनेशनल स्कूल किन्ही का मामला

जगप्रेरणा वारासिवनी।

हर वर्ष शिक्षण संस्थानों के खुलने के पूर्व सरकार द्वारा स्कूली किताबों यूनिफॉर्म सहित शिक्षण शुल्क को लेकर गाइड लाइन जारी कर निजी शिक्षण संस्थानों को आदेश का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए जाते हैं और आदेश के उल्लंघन पर कड़ी कार्यवाही की चेतावनी दी जाती हैं

लेकिन शासन की ये चेतावनी हर बार निजी शिक्षण संस्थानों के लिए महज कोरी भभकी बनकर रह जाती हैं और ये निजी शिक्षण संस्थान शासन के आदेशों की धज्जियां उड़ाते रहते हैं।

ऐसा ही शासन के आदेशों की धज्जियां उड़ाने का मामला खैरलांजी जनपद के किन्ही की निजी शिक्षण संस्थान क्रिएटिव इंटरनेशनल एकेडमी का सामने आया हैं जहाँ का प्रबंधन नियमों को ताक पर रखकर अपनी मनमानी चलाए जा रहा हैं।

जिसकी शिकायत मंगलवार को जिला मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में शिकायतकर्ता भोरगढ़ निवासी अंकित बारेवार ने करते हुए स्कूल प्रबंधन पर सख्त कार्यवाही की मांग की हैं।

क्रिएटिव इंटरनेशनल स्कूल किन्ही की मनमानी..

शिकायतकर्ता ने बताया कि क्रिएटिव इंटरनेशनल एकेडमी किन्ही के स्कूल प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों के अभिभावकों को प्रबंधन द्वारा निर्धारित की गई दुकानों से ही किताबें एवं ड्रेस खरीदने दबाव बनाया जा रहा हैं जो शासन द्वारा निर्धारित की गई गाइड लाइन के विपरीत हैं। जबकि उक्त स्कूलों की किताबें एवं स्कूल ड्रेस अन्य दुकानों पर किफायती दर पर उपलब्ध हैं बावजूद इसके स्कूल प्रबंधन द्वारा निर्धारित की गई खास दुकानों स ही किताबें और ड्रेस खरीदने दबाव बनाया जा रहा हैं । जिसके फलस्वरूप अभिभावकों को निर्धारित मूल्य से कहीं अधिक मूल्य पर अपने बच्चों के लिए शिक्षण सामग्री खरीदनी पड़ रही हैं जिससे पालकों पर भी इस महंगाई के दौर में पालकों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा हैं

किताबें और ड्रेस के लिए निर्धारित की दुकानें..

शिकायतकर्ता ने स्कूल प्रबंधन द्वारा वाट्सएप चैट पर अभिभावकों को भेजे गए मैसेज को भी उपलब्ध कराया हैं एक स्कूल शिक्षिका रीता मैडम द्वारा लिखा गया हैं कि स्कूल की किताबें शिवम जनरल स्टोर्स भोरगढ़ एवं स्कूल की ड्रेस खैरलांजी स्थित विमल अपना बाजार से खरीदी जाए जिससे स्पष्ट होता हैं कि स्कूल प्रबंधन की इन दुकान संचालकों के साथ कुछ विशेष ही स्नेह जुड़ा हुआ है जिस वजह से विद्यार्थियों के अभिभावकों के ऊपर दबाव डाला जा रहा हैं।

सरकारी गाइड लाईन का प्रबंधन कर रहा हैं उल्लंघन..

इतना ही नही शिकायतकर्ता ने बताया कि शासन की गाइड लाइन हैं कि बोर्ड कक्षाओं में प्रदेश सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी की गई किताबों से ही विद्यार्थियों को पढ़ाया जाएँगा लेकिन स्कूल प्रबंधन द्वारा इसकी भी खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए निजी पब्लिशर्स की किताबों से बच्चो को पढ़ाया जाता हैं और परीक्षा के एक एक डेढ़ माह पहले बच्चों को स्कूल शिक्षा विभाग की किताबों से पढ़ाया जाता हैं ऐसे में बच्चों की पढ़ाई पर भी विपरीत असर पड़ता हैं।

शिकायतकर्ता ने बताया कि स्कूल प्रबंधन की इस मनमानी से स्कूली किताबें और ड्रेस बेचने वाले विक्रेताओं के व्यसाय पर भी विपरीत असर पड़ रहा हैं। शिकायतकर्ता अंकित बारेवार ने जनसुनवाई में मांग की हैं कि उसकी शिकायत को गम्भीरता से लेकर मामले की विस्तृत जाँच कर स्कूल प्रबंधन पर शासन के आदेशों पर अमल ना करने पर सख्त कार्यवाही करें।

कटंगी में प्रशासन की मुस्तैदी से टला बाल विवाह

महिला एवं बाल विकास विभाग 17 वर्षीय किशोरी की शादी रुकवाई, कानूनी समझाइश के बाद परिजनों ने दिया आश्वासन

जगप्रेरणा कटंगी।

कटंगी विकासखंड में प्रशासन की समय रहते की गई कार्रवाई से एक बाल विवाह होने से बच गया। सूचना मिलते ही महिला एवं बाल विकास विभाग की टीम विवाह स्थल पर पहुंची और जांच के दौरान पाया कि जिस किशोरी का विवाह कराया जा रहा था, उसकी आयु 18 वर्ष से कम है। अधिकारियों की समझाइश और कानूनी जानकारी के बाद परिजनों ने विवाह तत्काल स्थगित कर दिया तथा लिखित आश्वासन दिया कि बालिग होने के बाद ही बेटी का विवाह करेंगे।

जानकारी के अनुसार महिला एवं बाल विकास विभाग को सूचना मिली थी कि कटंगी अंतर्गत ग्राम सांवरी में बाल विवाह कराया जा रहा है। सूचना पर सोमवार को परियोजना अधिकारी पुष्पेंद्र रानाडे के नेतृत्व में विभागीय टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम में पर्यवेक्षक लक्ष्मी चौधरी, श्रद्धा पटले, संगीता गोपाल के तथा विभाग के जयप्रकाश ठाकरे शामिल रहे।

पूछताछ में सामने आई वास्तविक आयु

मौके पर अधिकारियों ने बालिका और उसके परिजनों से पूछताछ की। इस दौरान पता चला कि परिवार मूल रूप से दूसरे गांव का रहने वाला है और विवाह के लिए यहां आया था। परिजनों ने स्वीकार किया कि बालिका की आयु 17 वर्ष 5 माह है। हालांकि, वे उसकी आयु संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बालिका के बालिग होने से पहले विवाह कराना कानूनन अपराध है और ऐसा होने पर संबंधित लोगों के खिलाफवैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कानूनी जानकारी देकर रोका विवाह

अधिकारियों ने मौके पर मौजूद परिजनों और ग्रामीणों को बाल विवाह से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाल विवाह कराने, उसमें सहयोग करने अथवा उसे बढ़ावा देने वालों के खिलाफ कानून के तहत दंडात्मक कार्रवाई का प्रावधान है। साथ ही यह भी समझाया कि कम उम्र में विवाह से बालिकाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य पर गंभीर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

परिजनों ने लिखित में दिया आश्वासन

प्रशासन की समझाइश के बाद परिवार के सदस्य विवाह स्थगित करने के लिए तैयार हो गए। उन्होंने विभाग को लिखित रूप से आश्वस्त किया कि बालिका के 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद ही उसका विवाह कराया जाएगा।

जनजागरूकता की जरूरत

अधिकारियों का कहना है कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति पर प्रभावी रोक लगाने के लिए जनजागरूकता के साथ-साथ कानून का कड़ाई से पालन भी आवश्यक है।

विधूत मंडल के द्वारा लगाये जा रहे सडक किनारे पोलो की सडक चैडीकरण के मद्देनजर की जायेगी समीक्षा.. प्रदीप जायसवाल..

नपा का जनता दरबार बन गया ईतिहास का अमिट हस्ताक्षर, बरसते पानी मे भी नागरिको ने किया अपनी समस्याओ का समाधान

जगप्रेरणा वारासिवनी।

नपा परिषद की परंपरा मे आज मंगलवार को जनता दरबार मे बरसते पानी मे भी जनमानस ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष सरिता मनोज दांदरे, मुख्य अधिकारी सूर्यप्रकाश उके के समक्ष गंभीरता से अपनी समस्याओ को रखा।

जिस पर त्वरित मे समाधान किया, वही बडी समस्याओ के संदर्भ मे प्रकिया शुरू करायी गयी। आज सबसे पहले नपा परिषद ने आरडीएसएस योजना के तहत जय स्तंभ फीडर मे विधूत मंडल के द्वारा 11 केवी लाईन के लिये लगाये जा रहे विधूत पोल की समीक्षा की। जिस पर सहायक यंत्री राहुल तुरकर को बुलाकर नपा ने अपनी सडक चैडीकरण की योजना की जानकारी देकर इन पोलो के स्थल को परिवर्तीत करने का निर्णय सुनाया। जिस पर सामुहिक निर्णय मे सडक किनारे लगे हुये लगभग 40 पोलो के स्थल का मुआयना कर आवश्यकता पडने पर इन पोलो को निर्धारित सडक से पर्याप्त दूरी पर पुन लगाने का निर्णय लिया गया। जिसमे स्थल निरिक्षण के लिये सहायक यंत्री और नपा के उपयंत्री की टीम भी गठित कर दी गयी। इसी तरह वार्ड 4 के वंदना सदन से ग्रहयोग तक की गली के विवाद मे नपा ने अपर न्यायालय के द्वारा नपा परिषद से मांगे गये पक्ष को न्यायालय मे रखकर न्यायालय के निर्णय का सम्मान करने का निर्णय लिया। गौरतलब है की इस विषय को लेकर सुरेश दिक्षीत व अरविंद तिवारी दोनो अपने अपने पक्ष को सही करार दे रहे है।

इसी तरह चैपाटी के व्यवसायीयो ने आज एक साथ आकर नपा परिषद से निवेदन किया की बरसात के मौसम को देखते हुये बाजार ठेकेदार को चार माह के लिये कम राशी लेने का आदेश प्रदान किया जाये। साथ ही पानी निकासी के लिये पर्याप्त व्यवस्था भी की जाये।

जिस पर नपा परिषद ने तत्काल बाजार ठेकेदार को आदेशित कर चैपाटी के ठेले वालो से कम राशी लेने का जंहा निर्णय सुनाया। वही नाली व्यवस्था के लिये उपयंत्री को स्थल निरिक्षण करने का आदेश जारी कर चैपाटी के व्यवसायीयो को प्रसन्नचित कर दिया।

जनता दरबार मे पूर्व विधायक केडी भाउ के निवास से आंबेडकर चैक तक नाली की सफाई जैसे अनेको विषयो पर भी गंभीरता दिखाकर नपा परिषद ने अपने अमले को सजग कर दिया। वही वार्ड पार्षद प्रतिनिधी लोकेश ठाकरे के आवेदन मोक्षधाम के पास हनुमान मंदिर के निकट मीनी गार्डन के सौदर्यीकरण के विषय को नपा परिषद ने गंभीरता से लेकर अपनी सजगता का परिचय कराया है। दरबार मे आज वार्ड पार्षद, प्रभारी के साथ नपा के अन्य अधिकारीगण भी सक्रिय नजर आये।

लड़खड़ाएंगे तो सीना ठोककर समाज के लिए लड़ेंगे नीतिन कुमरे

रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर वक्ताओं ने स्वजातीय जनों को दी नसीहत

जगप्रेरणा कटंगी।

महान वीरांगना, अदम्य साहस एवं स्वाभिमान की प्रतीक रानी दुर्गावती का बलिदान दिवस आदिवासी विकास परिषद के तत्वावधान में श्रद्धा, सम्मान एवं गौरव के साथ मनाया गया। नगर के नट्टीटोला स्थित रानी दुर्गावती स्मारक पर आदिवासी समाज के वरिष्ठ एवं युवाजन एकजुट हुए। इस दौरान समाजजनों ने रानी दुर्गावती के अद्वितीय शौर्य, त्याग, बलिदान तथा राष्ट्र एवं समाज के प्रति समर्पण को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीसी कुमरे ने कहा कि इस तरह के आयोजन हमें प्रेरणा देते हैं। लेकिन महज कार्यक्रम मनाकर हम समाज को सुरक्षित नहीं रख सकते। जरूरत है कि हमारे समाज की बेटियां रानी दुर्गावती बनें। यदि सिर्फ कार्यक्रम ही करते रहे तो सैकड़ों साल बीत जाएंगे। मौजूद समय में समाज की माता-बहनें सुरक्षित नहीं हैं। आज भी देशभर में आदिवासियों पर जुल्म व अत्याचार हो रहे हैं। मणिपुर हिंसा को याद करते हुए श्री कुमरे ने कहा कि मणिपुर में उस समय आदिवासी माता-बहनों को बेइज्जत किया गया जब राज्य की राज्यपाल के साथ देश की राष्ट्रपति आदिवासी महिला रहीं।

कुछ लोगों के दबाव में आकर ये नेतृयां खामोश रहीं। आज हम गोंड राजाओं व शासकों की दुहाई देते हैं लेकिन उन्हीं गोंड राजाओं के वंशज विदेश से कटोरा आए लोगों से अपने हक व अधिकार के लिए भीख मांग रहे हैं। आदिवासियों को सिर पर बिठाकर पैर काटे जा रहे हैं। समाज में रहकर भी हम संगठित नहीं हैं, हम संगठित रहेंगे तो सीना ठोककर अपने व समाज के लिए लड़ेंगे। उक्त कार्यक्रम में फूलसिंह परते, सखाराम इवनाती, हमीलाल मड़ावी, देनू पन्द्रे, तुलसी उईके, कांता पन्द्रे, दामोदर वाड़िवे, राहुल सलामे सहित अन्य की उपस्थिति रही।

समाज का शिक्षित होना बहुत जरूरी

युवा नितिन कुमरे ने कहा कि जब तक समाज में महिलाएं व बच्चे शिक्षित नहीं होंगे, तब तक आदिवासी पिछड़ा ही रहेगा।

हमारा कर्तव्य है कि हम परिवार की महिलाओं व बच्चों को शिक्षित करें व सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में अपना हक पूरी दमखम के साथ उठाएं। समाज का बड़ा दुर्भाग्य है कि अशिक्षित लोगों की तादाद बहुत ज्यादा है। हालात यह है कि शिक्षित लोग हमें जैसे बोलते हैं हम वैसा ही मान लेते हैं। जब शिक्षित होंगे तो खुद के निर्णय ले सकेंगे, किसी पर निर्भर नहीं होंगे। आज समाज में संपन्न किसान भी अशिक्षित होने के कारण पुराने ढर्रे पर कृषि कार्य कर रहा है, नई तकनीकी का ज्ञान न होने के कारण अपेक्षित लाभ व उन्नति अर्जित नहीं कर पा रहा है। ये चिंता का विषय है। इसलिए हमें आने वाली पीढ़ी को उच्च शिक्षित करना बहुत जरूरी है।

खेत तालाब बना किसान महेश पटले की समृद्धि का आधार..

सिंचाई और मत्स्य पालन से बढ़ी आय, आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

जगप्रेरणा बालाघाट।

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत ग्राम पंचायत तुमाड़ी में स्वीकृत खेत तालाब ने किसान महेश पटले के जीवन में सकारात्मक बदलाव की नई कहानी लिखी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में लगभग 3.99 लाख रुपये की लागत से निर्मित खेत तालाब आज उनकी आय बढ़ाने का मजबूत माध्यम बन चुका है।

महेश पटले पहले केवल पारंपरिक खेती पर निर्भर थे, जिससे सीमित आय होती थी। बेहतर सिंचाई सुविधा और अतिरिक्त आय के उद्देश्य से उन्होंने गत वर्ष ग्राम पंचायत में खेत तालाब निर्माण के लिए आवेदन किया। योजना के अंतर्गत स्वीकृति मिलने पर उनके खेत में तालाब का निर्माण कराया गया। खेत तालाब बनने के बाद अब उन्हें सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो रहा है, जिससे खेती अधिक लाभदायक हो गई है। इसके साथ ही उन्होंने तालाब में मत्स्य पालन भी शुरू किया। पिछले वर्ष उन्होंने लगभग 2,000 मछली बीज डाले, जिनमें रोहू, कतला, रूपचंदा एवं कॉमन कार्प की प्रजातियाँ शामिल हैं। वर्तमान में मछलियों का पालन-पोषण किया जा रहा है और आने वाले समय में इनके विक्रय से अच्छी आय होने की उम्मीद है। महेश पटले का कहना है कि खेत तालाब बनने से उनकी खेती अधिक सुरक्षित और उत्पादक हुई है। अब उन्हें विश्वास है कि खेती के साथ मत्स्य पालन से भी परिवार की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और उनका परिवार आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनेगा।

महेश पटले की यह सफलता दर्शाती है कि शासन की योजनाओं का सही उपयोग कर ग्रामीण किसान खेती के साथ वैकल्पिक आजीविका अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत कर सकते हैं। ग्राम पंचायत तुमाड़ी का यह प्रयास क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रहा है।

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा live देश विदेश
भारत, पाकिस्तान, नेपाल, भूटान, अमेरिका, ब्रिटेन, ईरान, चीन, जापान आदि की खबरें..

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

बुरे कर्म का बुरा नतीजा! झारखंड के यूट्यूबर की हत्या कर भाग रहे थे आरोपी, अचानक पलट गई कार, मुख्य आरोपी की मौत...

डेस्क जगप्रेरणा।

झारखंड के रांची निवासी यूट्यूबर शिवधन लोहार की ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में कथित तौर पर लूटपाट के दौरान हत्या कर दी गई। इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि

वारदात के बाद मृतक की कार लेकर भाग रहा मुख्य आरोपी सड़क हादसे का शिकार हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

क्या है पूरा मामला?

जानकारी के मुताबिक, शिवधन लोहार अपने दोस्त अनमोल मलिक के साथ सुंदरगढ़ के सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक रिश्तेदार को भर्ती कराने आए थे। सोमवार देर रात दोनों अलग-अलग वाहनों से रांची लौट रहे थे। अनमोल मलिक स्कॉर्पियो एसयूवी में आगे चल रहे थे, जबकि शिवधन लोहार अपनी ऑल्टो कार से उनके पीछे आ रहे थे।

इसी दौरान तीन बदमाशों ने पहले अनमोल मलिक की स्कॉर्पियो को रोकने की कोशिश की। लेकिन अनमोल ने गाड़ी की रफ्तार बढ़ाकर वहां से निकलने में कामयाबी हासिल कर ली। इसके बाद आरोपियों ने शिवधन लोहार की ऑल्टो कार को रोक लिया और उनका अपहरण कर लिया।

इसके बाद आरोपी शिवधन को करीब 80 किलोमीटर दूर हेमगिरि थाना क्षेत्र के डुड़का इलाके में ले गए। वहां उनसे लूटपाट करने की कोशिश की गई। इसी दौरान बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर शिवधन की हत्या कर दी। हत्या के बाद उनका शव रेलवे ओवरब्रिज के पास फेंक दिया गया।

वारदात के बाद आरोपी शिवधन की ऑल्टो कार, मोबाइल फोन और मनी पर्स लेकर झारसुगुड़ा की ओर भाग निकले, लेकिन भस्मा के पास तेज रफ्तार के कारण कार अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई। सड़क से उतरने के बाद कार पलट गई। इस हादसे में मुख्य आरोपी शुभेंदु की मौके पर ही मौत हो गई।

एक अन्य आरोपी गंभीर रूप से घायल..

इस मामले का एक अन्य आरोपी गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसका इलाज सुंदरगढ़ के सरकारी में चल रहा है। वहीं, इस वारदात में शामिल एक नाबालिग को हिरासत में लिया गया है। घटना की सूचना मिलते ही सुंदरगढ़ की पुलिस अधीक्षक अमृतपाल कौर, सब-डिविजनल पुलिस अधिकारी और वैज्ञानिक जांच टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस का सामने आया बयान..

सुंदरगढ़ की एसपी अमृतपाल कौर ने कहा, 'प्रारंभिक जांच से यह सामने आया है कि हत्या के पीछे लूटपाट की मंशा थी। आरोपियों का उद्देश्य कार लूटना था। लूटपाट के दौरान शिवधन लोहार के साथ उनका विवाद हो गया, जिसके बाद उन्होंने उनकी हत्या कर दी। शिकायतकर्ता अनमोल मलिक स्कॉर्पियो वाहन में आगे चल रहे थे, जबकि शिवधन लोहार ऑल्टो कार से उनके पीछे आ रहे थे। दोनों सुंदरगढ़ के सरकारी अस्पताल से लौट रहे थे। इसी दौरान तीन आरोपियों ने दोनों वाहनों को लूटने की कोशिश की। अनमोल मलिक अपनी गाड़ी की रफ्तार बढ़ाकर वहां से निकलने में सफल रहे, लेकिन आरोपियों ने ऑल्टो कार को रोक लिया। लूटपाट की कोशिश के दौरान विवाद हुआ, जिसके बाद उन्होंने शिवधन लोहार की हत्या कर दी। हत्या के बाद शव को फेंक दिया और लूटी गई कार लेकर फरार हो गए। भागने के दौरान उनकी गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें एक आरोपी की मौत हो गई।' प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मृत मुख्य आरोपी शुभेंदु के खिलाफपहले भी हत्या का मामला दर्ज हो चुका था। हालांकि, पुलिस अभी इस जानकारी का सत्यापन कर रही है। पुलिस पूरे घटनाक्रम को जोड़ने और सभी आरोपियों की भूमिका स्पष्ट करने के लिए आगे की जांच में जुटी हुई है।

रेत खनन की रंजिश से जुड़ी तीन हत्याओं की सीबीआई जांच की सिफारिश..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के कोरिया जिले में एक व्यवसायी समेत तीन लोगों की हत्या की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) जांच के लिए मंजूरी दे दी है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

इस महीने की शुरुआत में रेत खनन के कारोबार को लेकर दो परिवारों के बीच लंबे समय से चली आ रही रंजिश जानलेवा हो गई थी। राज्य के गृह विभाग ने सीबीआई जांच के संबंध में मंगलवार को एक अधिसूचना जारी की।

अधिसूचना में कहा गया है, 'दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना अधिनियम, 1946 (अधिनियम 25 सन् 1946) की धारा छह के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, थाना-सोनहत, जिला - कोरिया, छत्तीसगढ़ में दर्ज अपराध क्रमांक 65/2026 धारा 126(2), 296, 351(3), 115(2), 3(5) भारतीय न्याय संहिता एवं अपराध क्रमांक 66/2026 धारा 190, 191(2), 191(3), 109, 324, 103(1), 326(जी) भारतीय न्याय संहिता के अनुसंधान हेतु दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना के सदस्यों की शक्तियों और क्षेत्राधिकार का विस्तार सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में करने की सहमति प्रदान की जाती है।'

इनमें से एक मामला (अपराध संख्या 66/2026) कटगोड़ी गांव के करीब भरत सिंह (लगभग 60), वीरेंद्र प्रताप सिंह (32) और नागेंद्र सिंह (53) की हत्या से जुड़ा है। इस घटना में दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। पुलिस के अनुसार, यह हिंसा सिंह और त्रिपाठी परिवारों के बीच रेत खनन के काम को लेकर लंबे समय से चली आ रही रंजिश का नतीजा थी। दोनों परिवार कटगोड़ी के पास नागोई गांव के रहने वाले हैं। हालांकि सिंह परिवार अब बैकुंठपुर में रहता है, लेकिन वे इस इलाके में रेत खनन और पत्थर तोड़ने का कारोबार संचालित करते हैं।

पुलिस ने बताया कि 16 जून को दोनों परिवारों के सदस्यों के बीच झगड़े के बाद तनाव बढ़ गया था। पुलिस ने बताया कि उसी रात, भरत सिंह और उनके साथी फोन पर बातचीत के बाद विरोधी गुट के सदस्यों से मिलने गए, जिसके बाद झगड़ा हिंसक हो गया। पुलिस ने बताया कि पीड़ित दो गाड़ियों में थे, तभी विरोधी गुट के सदस्यों ने उन पर हमला कर दिया।

पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने पीड़ितों के वाहन को बार-बार एक टिपर ट्रक से टक्कर मारी, जिससे गाड़ी को नुकसान पहुंचा और उसके दरवाजे जाम हो गए, जिससे अंदर बैठे लोग बाहर नहीं निकल पाए। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने पीड़ितों के वाहन पर ज्वलनशील पदार्थ डाला और उसमें आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि जो लोग गाड़ी की खिड़कियां तोड़कर भागने की कोशिश कर रहे थे, उन पर धारदार हथियारों से हमला किया गया।

पुलिस ने बताया कि इस घटना में भरत सिंह की मौके पर ही जलकर मौत हो गई, जबकि नागेंद्र सिंह लगभग 80 प्रतिशत झुलस गए थे और बाद में इलाज के लिए रायपुर ले जाते समय उनकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि वाहन पर हुए हमले में गंभीर रूप से घायल हुए वीरेंद्र प्रताप सिंह की अंबिकापुर के एक अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

पुलिस ने हत्याओं के सिलसिले में विरोधी त्रिपाठी परिवार के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। दूसरा मामला (अपराध क्रमांक 65/2026) दोनों परिवारों के सदस्यों के बीच हुई उस झड़प से जुड़ा है, जिसके कारण कथित तौर पर घटनाओं का वह सिलसिला शुरू हुआ जो तीन हत्याओं तक पहुंचा। पीड़ितों का परिवार इस मामले की सीबीआई जांच की मांग कर रहा था। राज्य के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के पास गृह विभाग भी है।

उन्होंने बताया कि इस मामले को राज्य सरकार ने सीबीआई को सौंप दिया है। शर्मा ने मंगलवार को संवाददाताओं को बताया, 'सभी के बीच चर्चा के बाद निर्णय हुआ है। निर्णय एक सप्ताह पहले हो गया था तथा उसकी प्रक्रिया में थोड़ा समय लगा। मुख्यमंत्री जी ने अंतिम निर्णय लिया है। इस जघन्य हत्या के मामले में क्या क्या कारण थे, किन कारणों से हुआ है, दोनों प्रकरणों के बीच में क्या संबंध है। इन सभी बातों की जांच के लिए इसे सीबीआई की जांच के लिए दिया गया है। हमने सीबीआई को भेज दिया है। इसे स्वीकार कर इसकी जांच करना शेष है।'

उन्होंने कहा, 'इस घटना के दो चश्मदीद गवाहों की सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। एक जिनकी तबीयत ठीक है उनका बयान हो गया है। दूसरे की हालत खतरे से बाहर है। डाक्टर की सलाह से उनका भी बयान लिया जाएगा।' शर्मा ने कहा, 'ऐसे कार्य करने वाले अपराधी की अदालत में जल्द से जल्द सुनवाई के बाद सजा होगी ही, उसमें मुझे संशय नहीं है। इस मामले में अच्छे वकील लगाकर जल्द से जल्द अपराधियों को कठोर दंड मिले उसकी कोशिश की जाएगी।'

मुंबई में शाम को कई इलाकों में रुक-रुककर तेज बारिश

कई जगहों पर भरा पानी, पेड़ गिरने की भी घटनाएं..

डेस्क जगप्रेरणा।

मुंबई में शाम के समय कई इलाकों में रुक-रुक कर तेज बारिश हुई, जिसके चलते शहर के निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। हालांकि,

शाम के समय लो टाइड होने और करीब सात बजे के बाद बारिश की तीव्रता कम होने से पानी की निकासी तेजी से हुई और हालात में सुधार देखने को मिला।

कुर्ला में भरा पानी..

मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी), कुर्ला में रेलवे ट्रैक के बगल में पानी जमा हुआ है। राहत की बात यह है कि पानी अभी पटरियों तक नहीं पहुंचा है, इसलिए रेल संचालन पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। बारिश कम होने के कारण जलस्तर भी धीरे-धीरे घट रहा है।

कई इलाकों में 25 मिलीमीटर से अधिक बारिश..

आज मुंबई शहर और उपनगर के कई इलाकों में 25 मिलीमीटर से अधिक बारिश दर्ज की गई। तेज बारिश के कारण शहर में पेड़ गिरने की घटनाएं भी सामने आई हैं। चेंबूर में एक स्कूल वैन पर पेड़ गिरने से एक छात्र की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि कुछ अन्य स्थानों पर भी पेड़ गिरने की घटनाओं की जानकारी मिली है। स्थिति से निपटने के लिए बीएमसी ने अपने सभी डी-वॉटरिंग पंप सक्रिय कर दिए हैं। बीएमसी के कर्मचारी, ट्रैफिक पुलिस और अन्य आपदा प्रबंधन दल लगातार मैदान में तैनात हैं, ताकि जलभराव वाले इलाकों से पानी की निकासी और यातायात को सुचारु बनाए रखा जा सके।

अगले 24 घंटों के दौरान मुंबई में तेज बारिश की संभावना..

फिलहाल मुंबई में रुक-रुक कर बारिश जारी है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के दौरान मुंबई के कुछ इलाकों में फिर से तेज बारिश की संभावना जताई है। ऐसे में निचले इलाकों में रहने वाले लोगों और यात्रियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

गौरतलब है कि मुंबई में जब भी बारिश होती है तो सड़कों पर पानी भर जाता है। यहां बारिश के मौसम में घर से निकलना भी मुश्किल हो जाता है क्योंकि एक तरफआसमान से पानी बरस रहा होता है, वहीं दूसरी तरफ सड़कें जलमग्न होती हैं, जिससे लोगों को अपने काम पर जाने में बड़ी समस्या होती है। अगले 24 घंटे में बारिश का अलर्ट है इसलिए घर से निकलने से पहले बारिश से बचने के लिए जरूरी चीजें साथ लेकर चलें।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करें.. मो. 9329033433

सोनभद्र में मानसून की पहली बारिश बनी आफत; पहाड़ी नाले में बहे तीन लोग, एक का शव बरामद..

डेस्क जगप्रेरणा।

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले से एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है, जहां दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गए तीन लड़के पहाड़ी नाले के तेज बहाव में बह गए। इसमें एक की मौत हो गई।

इस हादसे के बाद से पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल है और पीड़ित परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

कैसे हुआ यह हादसा?

यह दुखद घटना सोनभद्र के मांची थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पड़वा नाला की है। जानकारी के मुताबिक, अली हसन, सुक्तार और बबलू अपने कुछ अन्य दोस्तों के साथ यहां पिकनिक मनाने और घूमने आए थे। सभी दोस्त नाले में उतरकर नहा रहे थे और मस्ती कर रहे थे। इसी दौरान पहाड़ी इलाकों में अचानक हुई भारी और तेज बारिश की वजह से नाले का जलस्तर तेजी से बढ़ गया और उसमें अचानक बाढ़ आ गई। पानी का बहाव इतना जोरदार और तेज था कि तीनों लड़के खुद को संभाल नहीं पाए और देखते ही देखते पानी में बह गए।

स्थानीय लोगों की सूझबूझ की वजह से बची एक की जान..

नाले के आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत सूझबूझ दिखाई और अपनी जान पर खेलकर बबलू नाम के युवक को पानी से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। बहने के दौरान सिर पर गहरी चोट लगने के कारण बबलू को तुरंत नजदीकी वैनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। हालांकि, 6 वर्षीय मासूम अली हसन और 18 वर्षीय सुक्तार पानी के तेज बहाव में लापता हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मांची थाने की पुलिस और स्थानीय गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची और तुरंत सर्च ऑपरेशन शुरू किया। भारी बारिश के बीच स्थानीय ग्रामीण भी करीब तीन घंटे तक लापता बच्चों को ढूंढते रहे। रेस्क्यू टीम को दौरान एक युवक का शव बरामद हो गया है, जबकि दूसरे लापता बच्चे की तलाश अभी भी तेजी से की जा रही है।

प्रशासन ने अब उठाया एहतियाती कदम.

इस पूरे मामले पर राबर्ट्सगंज के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) अश्विनी कुमार ने बताया कि वह फिलहाल किसी जरूरी काम से हाईकोर्ट गए हुए हैं, लेकिन उन्हें इस घटना की पूरी जानकारी है। उन्होंने तुरंत तहसील की टीम को प्रशासनिक मदद के लिए मौके पर रवाना कर दिया था। देर शाम तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी रहा। इस गंभीर हादसे को देखते हुए प्रशासन ने अब मानसून के मौसम में सभी झरनों, नदियों और पिकनिक स्पॉट्स के आसपास से लोगों को सुरक्षित हटाने और वहां सुरक्षा बढ़ाने की योजना पर काम शुरू कर दिया है।

लाहौर में दर्दनाक हादसा

ट्यूशन सेंटर की गिरी छत, 4 बच्चों की मौत, बढ़ सकती है मरने वालों की संख्या, 20 से ज्यादा घायल..

डेस्क जगप्रेरणा।

पाकिस्तान के लाहौर में मंगलवार को दर्दनाक हादसा हो गया। एक निर्माणाधीन इमारत में चल रहे एक प्राइवेट ट्यूशन सेंटर की छत गिरने से कम से कम 14 बच्चों की मौत हो गई। 20 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने कहा कि घनी आबादी वाले काहना नउ इलाके में स्थित इस अकादमी में सात से 13 साल की आयु के 30 से अधिक बच्चे कक्षाएं ले रहे थे, तभी अचानक छत ढह गई और बच्चे मलबे के नीचे दब गए।

मलब में दबे लोगों की हो रही तलाश..

लाहौर के पुलिस उप-महानिरीक्षक (अभियान) फैजल कामरान ने मीडिया से बात करते हुए कहा, 'अब तक मलबे से 14 बच्चों के शव बरामद किए जा चुके हैं। घायल हुए 20 बच्चों और एक महिला शिक्षिका को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मलबे में फंसे अन्य लोगों की तलाश के लिए बचाव दल लगातार अभियान चला रहे हैं।'

गिरफ्तार किया गया ठेकेदार..

पुलिस अधिकारी कामरान ने बताया, 'इमारत का एक हिस्सा निर्माणाधीन था और जब छत गिरी, उस वक्त मजदूर काम में लगे हुए थे। हमने ठेकेदार को गिरफ्तार कर लिया है।' लाहौर जिला शिक्षा प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी तारिक महमूद ने बताया कि इस इमारत में इलाके की एक महिला द्वारा निजी ट्यूशन सेंटर चलाया जा रहा था। ईधी फाउंडेशन ने बताया कि काहना नउ इलाके की बस्ती ईदगाह में स्थित रिहायशी इमारत में चल रही अकादमी की छत अचानक गिर गई।

बढ़ सकती है मरने वालों की संख्या..

एनजीओ ने बयान में कहा, 'मृतकों के शवों को जनरल अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया है।' साथ ही संस्था ने आशंका जताई कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कुछ बच्चे अब भी मलबे में फंसे हुए हैं। संस्था ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। संस्था ने कहा कि बचाव अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। मौके पर ईधी फाउंडेशन की एंबुलेंस तैनात हैं, जो आपातकालीन चिकित्सा सहायता उपलब्ध करा रही हैं।

सीएम मरियम ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ दिए सख्त निर्देश..

पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने पुलिस और जिला प्रशासन को हादसे के जिम्मेदार लोगों की पहचान करने और उनके खिलाफआपराधिक कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए हैं। प्रांतीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने लाहौर जनरल अस्पताल में आपातकाल घोषित कर दिया और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, डॉक्टरों, नर्सों तथा पैरामेडिकल स्टाफको घायलों का तुरंत इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दो स्कूली छात्रों ने सहेली को परेशान करने वाले किशोर, उसके पिता की हत्या की...

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

ओडिशा के भुवनेश्वर शहर में दो स्कूली छात्रों ने अपनी सहेली को 'परेशान' करने वाले 17 वर्षीय किशोर और उसके पिता की कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि आरोपी छात्रों को हिरासत में ले लिया गया है।

पुलिस के मुताबिक, पीड़ित किशोर की पहचान कृष्णा प्रसाद पाढी के रूप में हुई है, जो खंडगिरि थाना क्षेत्र के एक कोचिंग संस्थान में पढ़ाई के दौरान लड़की के संपर्क में आया था। पुलिस के अनुसार, कृष्णा ने लड़की से प्रणय निवेदन किया, लेकिन लड़की ने उसका प्रस्ताव ठुकरा दिया। पुलिस ने बताया कि इसके बाद पीड़ित किशोर लड़की को कथित तौर पर परेशान करने लगा और उस पर अपना प्रस्ताव स्वीकार करने का दबाव बनाने लगा। भुवनेश्वर के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जगमोहन मीणा ने बताया कि आरोपी छात्र भी उसी कोचिंग संस्थान में पढ़ते थे और लड़की के अच्छे दोस्त थे। मीणा ने बताया कि लड़की के आग्रह पर आरोपी छात्रों ने 20-25 दिन पहले पीड़ित किशोर से एक पार्क में मुलाकात की और उसे लड़की को परेशान न करने की सलाह दी।

हालांकि, मीणा ने बताया कि पीड़ित किशोर ने दोनों छात्रों की बात मानने के बजाय उनके साथ मारपीट की और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। मीणा के अनुसार, इसके बाद दोनों छात्रों ने पीड़ित किशोर को सबक सिखाने का फैसला किया और वे लोहे की छड़ तथा मिर्ची पाउडर के साथ 28 जून की रात को कृष्णा के घर में घुसे। डीसीपी ने बताया कि आरोपी छात्रों ने कृष्णा के सिर पर लोहे की छड़ से कई वार किए और जब पीड़ित के पिता और बहन बीच-बचाव के लिए आए, तो दोनों ने उन पर भी हमला कर दिया। मीणा के मुताबिक, तीनों घायलों को तुरंत एम्स भुवनेश्वर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने कृष्णा को मृत घोषित कर दिया, जबकि उसके पिता ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि पीड़ितों के परिजन की शिकायत के आधार पर खंडगिरि थाने में मामला दर्ज कर आरोपी छात्रों को हिरासत में ले लिया गया है।

घाघरा नदी में नहाते समय डूबने से तीन महिलाओं की मौत..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

अयोध्या में रौनाही इलाके के सनाहा गांव में घाघरा नदी में नहाते समय डूबने से तीन महिलाओं की मौत हो गई तथा दो नाबालिग लड़कियां लापता हो गयीं।

यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक रौनाही थाना क्षेत्र के सनाहा गांव में महिलाएं और लड़कियां घाघरा नदी में नहाने गई थीं लेकिन गहरे पानी में चले जाने की वजह से वे डूब गईं। उन्होंने बताया कि चीख-पुकार सुनकर ग्रामीणों ने नदी से तीन महिलाओं को बाहर निकाला, जिन्हें डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूत्रों ने बताया कि मृतकों की पहचान मरियम (18), शाहीन (35) और शजरुल (40) के रूप में हुई है जबकि रशीदा और नाजिया (लगभग 15 साल) लापता हैं जिनकी तलाश की जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक बलवंत कुमार चौधरी ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जग प्रेरणा

खेल मनोरंजन

खेल जगत एवं बॉलीवुड व हॉलीवुड की खबरें..

मैक्सिको के खिलाफ खेलते समय ऊंचाई का इक्वाडोर पर असर पड़ने की संभावना कम..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

हो सकता है कि ऊंचाई के कारण मैक्सिको को मौजूदा फुटबॉल विश्व कप के ग्रुप चरण में शानदार प्रदर्शन करने में मदद मिली हो लेकिन राउंड ऑफ 32 में इक्वाडोर के खिलाफ उसे वैसा फायदा मिलने की संभावना नहीं है।

मैक्सिको ने टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार ग्रुप चरण के सभी मैच जीते लेकिन उसके अजेय अभियान के साथ एक शर्त भी जुड़ी थी। तीनों जीत समुद्र तल से 5,000 फीट (1,524 मीटर) से अधिक ऊंचाई वाले आयोजन स्थलों पर मिलीं। मैक्सिको ने अपने छह में से पांच गोल मध्यांतर के बाद किए, शायद इसलिए क्योंकि दूसरी टीम पर थकान का असर दिखने लगा था।

टूर्नामेंट से पहले मैक्सिको के फुटबॉल आयुक्त मिकेल एरिओला ने कहा था, 'मेजबान देश होने के नाते हमें बहुत बड़ा फायदा है क्योंकि हम एस्टाडियो एज्टेका में अपने प्रशंसकों और ऊंचाई के बीच खेल रहे हैं। यह बहुत असरदार माहौल है।' मैक्सिको के पिछले विरोधियों के उलट इक्वाडोर को मैक्सिको सिटी के एज्टेका में लगभग 7,300 फीट (2,200 मीटर) की ऊंचाई पर खेलने में आसानी होनी चाहिए। फीफा ने टूर्नामेंट के दौरान इस स्टेडियम को 'मैक्सिको सिटी स्टेडियम' नाम दिया है। दक्षिण अमेरिकी देश इक्वाडोर अक्सर क्विटो में 9,000 फीट (2,743 मीटर) से अधिक ऊंचाई पर अपने घरेलू मैच खेलता है और मैक्सिको की तरह ही उसने भी अपने स्थलों का फायदा उठाया है। इक्वाडोर की टीम क्वालीफाइंग के दौरान घरेलू मैदानों पर अजेय रही और उसने क्विटो में उरुग्वे, चिली, पेरू और वेनेजुएला को हराया। वे अर्जेंटीना के साथ उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गए जिन्होंने बोलीविया में क्वालीफायर मैच जीता जो लगभग 12,000 फीट (3,657 मीटर) की ऊंचाई पर अपने घरेलू मैच खेलता है। इक्वाडोर के शानदार घरेलू रिकॉर्ड में ऊंचाई एक अहम वजह रही है इसलिए इक्वाडोर फुटबॉल महासंघ ने कुछ क्वालीफाइंग मैच गुआयाकिल में कराने का फैसला किया जो समुद्र तल के करीब है जिससे कि यह साबित किया जा सके कि उनकी टीम हर तरह के माहौल में मुकाबला कर सकती है। उन्होंने कम ऊंचाई पर अर्जेंटीना को हराकर और ब्राजील के साथ मैच ड्रॉ कराकर ऐसा ही किया। अच्छे नतीजों ने इक्वाडोर के कोच सबेस्टियन बेकासेसे का आत्मविश्वास बढ़ाया है और उन्हें भरोसा है कि उनकी टीम किसी भी माहौल के लिए तैयार है।

बेकासेसे ने कहा, 'हमने ऊंचाई के हिसाब से कोई खास तैयारी नहीं की है।' उन्होंने कहा,'आइए इन खिलाड़ियों पर भरोसा करें, उस चीज पर भरोसा करें जिस पर हम काम कर रहे हैं और उस चीज पर भरोसा करें जो हम करते आ रहे हैं।' जो खिलाड़ी ऊंचाई वाली जगहों पर खेलने के आदी नहीं होते वे आम तौर पर जल्दी थक जाते हैं और दौड़ते समय उनके दिल की धड़कन बढ़ जाती है। इससे तेजी से दौड़ने, दबाव बनाने और तेजी से गति बदलने की क्षमता कम हो जाती है।

'वेलकम टू द जंगल' से ऐन वक्त पर क्यों बाहर हुए संजू बाबा? रिलीज के बाद डायरेक्टर अहमद खान ने खोला राज..

डेस्क जगप्रेरणा।

निर्देशक अहमद खान की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' अपनी रिलीज के समय से ही अपनी विशाल स्टारकास्ट को लेकर चर्चा में बनी हुई है। अक्षय कुमार की अगुवाई वाली इस फिल्म में कुल 34 दिग्गज कलाकारों की फौज है।

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अहमद खान ने एक बड़ा खुलासा करते हुए बताया कि बॉलीवुड के 'संजू बाबा' यानी संजय दत्त भी इस फिल्म का अहम हिस्सा थे और उन्होंने कुछ दृश्यों की शूटिंग भी कर ली थी, लेकिन ऐन वक्त पर उन्हें इस प्रोजेक्ट से बाहर होना पड़ा।

इस वजह से फिल्म से बाहर हुए संजय दत्त..

न्यूज 18 से बातचीत में अहमद खान ने बताया, 'संजय दत्त को फिल्म की कहानी बेहद पसंद आई थी और वह इसका हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित थे। फिल्म में उनके कई पुराने दोस्त जैसे जैकी श्रॉफ और अक्षय कुमार भी शामिल थे। हमने उनके साथ कुछ हिस्से की शूटिंग भी पूरी कर ली थी, लेकिन बाद में डेट्स की समस्या आ गई। उन्हें अपने इलाज के लिए अचानक अमेरिका जाना पड़ा। चूंकि फिल्म में बहुत सारे कलाकार थे, इसलिए मेरे लिए बाकी सभी की तारीखों को आगे-पीछे करना मुमकिन नहीं था।'

संजू बाबा ने खुद निकाला अपनी जगह का रिप्लेसमेंट.

संजय दत्त ने न सिर्फ फिल्म छोड़ी, बल्कि मेकर्स की मुश्किल आसान करने के लिए खुद इसका समाधान भी निकाला। अहमद खान ने बताया, 'बाबा ने बड़े दिल का परिचय देते हुए खुद सुनील शेट्टी को फोन किया और उनसे वह किरदार निभाने का अनुरोध किया जो खुद संजय दत्त करने वाले थे।

इसके साथ ही उन्होंने जैकी श्रॉफसे वह रोल करने की गुजारिश की जो पहले सुनील शेट्टी के खाते में था। इस तरह उन्होंने अपनी गैर-मौजूदगी का बेहतरीन विकल्प तैयार कर दिया, जिसके लिए हम हमेशा उनके आभारी रहेंगे।'

कमाई के मामले में फायदे का सौदा रही फिल्म..

बॉक्स ऑफिस पर 'वेलकम टू द जंगल' का प्रदर्शन काफी संतोषजनक रहा है। फिल्म ने अब तक घरेलू बाजार में ₹72.25 करोड़ का नेट और ₹85.67 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है। इसकी कहानी कुछ गैंगस्टर्स और अतरंगी किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सरहद के पास एक जंगल में फंस जाते हैं और फिर शुरू होता है कॉमेडी और एडवेंचर का सफर। फिल्म में रवीना टंडन, लारा दत्ता, परेश रावल, अरशद वारसी और दिशा पाटनी जैसे कई बड़े नाम शामिल हैं।

बजट को लेकर निर्देशक का बड़ा दावा..

फिल्म के बजट पर बात करते हुए अहमद खान ने बताया कि स्टारकास्ट, एक्शन और गानों को मिलाकर फिल्म का कुल खर्च ₹115 करोड़ से ₹125 करोड़ के बीच रहा है, जिसमें ब्याज की रकम भी शामिल है। उन्होंने दावा किया कि फिल्म अपनी लागत को रिलीज से पहले ही डिजिटल, सैटेलाइट, म्यूजिक और ओवरसीज राइट्स बेचकर वसूल चुकी थी। ऐसे में अब बॉक्स ऑफिस से होने वाली जो भी कमाई है, मेकर्स के लिए सीधा मुनाफा प्रॉफिट है।

श्रेयस तलपड़े को नहीं मिल रहा था होम लोन, फराह खान ने शाहरुख को किया कॉल, एक साइन और बैंक से मिल गई मंजूरी..

डेस्क जगप्रेरणा।

बॉलीवुड फिल्ममेकर और कोरियोग्राफर फराह खान अब अपनी फिल्मों से ज्यादा अपने व्लॉग को लेकर चर्चा में रहती हैं। अपने कुक दिलीप के साथ वह अक्सर किसी न किसी सेलिब्रिटी के घर की झलक फैंस को दिखाती रहती हैं

और साथ ही साथ दिलचस्प रेसिपीज और किस्से साझा करती रहती हैं। अब हाल ही में दिलीप एक्टर श्रेयस तलपड़े के घर पहुंचीं, जहां उन्होंने कई पुराने और दिलचस्प किस्से साझा किए। इसी दौरान श्रेयस तलपड़े ने 'ओम शांति ओम' के दौरान का किस्सा साझा किया और बताया कि कैसे उन्हें 2007 में होम लोन नहीं मिल रहा था, जिसके चलते वह काफी परेशान थे। ये उनका मुंबई में पहला घर था, जिसे हासिल करने में फराह खान और शाहरुख खान की अहम भूमिका रही।

'ओम शांति ओम' के चलते खरीद पाए पहला घर..

जैसे ही फराह बातचीत और खाने-पीने के बाद श्रेयस के घर से जाने लगती हैं, उन्हें ढेर सारे तोहफे देती हैं। ये तोहफे देखने के बाद श्रेयस को 'ओम शांति ओम' के दौरान के अपने दिन याद आ जाते हैं और वह बताते हैं कि इसी फिल्म के चलते वह अपना पहला घर खरीद पाए थे। श्रेयस के अनुसार, पहले उन्हें कोई भी बैंक लोन देने के लिए तैयार नहीं था, लेकिन फराह खान के एक कॉल और शाहरुख खान के एक साइन ने उन्हें उनका पहला घर लेने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई।

फराह-शाहरुख से मिली मदद..

श्रेयस तलपड़े ये किस्सा याद करते हुए कहते हैं- 'मैं बैंक के चक्कर काट रहा था, लेकिन होम लोन के लिए क्वालिफाई नहीं कर पा रहा था। लोन के सिलसिले में ऐसे ही मैं एक दिन बैंक गया, जहां एक महिला ने मुझसे पूछा कि- 'आप कौन सी फिल्म कर रहे हैं?' मैंने कहा- ओम शांति ओम।

फिर उसने पूछा इसमें एक्टर कौन है? मैंने कहा- शाहरुख खान हैं। फिर उसने निर्देशक के बारे में पूछा तो मैंने कहा- फराह खान निर्देशन कर रही हैं। तो महिला ने कहा- क्या आप मुझे उनसे एक लेटर दिलवा सकते हैं?'

शाहरुख के साइन से मंजूर हो गया लोन..

श्रेयस तलपड़े आगे बताते हैं कि कैसे फराह खान और शाहरुख खान ने लोन मंजूर कराया। श्रेयस कहते हैं- 'मैंने फराह को कॉल किया और फिर उन्होंने दो दिनों में ही मुझे शाहरुख खान से लेटर दिलवा दिया। जैसे ही ये लेटर मैंने बैंक में जमा किया, लोन मंजूर हो गया।' ये सुनकर फराह को खुशी हुई और उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा- 'मुझे बहुत खुशी हुई, क्योंकि 'ओम शांति ओम' के लिए हमने तुम्हें क्या ही पैसे दिए होंगे।'

'ओम शांति ओम' के बारे में..

ओम शांति ओम की बात करें तो फराह खान के निर्देशन में बनी ये फिल्म 2007 में रिलीज हुई थी और साल की सबसे सफल फिल्मों में से एक थी। फिल्म की कहानी से लेकर गानों तक को दर्शकों से खूब प्यार मिला था और आज भी इसके गाने खूब पसंद किए जाते हैं। फिल्म में शाहरुख खान के साथ दीपिका पादुकोण लीड रोल में थीं, जो उनकी डेब्यू फिल्म थी। इनके अलावा अर्जुन रामपाल, श्रेयस तलपड़े और किरण खेर अहम भूमिका में थे।

'पैर पकड़कर रोई और माफी मांगी', कृष्णा-कश्मीरा संग पैच-अप पर बोलीं मामी सुनीता, बोलीं- 9 साल तक बच्चों का चेहरा नहीं देखी..

डेस्क जगप्रेरणा।

कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक और उनकी पत्नी कश्मीरा शाह ने गोविंदा की पत्नी और अपनी मामी सुनीता आहूजा के साथ सालों पुराने पारिवारिक मनमुटाव को बीते दिनों नेशनल टेलीविजन पर खत्म कर दिया।

इसी साल अप्रैल महीने में कुकिंग शो 'लाफ्टर शेफ्स' के दौरान कश्मीरा और कृष्णा का मामी सुनीता से इमोशनल मिलन देखने को मिला। तीनों एक साथ पैप्स के सामने आए और बताया कि फिलहाल रिश्ते बेहतर हो गए हैं। अब सुनीता आहूजा ने खुद इस बात का खुलासा किया है कि कश्मीरा शाह ने इस झगड़े को सुलझाने के लिए किस कदर आगे बढ़कर कदम उठाया और अपनी पुरानी गलतियों को स्वीकार किया।

कश्मीरा ने पैर छूकर मांगी माफी..

नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अपः सच या सजा सीजन 2' में बतौर सदस्य शामिल हुई सुनीता आहूजा को शो के भीतर माधुरी ग्रोवर और आकांक्षा चौधरी से बात करते हुए सुना जा सकता है। उन्होंने इस सुलह की कहानी सुनाई, 'जब मैं 'लाफ्टर शेफ्स' में गई थी, तब करीब 14-15 साल बाद कृष्णा और मेरा पैच-अप हुआ। उनके बच्चे 9 साल के हो चुके हैं और मैंने उन्हें देखा तक नहीं था, जबकि कृष्णा को मैंने खुद पाल-पोसकर बड़ा किया था, लेकिन कश्मीरा वाकई बहुत अच्छी लड़की है, उसने मेरे पैर पकड़ लिए और रो-रोकर माफी मांगी। उसे देखकर मैं भी रोने लगी। कश्मीरा ने मेरे पैरों में गिरकर कहा कि सॉरी, मुझसे गलती हो गई थी और अपनी भूल मान ली।'

कैसे शुरू हुआ था परिवारों के बीच ये झगड़ा?

कृष्णा अभिषेक और उनके मामा गोविंदा के बीच दूरियां तब शुरू हुई थीं, जब गोविंदा को टीवी शोज में कृष्णा द्वारा उन पर किए गए कुछ चुटकुले पसंद नहीं आए। इसके बाद विवाद तब और बढ़ गया जब कश्मीरा शाह ने सोशल मीडिया पर पैसों के लिए डांस करने वाले लोग लिखकर एक पोस्ट किया, जिसे सुनीता आहूजा ने गोविंदा पर साधा गया निशाना माना और कृष्णा के परिवार से पूरी तरह दूरी बना ली। सालों तक दोनों तरफ से कई तीखे बयान आए, जहां कृष्णा ने आरोप लगाया था कि उनके बच्चों के अस्पताल में होने पर मामा उनसे मिलने नहीं आए, वहीं गोविंदा ने इस बात को गलत बताया था। हालात ऐसे थे कि सुनीता ने कृष्णा की मौजूदगी के कारण कपिल शर्मा के शो में जाने से भी इनकार कर दिया था।

अस्पताल के दौरे और नए शो से बदली चीजें..

इस कड़वाहट में नरमी का पहला संकेत तब मिला जब गोविंदा को गलती से पैर में गोली लग गई थी और कृष्णा-कश्मीरा उनका हालचाल जानने तुरंत अस्पताल पहुंचे थे। इसके बाद 'लाफ्टर शेफ्स' के मंच पर दोनों परिवारों का बरसों पुराना गुस्सा आंसुओं में बह गया। फिलहाल सुनीता आहूजा नेटफ्लिक्स के मशहूर शो 'लॉक अप' के दूसरे सीजन में नजर आ रही हैं, जहां उनके साथ राम कपूर, शिवांगी जोशी, धीरज धूपर और आकांक्षा चमोला जैसे कई अन्य जाने-माने सितारे भी बंद कैदी बनकर खेल रहे हैं।

जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को हराकर रचा इतिहास, दर्ज की टेस्ट इतिहास की सबसे बड़ी जीत...

डेस्क जगप्रेरणा।

जिम्बाब्वे की टीम ने एकमात्र टेस्ट मैच में बांग्लादेश को हराकर अपने टेस्ट क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज करके इतिहास रच दिया है। हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए इस मैच में जिम्बाब्वे की टीम ने बांग्लादेश को एक पारी

और 85 रनों से मात दी है। आपको बता दें कि जिम्बाब्वे क्रिकेट में पिछले 25 सालों में पहली बार ऐसा हुआ है जब जिम्बाब्वे की टीम लगातार दो टेस्ट मैच जीतने में कामयाब रही है। इससे पहले उन्होंने अक्टूबर 2025 में अफगानिस्तान को एक पारी और 73 रन से हराया था।

2001 में जिम्बाब्वे ने किया था बांग्लादेश का क्लीन स्वीप..

आपको बता दें कि इससे पहले साल 2001 में ऐसा हुआ था जब जिम्बाब्वे की टीम लगातार दो टेस्ट मैच जीतने में कामयाब रही थी। उस वक्त भी सामने बांग्लादेश की टीम थी। अप्रैल 2001 में खेले गए दो मैचों की टेस्ट सीरीज में जिम्बाब्वे ने 2-0 से बांग्लादेश का क्लीन स्वीप किया था। कुल मिलाकर, यह सिर्फ तीसरी बार है जब जिम्बाब्वे ने लगातार दो टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की है। इससे पहले 1998 में भी उन्होंने लगातार दो मैचों में भारत और पाकिस्तान को हराया था।

बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने टेके घुटने..

इस मैच की बात करें तो जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। उनके गेंदबाजों ने इस फैसले को सही साबित किया और पहली पारी में बांग्लादेश को सिफ 140 रनों पर समेट दिया।

इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए जिम्बाब्वे की टीम ने अपनी पहली पारी में 410 रन का बड़ा स्कोर बनाया। जवाब में दूसरी पारी में बांग्लादेश की टीम केवल 185 रन बनाकर आउट हो गई। इस तरह जिम्बाब्वे ने यह मैच बड़े अंतर से जीतकर इतिहास रच दिया।

जिम्बाब्वे की जीत में गेंदबाजों ने निभाई अहम भूमिका..

जिम्बाब्वे की इस जीत में उनके गेंदबाजों की भूमिका अहम रही। पहली पारी में न्यूमैन न्यामहुरी ने और दूसरी पारी में ब्लेसिंग मुजरबानी ने 4-4 विकेट लिए। बांग्लादेश की तरफ से दोनों पारियों को मिलाकर केवल मोमिनुल हक ही अर्धशतक लगा सके। पहली पारी में तो बांग्लादेश के 9 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाए थे। दूसरी पारी में मुश्फिकुर रहीम ने टीम के लिए सबसे ज्यादा 34 रन बनाए। वहीं जिम्बाब्वे की ओर से इनोसेंट काइया ने 140 रन, वेसले मधिविरे ने 77 रन, क्रेग इर्विन ने 60 रन और ब्रायन बेनेट ने 59 रन की शानदार पारियां खेलीं। इनोसेंट काया को उनकी शानदार शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया।

दिल्ली प्रीमियर लीग तीसरे सत्र की नीलामी में पंत, प्रतिका पर नजरें..

जगप्रेरणा/पी.टी.आई (भाषा)

दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 के तीसरे सत्र की बुधवार को होने वाली नीलामी में 600 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी और नजरें भारतीय क्रिकेटरों ऋषभ पंत और प्रतिका रावल पर रहेंगी।

नीलामी के लिये 400 पुरूष और 200 महिला खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है जो आठ पुरूष और चार महिला टीमों के लिये चुने जायेंगे। आयोजकों द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार टीमों ने 65 पुरूष और 28 महिला खिलाड़ियों को बरकरार रखा (रिटेंशन) है।

विज्ञप्ति के अनुसार,'पुरूष वर्ग में आठों टीमों को डेढ डेढ करोड़ रूपये का पर्स मिला है जिसमें से रिटेंशन का पैसा काटा जा चुका है । बाकी बचा हुआ पैसा एक जुलाई को नीलामी में खर्च किया जा सकता है । वहीं चार महिला टीमों में से प्रत्येक के लिये पर्स 75 लाख रूपये का है जिसमे से रिटेंशन का पैसा काटा गया है ।'

खिलाड़ियों को चार श्रेणियों में बांटा गया है । मारकी श्रेणी में वे खिलाड़ी हैं जो भारत, भारत ए के लिये या पिछले तीन सत्र में किसी आईपीएल टीम के लिये खेल चुके हैं। ए श्रेणी में दिल्ली की सीनियर पुरूष टीम के लिये रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी या सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेल चुके क्रिकेटर हैं जबकि बी श्रेणी में दिल्ली अंडर 23, अंडर 19 या अंडर 16 खिलाड़ी होंगे। सी श्रेणी में दिल्ली लीग क्रिकेट सर्किट से डीडीसीए में रजिस्टर्ड खिलाड़ी हैं। चारों श्रेणियों के लिये बेस कीमत क्रमशः दस लाख, पांच लाख, तीन लाख

और एक लाख रूपये है। महिला वर्ग में मारकी श्रेणी में भारत के लिये खेल चुकी दिल्ली या डीडीसीए की खिलाड़ी और पिछले तीन सत्र में डब्ल्यूपीएल का हिस्सा रही खिलाड़ी शामिल हैं।

ए श्रेणी में दिल्ली की सीनियर महिला टीम की सदस्य रही खिलाड़ी शामिल हैं जो सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी या टी20 ट्रॉफी के पिछले तीन घरेलू सत्र खेल चुकी हों । बी श्रेणी में दिल्ली अंडर 23, अंडर 19 और अंडर 15 खिलाड़ी हैं। सी श्रेणी में डीडीसीए महिला टी20 लीग खेलने वाली और डीडीसीए की रजिस्टर्ड खिलाड़ी हैं। चारों श्रेणियों में बेस कीमत क्रमशः पांच लाख, तीन लाख, डेढ लाख और 75000 रूपये है। उपलब्ध मारकी खिलाड़ियों में ऋषभ पंत, ईशांत शर्मा, नवदीप सैनी, सिमरजीत सिंह, मयंक यादव, अनुज रावत, कुलदीप यादव, सुयश शर्मा शामिल हैं। वहीं महिला वर्ग में प्रिया पूनिया, प्रिया मिश्रा, प्रतिका रावल के नाम प्रमुख हैं।

लेख, लघु कथा, कविताएं एवं साहित्य सामग्रीयां आमंत्रित है..

Email - jagprernaw@gmail.com
Whatsapp - 94070-33433

दैनिक जग प्रेरणा में साहित्य लेख रचनाएं प्रकाशन के लिये संपर्क करें..

एकता आशीष वर्मा
मो. 9407033433

संगठित अपराध सिंडिकेट का समूल विनाश: ज़मानत नहीं जन सुरक्षा सर्वोपरि –आदतन अपराधियों पर कठोर कानूनी प्रहार ही सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा और रामराज्य की आधारशिला –समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर भारत आज विश्व की सबसे तेज़ी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। डिजिटल क्रांति, वैश्विक निवेश, आधुनिक अवसंरचना और सामाजिक परिवर्तन के इस दौर में यदि कोई सबसे बड़ी चुनौती विकास की गति को बाधित करती है,

तो वह है संगठित अपराध (आर्गेनाइजेड क्राइम), आपराधिक सिंडिकेट,मादक पदार्थों की तस्करी,अवैध खनन,हवाला साइबर अपराध, रंगदारी,भूमि माफ़िया,मानव तस्करी तथा ऐसे आदतन अपराधी जो बार-बार जमानत पर छूटकर फिर अपराध करते हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि ऐसे अपराध केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि वे राष्ट्र की अर्थव्यवस्था,लोकतंत्र निवेश,सामाजिक विश्वास और नागरिक सुरक्षा पर सीधा हमला हैं।आज 30 जून 2026 को महाराष्ट्र विधानसभा में चल रहे मानसून सत्र में माननीय मुख्यमंत्री ने भी स्पष्ट किया कि राज्य सरकार संगठित अपराध और नशा तस्करी के विरुद्ध अपनी कार्रवाई को और अधिक कठोर बनाने की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे आदतन (रिपीट) अपराधी, विशेषकर ड्रग तस्करी और संगठित आपराधिक सिंडिकेट से जुड़े लोग,जो बार-बार जमानत पर छूटकर फिर से अपराध करते हैं, उन्हें महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ़ ऑर्गनिज़्ड क्राइम एक्ट (मकोका) के दायरे में लाने के लिए सरकार आवश्यक कानूनी प्रावधानों पर विचार कर रही है।उनके अनुसार केवल सामान्य आपराधिक धाराओं या नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टेन्सेस एक्ट,1985 (एनडीपीएस अधिनियम) के तहत कार्रवाई पर्याप्त नहीं है,क्योंकि कई मामलों में आरोपी जमानत मिलने के बाद पुनःउसी अवैध गतिविधि में शामिल हो जाते हैं। इसलिए संगठित ड्रग नेटवर्क, उनके वित्तीय तंत्र और बार-बार अपराध करने वाले गिरोहें पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए मकोका जैसे सख्त कानून का उपयोग आवश्यक माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संबंध में गृह विभाग आवश्यक प्रक्रिया आगे बढ़ा रहा है, ताकि संगठित अपराध पर निर्णायक प्रहार करते हुए समाज में कानून का प्रभावी भय स्थापित किया जा सके। इसी को आधार बनाते हुए इस आर्टिकल के माध्यम से मैं पूरे भारत के राज्यों से अपील करना चाहूंगा कि वह भी इस मॉडल को अपनाएं।

साथियों, यदि भारत को विकसित राष्ट्र बनना है और समाज में भयमुक्त वातावरणद्व स्थापित करना है,तो केवल अपराधियों की गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं होगी।आवश्यकता इस बात की है कि अपराध के पूरे नेटवर्क,उसकी वित्तीय संरचना,उसके राजनीतिक- सामाजिक संरक्षण तथा पुनरावृत्ति करने वालेद्व अपराधियों पर कठोर और प्रभावी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यही वास्तविक अर्थों में कानून का शासन (रूल ऑफ़ ला) होगा।भारत के विभिन्न राज्यों ने संगठित अपराध के विरुद्ध विशेष कानून बनाए हैं। सबसे चर्चित उदाहरण महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (मकोका) है,जिसे सामान्यतः मकोका कहा जाता है। इस कानून का उद्देश्य केवल अपराधी को दंडित करना नहीं, बल्कि उसके पूरे आपराधिक संगठन,वित्तीय स्रोत और नेटवर्क को समाप्त करना है। समय के साथ कई अन्य राज्यों ने भी समान सटीक कानून बनाए हैं।

साथियों, इसी प्रकार कर्नाटक कंट्रोल ऑफऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (ककोका), गुजरात कंट्रोल ऑफ टेररिज्म एंड ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (गकटोक), तथा उत्तर प्रदेश कंट्रोल ऑफऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट (यूपीकोका) जैसे प्रयास यह दर्शाते हैं कि राज्यों ने संगठित अपराध की गंभीरता को समझा है। साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय न्याय संहिता, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023,भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023, गैरकानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम (यूएपीए),धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए), एनडीपीएस अधिनियम, तथा गैंगस्टर्स एवं समाज विरोधी गतिविधियाँ (निवारण) अधिनियम जैसे अनेक कानून उपलब्ध हैं। चुनौती कानूनों की कमी नहीं,बल्कि उनके प्रभावी, समयबद्ध और निर्भीक क्रियान्वयन की है।

साथियों, एक अधिवक्ता होने के नाते मैं देखता हूं कि विशेष चिंता उन अपराधियों की है जो गंभीर अपराधों में गिरफ्तार होने के बाद जमानत पर बाहर आते हैं और पुनःउसी अपराध में संलिप्त हो जाते हैं। ऐसे रीपीट ऑफेंडर्स कानून के प्रति भय समाप्त कर देते हैं। इसलिए आवश्यक है कि जिन व्यक्तियों का संगठित अपराध, गैंग संचालन,मादक पदार्थों की तस्करी,मानव तस्करीसाइबर धोखाधड़ी या हिंसक अपराधों का लंबा इतिहास हो, उनके मामलों में जमानत देते समय न्यायालयों के समक्ष अपराध की2 पुनरावृत्ति, पीड़ितों की सुरक्षा और समाज पर संभावित प्रभाव जैसे पहलुओं का गंभीर मूल्यांकन हो तथा कानून के अनुरूप कठोर शर्तें लागू की जाएँ।आधुनिक संगठित अपराध अब केवल स्थानीय नहीं रहा। यह डिजिटल बैंकिंग, क्रिप्टोकरेंसी, डार्क वेब, फर्जी कंपनियों शेल अकाउंट, अंतरराष्ट्रीय हवाला नेटवर्क और साइबर प्लेटफॉर्म के माध्यम से संचालित होता है। इसलिए केवल स्थानीय पुलिस नहीं, बल्कि राज्यों, केंद्रीय एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बीच प्रभावी समन्वय आवश्यक है। अपराधी नेटवर्क सीमाओं का सम्मान नहीं करते; इसलिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों को भी तकनीक और सूचना साझाकरण के माध्यम से उतना ही सशक्त होना होगा।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी यही बताते हैं। इटली ने माफ़िया के विरुद्ध,अमेरिका ने संगठित अपराध के विरुद्ध तथा अनेक यूरोपीय देशों ने वित्तीय अपराधों के विरुद्ध कठोर कानूनी ढाँचे विकसित किए। इन मॉडलों का मूल सिद्धांत था केवल अपराधी को जेल भेजना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसके धन,संपत्ति,नेटवर्क, सहयोगियों और आर्थिक शक्ति को समाप्त करना आवश्यक है। यही रणनीति भारत में भी अधिक प्रभावी सिद्ध हो सकती है।अपराध के विरुद्ध सबसे बड़ा हथियार केवल दंड नहीं बल्कि दंड का निश्चित और शीघ्र होना है।यदि जांच वैज्ञानिक हो, डिजिटल साक्ष्य सुरक्षित हों, अभियोजन सक्षम हो और मुकदमे समयबद्ध हों, तो अपराधी के मन में कानून का वास्तविक भय उत्पन्न होता है। दूसरी ओर वर्षों तक लंबित मुकदमे, कमजोर जांच और गवाहों पर दबाव न्याय व्यवस्था की प्रभावशीलता को कम करते हैं। इसलिए पुलिस सुधार, फॉरेंसिक क्षमता, डिजिटल जांच, गवाह संरक्षण और अभियोजन प्रणाली को समानद्व महत्व देना होगा।साथ ही यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि कठोर कानूनों का प्रयोग केवल संगठित और गंभीर अपराधों के विरुद्ध हो तथा प्रत्येक आरोपी को संविधान प्रदत्त निष्पक्ष सुनवाई, न्यायिक समीक्षा और विधिक अधिकार प्राप्त रहें। कानून का उद्देश्य भय पैदा करना नहीं, बल्कि न्याय और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है। लोकतंत्र में कठोरता और संवैधानिक संतुलन दोनों साथ-साथ चलते हैं।

साथियों, यदि भारत कोद्व भ्रष्टाचार माफ़िया,नशा तस्करी, साइबर अपराध,अवैध खनन,भूमि कब्ज़ा और संगठित अपराध से मुक्त बनाना है, तो राज्यों और केंद्र के बीच एक समन्वित राष्ट्रीय रणनीति विकसित करनी होगी। इसमें अपराधियों की संपत्ति जब्ती, अवैध आय की पहचान, तकनीकी निगरानी, अंतरराज्यीय डाटाबेस, वित्तीय खुफिया तंत्र और त्वरित न्याय प्रणाली प्रमुख आधार बन सकते हैं।

साथियों, भारतीय संस्कृति में सतयुग और त्रेतायुग न्याय, सत्य, धर्म और लोककल्याण के प्रतीक माने जाते हैं। आधुनिक लोकतांत्रिक भारत में इन आदर्शों का अर्थ किसी धार्मिक व्यवस्था की पुनर्स्थापना नहीं, बल्कि ऐसा शासन है जहाँ कानून सर्वोपरि हो, अपराधी कानून से भयभीत हों, निर्दोष नागरिक सुरक्षित हों, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों को निर्भय वातावरण मिले तथा न्याय सभी के लिए समान रूप से उपलब्ध हो। यही संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप ÷सुशासन÷ की वास्तविक परिकल्पना है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह कहा जा सकता है कि संगठित अपराध के विरुद्ध निर्णायक संघर्ष केवल पुलिस का दायित्व नहीं,बल्कि सरकार, न्यायपालिका,जांच एजेंसियों, अभियोजन, नागरिक समाज और जागरूक नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। जब कानून निष्पक्ष,त्वरित और प्रभावी ढंग से लागू होगा, जब अपराध सिंडिकेट का आर्थिक और संगठनात्मक ढाँचा ध्वस्त होगा,जब आदतन अपराधियों के विरुद्ध कानून की कठोरता और न्यायिक प्रक्रिया की गति दोनों सुनिश्चित होंगी,तब भारत अधिक सुरक्षित, निवेश- अनुकूल, न्यायपूर्ण और विश्वासपूर्ण राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ सकेगा। यही विकसित भारत, सुशासन और संविधान आधारित न्याय व्यवस्था की सबसे मजबूत आधारशिला होगी।

रचनाकार

एडव्होकेट किशन भगनानी गोंदिया

शब्दवर्गपहेली क्र.- 208

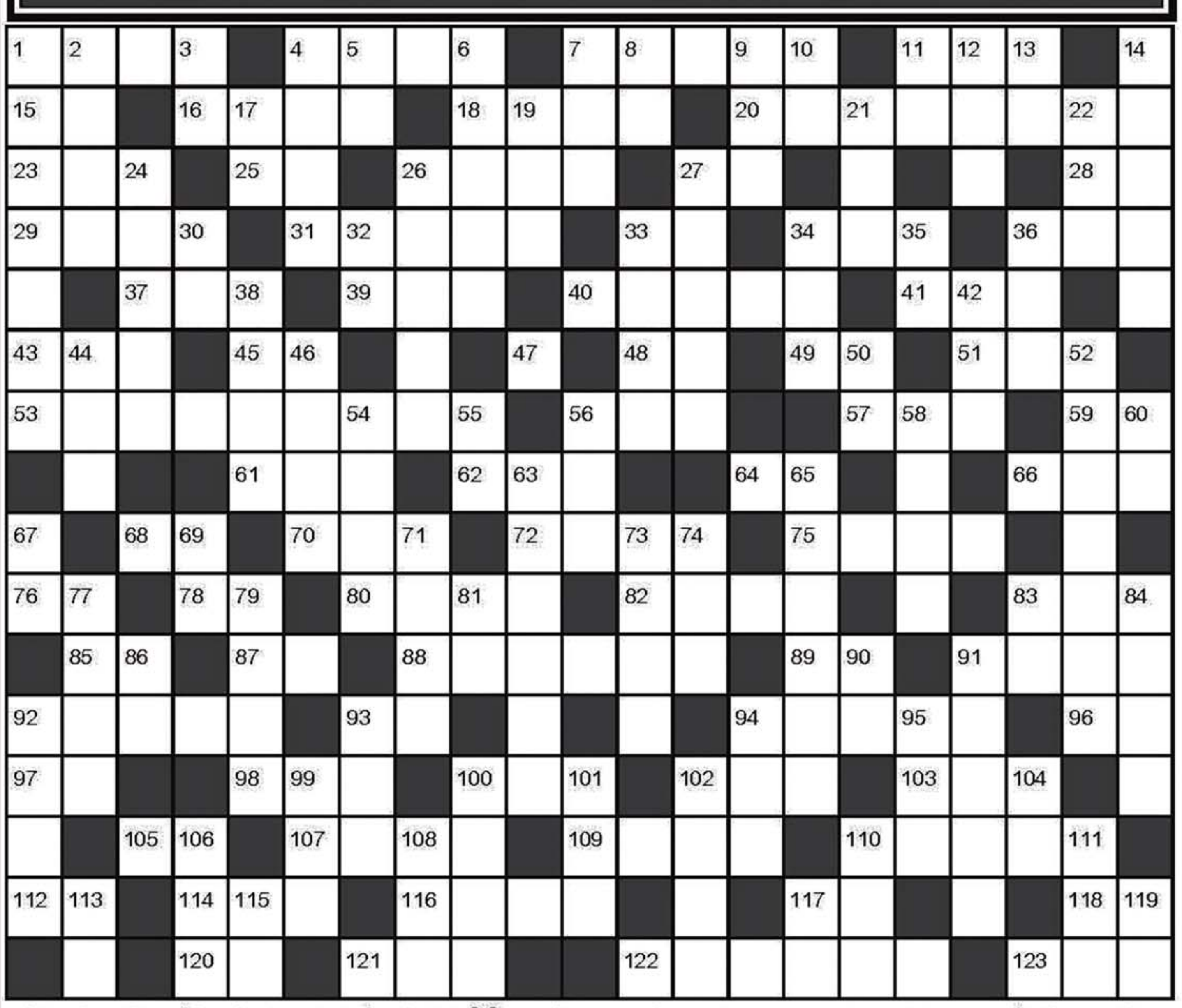

Åij ls uhps &1) तरफदारी करना, किसी विशिष्ट की बाजू लेना 2) विदेशी बैगन के नाम से जानी जानेवाली एक सब्जी जो सलाद के भी काम आती है 3) पानी 4) अनिष्ट, अशुभ 5) बड़ी नदी 6) नगररक्षक 7) भीतर 8) लोग 9) प्रस्ताव, सजेशन का हिन्दी पर्याय 10) गीला 11) आवरण, 12) कामी, इच्छूक, चाहनेवाला 13) ताकत 14) जिक्र करना 17) गमन करना 19) वास करना 21) कटार 22) लुभावना 24) असफल 26) प्रसिद्ध तीर्थ बद्रीनाथ इस नदी के किनारे है 27) स्वर्गवास 30) पीठ के बीच की हड्डी 32) मवाद 33) पत्र आंदि मे लिखा अंश या विषय 34) पति की बहन 35) शरीर की ऊंचाई 36) भीष्म के पिता का नाम 38) नासमझ, मूर्ख (उर्दू) 42) वाद्य बजानेवाला 44) जनाजा 46) सबक 50) शरीर के त्रिदोषों में से एक 52) हमारे एक दिवंगत केन्द्रीय मंत्री जो दलितों के मसीहा माने जाते थे, 54) लड़ने के लिए प्रेरणा, आव्हान 55) फलों मे से निकलनेवाला द्रव 56) आयेगा.....आयेगा..... आनेवाला गीतवाली एक पुरानी फिल्म 58) फायदेमंद 60) बाण 63) पुरी तरह से नष्ट 65) एक पुराने समाजवादी नेता जिन्होने चुनाव में इंदिरा गांधी को पराजित किया था 67) जीभ को होनेवाली रसानुभूति 69) धरती 71) सजीव 73) चापल्य, उतावलापन 74) महिला 77) सेठ, साहूकार 79) दी गई अवधि 81) दीवार (अंग्रेजी) 83) पानी 84) कच्ची उम्र का 86) एक किस्म की विदेशी शराब 90) पर्यंत 91) पहले से तैयार किया हुआ 92) महाराष्ट्र के एक प्रसिद्ध संत 93) शेर आदी की गरज 94) दया 95) जीभ 99) कृत्रिम जलमार्ग 100) ताकतवर 101) घाव, नाड़ी व्रण 102) शंकर 104) प्याला (अंग्रेजी) 106) सरकारी प्रमाणपत्र 108) ताजापन, ताजा होने का भाव 110) जमघट, समुदाय 111) चोचला 113) ककड़ी की जाति का एक फल 115) बिहार का एक तीर्थस्थल जहां हिन्दू पिण्डदान करते है 117) छुट्टी 119) पंजाब की एक नदी.(जवाब अगले अंक में)

ck;s ls nk;s & 1) प्रधान रानी 4) अपरिचित 7) हनुमान 11) नभ 15) माफ 16) अनुमति, स्वीकृती 18) गला 20) झारखंड का एक राजनीतिक दल 23) गढ़े आदि को भरकर सपाट कर देना 25) सर्प 26) तुअर 27) भगवान 28) अधिकार, 29) पकी सब्जी 31) तलवार आदी का चमकना 33) बड़ा 34) स्वर्ग का विरुद्धार्थी शब्द 36) महादेव 37) जड़ना, बाजे पर चमड़ा चढ़ाना, 39) सारा, समस्त 40) गणेशजी 41) स्याही रखने का पात्र 43) पुरानी फिल्म बनारसी बाबु (गोविंदा)की हीरोईन 45) कला, सांप का फैला हुआ सिर 47) साहित्य में रसों की संख्या 48) यहूदियों के एक पैगंबर 49) औषधी 51) राक्षस 53) तहसील के एक अधिकारी 56) चिंतन 57) विवाह विच्छेद 59) बेसुध 61) प्रासाद 62) पृथ्वी का ऊपरी तल 64) एक तरल धातु 66) राजा का प्रधान मंत्री 68) हत्या 70) तकादा, प्रेरणा 72) खलबली,, धूम 75) एक प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री जिसका फिल्म सरगम से पदार्पण हुआ था 76) सांस 78) राष्ट्रीय मोर्चा का संक्षिप्त रुप 80) जनानखाना 82) पीछे फिरना, उलटफेर करना 83) लव–कुश के नाना का नाम 85) पराभव 87) वायु 88) मतलब सिद्ध न होना इस अर्थ का एक मुहावरा 89) रजनी 91) कृष्ण के भाई 92) राजप्रसाद 93) भाव 94) निश्चित करना 96) काली स्याही 97) चालीस सेर का एक पुरानी तौल 98) अकेला 100) स्थायी रुप से निवास करना 102) शरण का अशुद्ध उच्चारण 103) पाठ, नसीहत 105) पत्नी की मां 107)असन्तोष प्रकट करने के लिये सामूहिक रूप से कामधंधा बंद करना 109) एक अंध संत कवी 110) स्त्री जैसा भाव, स्त्रीत्व 112) सहचरी,, सहेली 114) शहर 116) बहुमूल्य रत्न 117) विष्णू पत्नी 118) सच्चा 120) करुणा 121) बहुत गंभीर व दंडनीय (अपराध) 122) कार्यालयो में डाक आने व बहार भेजने के विभागों का संयुक्त नाम 123) एशिया की सबसे बडी झोपड़पट्टी वाला मुंबई का उपनगर

पिछ्ले अंक के शब्दवर्गपहेली का जवाब

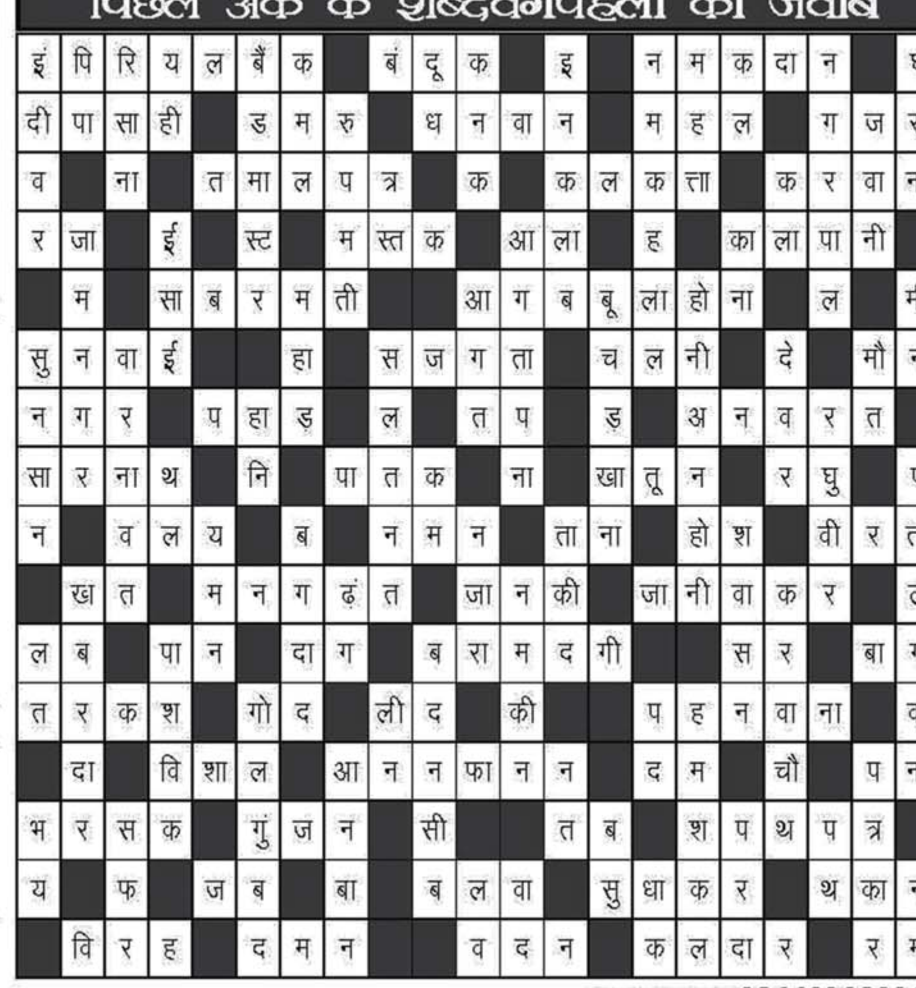

anumeya-08446302691

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विदेशी बाजारों में गिरावट से लगभग सभी तेल - तिलहन के दाम टूटे..

नई दिल्ली, (भाषा)।

विदेशों में बाजार टूटने के बीच देश के तेल-तिलहन बाजारों में मंगलवार को लगभग सभी तेल-तिलहनों के दाम में गिरावट आई। सरसों, मूंगफली और सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं

पामोलीन तेल के दाम में गिरावट रही जबकि नगण्य उपलब्धता के बीच दाम ऊंचा बोले जाने से बिनौला तेल के दाम में सुधार दिखा।मलेशिया और शिकॉगो एक्सचेंज में गिरावट है। सरकार ने सीपीओ के आयात शुल्क मूल्य में 66 रुपये प्रति क्विंटल की कमी की है जबकि पामोलीन के आयात शुल्क मूल्य को 102 रुपये प्रति क्विंटल घटाया है। दूसरी ओर, सरकार ने सोयाबीन डीगम के आयात शुल्क मूल्य में 20 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की है।

बाजार सूत्रों ने कहा कि मई के मुकाबले जून में सोयाबीन डीगम, पाम-पामोलीन, सूरजमुखी जैसे खाद्य तेलों का आयात काफी घटा है। खाद्य तेलों की पेराई भी सामान्य से कम रही है। लेकिन इसके बावजूद खाद्य तेलों की कमी वाले इस देश के आयातक लागत से नीचे दाम पर आयातित तेल की बिकवाली करने को मजबूर हों, यह बात समझ से परे है। सरकार को इन स्थितियों को सुलझाने की ओर ध्यान देना होगा।

उन्होंने कहा कि ऊंचे दाम पर कम कारोबार से सरसों तेल-तिलहन के दाम में गिरावट रही। मूंगफली में मामूली गिरावट रही। विदेशों में दाम टूटने की वजह से सोयाबीन तेल-तिलहन के दाम में भी गिरावट रही। जबकि आयात शुल्क मूल्य घटाने की वजह से पाम-पामोलीन तेल में गिरावट देखी गई। कम उपलब्धता के बीच मांग होने और दाम ऊंचा बोले जाने की वजह से बिनौला तेल के दाम में सुधार आया।

तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे:

सरसों तिलहन - 7,550-7,575 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली - 6,625-7,200 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) - 15,425 रुपये प्रति क्विंटल।

मूंगफली रिफाइंड तेल - 2,460-2,760 रुपये प्रति टिन।

सरसों तेल दादरी- 15,550 रुपये प्रति क्विंटल।

सरसों पक्की घानी- 2,570-2,670 रुपये प्रति टिन।

सरसों कच्ची घानी- 2,570-2,715 रुपये प्रति टिन।

सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली- 15,300 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर- 15,200 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन तेल डीगम, कांडला- 11,850 रुपये प्रति क्विंटल।

सीपीओ एक्स-कांडला- 13,350 रुपये प्रति क्विंटल।

बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा)- 15,750 रुपये प्रति क्विंटल।

पामोलिन आरबीडी, दिल्ली- 15,300 रुपये प्रति क्विंटल।

पामोलिन एक्स- कांडला- 14,050 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल।

सोयाबीन दाना - 6,950-7,000 रुपये प्रति क्विंटल।

सोयाबीन लूज- 6,800-6,875 रुपये प्रति क्विंटल।

प्रोत्साहनों के अलावा, नई ईवी नीति परिवहन क्षेत्र के सुधारों पर केंद्रित : दिल्ली की मुख्यमंत्री

नई दिल्ली, (भाषा)।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि नई इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) नीति न सिर्फबिजलीचालित वाहन खरीदने पर प्रोत्साहन देती है, बल्कि परिवहन क्षेत्र में संरचनात्मक सुधारों के लिए एक खाका भी तैयार करती है।

अधिकारियों के अनुसार, ईवी नीति 2026 को मंगलवार को उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने मंजूरी दी, जिसके बाद परिवहन विभाग इस नीति को अधिसूचित करेगा और एक अलग पोर्टल शुरू करेगा।

गुप्ता ने कहा, ÷ यह नीति केवल इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए प्रोत्साहन देने तक सीमित नहीं है, बल्कि मार्च, 2030 तक के स्पष्ट रूपरेखा के साथ परिवहन व्यवस्था में संरचनात्मक बदलाव, चार्जिंग अवसंरचना के विस्तार, मजबूत संस्थागत व्यवस्था और विभिन्न वाहन श्रेणियों के चरणबद्ध विद्युतीकरण का व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है।÷

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती नीति मुख्य रूप से प्रोत्साहन आधारित थी और इलेक्ट्रिक वाहन अपनाना पूरी तरह स्वैच्छिक था जबकि नई सरकार ने इस व्यवस्था को आगे बढ़ाते हुए प्रोत्साहनों के साथ विभिन्न वाहन श्रेणियों के लिए चरणबद्ध अनिवार्य विद्युतीकरण का स्पष्ट कार्यक्रम तैयार किया है, जिससे इलेक्ट्रिक परिवहन को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई नीति में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों पर 30,000 रुपये तक का खरीद प्रोत्साहन जारी रखा गया है। इसके साथ पहली बार पुराने वाहन को कबाड़ कराने पर 10,000 रुपये का अतिरिक्त प्रोत्साहन भी दिया जाएगा।

उन्होंने कहा, ÷इतना ही नहीं, एक अप्रैल, 2028 से दिल्ली में नए दोपहिया वाहनों का पंजीकरण केवल इलेक्ट्रिक वाहनों के रूप में किया जाएगा। तिपहिया वाहनों के क्षेत्र में भी सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। जहां पहले खरीद प्रोत्साहन 30,000 रुपये तक था, वहीं नई नीति में इसे बढ़ाकर 50,000 रुपये तक कर दिया गया है। ÷

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई नीति के तहत संस्थागत ढांचे को भी मजबूत किया गया है।

गुप्ता ने कहा, पिछली नीति में केवल एक ईवी सेल और राज्य ईवी बोर्ड था, नए ढांचे में दिल्ली ईवी एपेक्स समिति, एक उच्चाधिकार प्राप्त समिति और एक समर्पित ईवी सेल शामिल है।

सरकार ने पेट्रोरसायन आयात पर शुल्क छूट 15 जुलाई तक बढ़ाई

नई दिल्ली, (भाषा)।

सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के बीच आपूर्ति की निरंतरता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए 40 महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात पर शून्य सीमा शुल्क छूट की अवधि 15 दिन बढ़ाकर 15 जुलाई तक कर दी है।

सरकार ने दो अप्रैल को महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात पर पूर्ण सीमा शुल्क छूट दी थी। यह अस्थायी और लक्षित राहत 30 जून को समाप्त होने वाली थी।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दो अप्रैल को दी गई छूट का मकसद घरेलू बाज़ार में पेट्रोरसायन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना था, क्योंकि भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों से इस दौरान एलपीजी के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने को कहा गया था।

बयान में कहा गया, ''स्थिति के धीरे-धीरे सामान्य होने के साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में बदलाव को सुचारू और बिना किसी रुकावट के सुनिश्चित करने के मकसद से इस छूट को 15 दिन की और अवधि के लिए, यानी 15 जुलाई, 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।''

आयात शुल्क में यह छूट मेथनॉल, एनहाइड्रस अमोनिया, टोल्यूनि, स्टाइरीन, डाइक्लोरोमीथेन (मेथिलीन क्लोराइड), विनाइल क्लोराइड मोनोमर, पॉली ब्यूटाडाइन, स्टाइरीन ब्यूटाडाइन और अनसैचुरेटेड पॉलिएस्टर रेजिन में दी गई है।

मंत्रालय ने कहा, ''सरकार भारत के विनिर्माण क्षेत्र को समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है।'' मंत्रालय ने कहा कि इस छूट से पहले की तरह ही पेट्रोरसायन कच्चे माल और मध्यवर्ती उत्पादों पर निर्भर है, जिनमें प्लास्टिक, पैकेजिंग, वस्त्र, रसायन आदि क्षेत्र शामिल हैं। इससे अंतिम उत्पादों के उपभोक्ताओं को भी राहत मिलेगी।

वित्त मंत्रालय ने दो अप्रैल को कहा था कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में आए व्यवधान को देखते हुए सरकार ने महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों पर 30 जून तक पूर्ण सीमा शुल्क छूट देने का फैसला किया है। मंत्रालय ने कहा था कि इस कदम का उद्देश्य घरेलू उद्योग के लिए महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन कच्चे माल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना, 'डाउनस्ट्रीम' उद्योगों पर लागत का दबाव कम करना और देश में आपूर्ति की स्थिरता बनाए रखना है। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण समुद्री मार्गों में व्यवधान से उर्वरक, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के आयात को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। भारत उर्वरक और पेट्रोलियम का प्रमुख आयातक है।

अर्थव्यवस्था मज़बूत, पर मानसून और पश्चिम एशिया संकट से अब भी जोखिमः वित्त मंत्रालय रिपोर्ट

नई दिल्ली, (भाषा)।

देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है, लेकिन कुछ उच्च-आवृत्ति वाले आर्थिक संकेतकों में नरमी से गतिविधियों की रफ्तार धीमी पड़ने के संकेत मिल रहे हैं। वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

इस रिपोर्ट में मानसून, अल नीनो के प्रभाव और वैश्विक संकट से उपजे जोखिम भी दर्शाए गए हैं। वित्त मंत्रालय ने अपनी नवीनतम मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा है कि 2025-26 में मज़बूत वृद्धि प्रदर्शन के बाद, 2026-27 के शुरुआती महीनों में भी आर्थिक गतिविधियां मज़बूत बनी रहीं।

मंत्रालय ने कहा, ''ई-वे बिल की संख्या, क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई), बिजली की खपत और वाहन बिक्री जैसे उच्च-आवृत्ति संकेतक घरेलू आर्थिक गतिविधियों में अंतर्निहित मजबूती को दर्शाते रहे हैं।''

रिपोर्ट कहती है, ''दूसरी ओर, प्रमुख उद्योगों, ईंधन खपत, हवाई यात्री यातायात, उपभोक्ता विश्वास और श्रम बाजार जैसे कुछ प्रमुख संकेतकों में नरमी से आर्थिक गतिविधियों की रफ्तार में कुछ कमी आने के संकेत मिल रहे हैं।''

वित्त मंत्रालय ने कहा कि वैश्विक परिस्थितियों में बदलाव के बीच आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति अपेक्षाकृत नियंत्रित रह सकती है। वैश्विक जिंस बाजार में नरमी, कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और यूरिया आदि की कीमतों में कमी से आयातित महंगाई का दबाव कम होने की संभावना है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं और व्यापार प्रवाह को संघर्ष-पूर्व स्थिति में लौटने में समय लग सकता है, लेकिन वैश्विक जिंस कीमतों में गिरावट से कीमतों पर पड़ने वाले अतिरिक्त दबाव से कुछ राहत मिलने की उम्मीद है।

मंत्रालय के अनुसार, सरकार के हस्तक्षेप, प्रमुख कृषि जिंस का पर्याप्त बफर भंडार और आपूर्ति प्रबंधन के उपाय संभावित आपूर्ति बाधाओं के प्रभाव को कम करने में मदद करेंगे।

रिपोर्ट के अनुसार, पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और अमेरिका-ईरान वार्ता में प्रगति से कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है, जिससे बाहरी और महंगाई संबंधी दबाव कम हुआ है। इसके अलावा, व्यापार समझौतों में प्रगति और अन्य उपायों से विदेशी पूंजी प्रवाह को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

हालांकि, मंत्रालय ने आगाह किया कि मानसून, अल नीनो की संभावित स्थिति और वैश्विक संकट आर्थिक परिदृश्य को प्रभावित करखे रहेंगे। साथ ही, अगर होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति और पोत परिवहन में व्यवधान उत्पन्न होता है, तो ऊर्जा आपूर्ति और जिंस की कीमतों पर असर पड़ सकता है।

बैंकों का एनपीए कई दशक के निचले स्तर 1.8 प्रतिशत पर, भारतीय वित्तीय प्रणाली मजबूतः आरबीआई..

मुंबई, (भाषा)।

बैंकों और गैर-बैंकिंग क्षेत्र के मजबूत बही-खाते के बल पर भारतीय वित्तीय प्रणाली मजबूत बनी हुई है। साथ ही मार्च, 2026 के अंत में बैंकों की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (जीएनपीए) कई दशक के निचले स्तर 1.8 प्रतिशत पर आ गई हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) के अनुसार, बार-बार के झटकों के बावजूद वैश्विक वित्तीय प्रणाली ने अब तक उल्लेखनीय मजबूती दिखाई है। पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने के बाद शुरुआत में बाजार में कुछ अस्थिरता देखी गई, लेकिन उसके बाद बाजार व्यवस्थित बने रहे।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि भारत के मजबूत वृहद आर्थिक आधार उसे कई अन्य देशों की तुलना में बेहतर स्थिति में रखते हैं और पिछले संकट की तुलना में बाहरी झटकों से अधिक सुरक्षा प्रदान करते हैं।

हालांकि, आरबीआई ने चेतावनी दी कि ऊर्जा और अन्य वस्तुओं की ऊंची कीमतों, पेट्रोल पंप दरों में सीमित समायोजन, उत्पाद शुल्क में कटौती और सब्सिडी पर बढ़ते खर्च के कारण राजकोषीय घाटे पर दबाव बढ़ सकता है।

साथ ही, आरबीआई ने कहा कि ईरान और अमेरिका के बीच अंतरिम शांति समझौता भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए सहायक साबित हो सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि घरेलू वित्तीय प्रणाली मजबूत बनी हुई है, जिसे बैंक और गैर-बैंकिंग क्षेत्र के मजबूत बही-खाते का समर्थन प्राप्त है। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक मजबूत पूंजी, पर्याप्त नकदी, बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता और स्थिर लाभप्रदता के कारण सुरक्षित स्थिति में हैं।

भारतीय रिज़र्व बैंक ने कहा कि भारतीय बैंकों का सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (जीएनपीए) अनुपात मार्च, 2026 तक घटकर कई दशक के निचले स्तर 1.8 प्रतिशत पर आ गया है।

हालांकि, आरबीआई ने कहा कि बैंकिंग प्रणाली की मजबूती बरकरार है, लेकिन वित्तपोषण एक प्रमुख चुनौती के रूप में उभर रहा है, क्योंकि बचतकर्ता बेहतर रिटर्न के लिए शेयर और म्यूचुअल फंड जैसे विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि कृत्रिम मेधा (एआई)-आधारित साइबर हमले बैंकिंग क्षेत्र के लिए निकट अवधि की सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभर रहे हैं। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने रिपोर्ट की प्रस्तावना में कहा है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रणाली दो प्रमुख शक्तियों बढ़ते भू-राजनीतिक विभाजन और कृत्रिम मेधा (एआई) में तीव्र तकनीकी प्रगति से उत्पन्न व्यवधान के कारण पुनर्गठित हो रही हैं।

उन्होंने कहा कि जारी संघर्षों और लगातार आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है, जिसका आंशिक कारण एआई आधारित संभावित उत्पादकता लाभों को लेकर आशावाद है। हालांकि, तेजी से बदलते वैश्विक परिदृश्य के बीच निकट भविष्य का दृष्टिकोण अनिश्चित बना हुआ है।

मल्होत्रा ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रणाली ने बड़े पैमाने पर बाहरी झटकों के बावजूद उल्लेखनीय मजबूती दिखाई है। मजबूत वृद्धि, कम मुद्रास्फीति, वित्तीय और गैर-वित्तीय कंपनियों के मजबूत बही-खाते और पर्याप्त 'बफर' ने देश की व्यापक आर्थिक-वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने में मदद की है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न तनाव कम होने और अंतरिम शांति समझौते के बाद जोखिम कुछ हद तक घटे हैं, लेकिन भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं अब भी बनी हुई हैं। मुद्रास्फीति के मोर्चे पर आरबीआई ने कहा कि आपूर्ति बाधाओं और कमजोर मानसून की आशंका के कारण मुद्रास्फीति ऊपरी सीमा तक या लगभग छह प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि शुद्ध प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में हालिया गिरावट वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों की सख्ती को दर्शा सकती है, जबकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेश पर भी दबाव बना हुआ है। केंद्रीय बैंक ने यह भी बताया कि परिवारों पर कुल कर्ज बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 45.5 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जिसमें गैर-आवासीय खुदरा ऋणों की हिस्सेदारी अधिक रही है।

ऊर्जा कीमतों के झटकों के प्रति भारतीय अर्थव्यवस्था अब भी संवेदनशीलः आरबीआई

मुंबई, (भाषा)।

आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों को दूर करने में होने वाली देरी और भंडार को दोबारा भरने के लिए बढ़ती मांग के कारण यदि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं, तो विदेशी मुद्रा विनिमय दर में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को यह बात कही। आरबीआई ने अपनी छमाही वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) में कहा कि भारत की मजबूत वृहद आर्थिक बुनियाद बाहरी झटकों से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करती है।

सभी वित्तीय क्षेत्र के नियामकों के सहयोग से तैयार इस रिपोर्ट में कहा गया है, ÷हालांकि, आयातित तेल और अन्य प्रमुख जिंसों पर अत्यधिक निर्भरता के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था पर ऊर्जा की कीमतों के झटकों और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों का असर पड़ सकता है।÷

रिपोर्ट में इस बात पर भी जोर दिया गया कि हालांकि ईरान और अमेरिका के बीच अंतरिम शांति समझौते के बाद पश्चिम एशिया संकट से पैदा हुई दिक्कतें कम हो रही हैं, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय प्रणाली अब भी वैश्विक तनाव और उससे जुड़े झटकों के प्रति संवेदनशील बनी हुई है।

रिपोर्ट कहती है कि पूंजी प्रवाह में नरमी के कारण पूंजी खाते पर दबाव बना हुआ है।

रिपोर्ट के अनुसार, मजबूत आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं के कारण वित्त वर्ष 2025-26 में सकल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 95 अरब अमेरिकी डॉलर के मजबूत स्तर पर रहा। हालांकि, विदेशी निवेशकों द्वारा मुनाफे की अधिक निकासी और भारतीय कंपनियों के विदेशों में बढ़ते निवेश के कारण शुद्ध एफडीआई प्रवाह अपेक्षाकृत कमजोर रहा।

हालांकि, शुद्ध एफडीआई में सुधार के संकेत मिलने लगे हैं। अप्रैल, 2026 में शुद्ध एफडीआई प्रवाह 7.4 अरब अमेरिकी डॉलर रहा, जबकि एक साल पहले इसी महीने यह 1.6 अरब अमेरिकी डॉलर था।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में शुद्ध एफडीआई का प्रवाह वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों से प्रभावित होता है। इसलिए हाल में शुद्ध एफडीआई में आई गिरावट का एक कारण वैश्विक वित्तीय परिस्थितियों का सख्त होना भी हो सकता है।

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

9 बुधवार 01 जुलाई 2026
जग प्रेरणा
लांजी किरनापुर हट्टा
● भानेगांव ● मोहझरी ● बोलेगांव ● रिसेवाड़ा ● बहेला ● साडरा ● हिर्री ● रजेगांव

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

01 से 07 जुलाई की अवधि में बालाघाट जिले में भारी से अति भारी वर्षा का अलर्ट

किसानों और आमजन को सतर्क रहने की सलाह..

जगप्रेरणा किरनापुर।

भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त मध्यम श्रेणी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में 01 जुलाई से 07 जुलाई 2026 के

दौरान मौसम अत्यंत सक्रिय रहने की संभावना है। इस अवधि में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भारी बादलों के साथ भारी से अति भारी वर्षा होने, आकाशीय बिजली गिरने, आंधी-तूफान आने तथा 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। जिला कृषि मौसम इकाई एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, बडगांव-बालाघाट के वैज्ञानिक डॉ धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि जारी पूर्वानुमान के अनुसार इस दौरान जिले का अधिकतम तापमान 33 से 35 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 21 से 22 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

सुबह के समय वायुमंडलीय आर्द्रता 96 से 99 प्रतिशत तथा दोपहर में 82 से 88 प्रतिशत तक रहने की संभावना है। वहीं, दक्षिण दिशा से लगभग 7 से 8 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हवाएं चल सकती हैं। कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव द्वारा किसानों को सलाह दी है कि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए खेतों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था बनाए रखें तथा तेज वर्षा और आकाशीय बिजली के दौरान खेतों में कार्य करने से बचें। कृषि कार्यों की योजना मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर ही बनाएं। वहीं आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि खराब मौसम के दौरान अनावश्यक रूप से खुले स्थानों में न जाएं तथा बिजली चमकने और तेज हवाओं के समय सुरक्षित स्थानों पर शरण लें।

जिला कृषि मौसम इकाई ने किसानों एवं आमजन से मौसम विभाग द्वारा जारी नवीनतम पूर्वानुमानों और प्रशासन की सलाह का नियमित पालन करने की अपील की है, ताकि किसी भी प्रकार की जन-धन की हानि से बचा जा सके।

नियमों को ताक में रखकर हैदराबाद मार्ग पर धड़ल्ले से दौड़ रही है बसे..

जगप्रेरणा लांजी।

जिले की परिवहन व्यवस्था इन दिनों पूरी तरह पटरी से उतर चुकी है। कागजों में कार्रवाई और सडक़ों पर मनमानी के बीच कानून कहां खड़ा है,

यह समझ पाना मुश्किल है। परिवहन विभाग समय-समय पर चालानी कार्रवाई कर अपनी पीठ भले थपथपा ले, लेकिन हकीकत यह है कि जिन बसों पर कार्रवाई होती है, वे कुछ ही देर बाद फिर उसी रूट पर नियमों को ठेंगा दिखाती नजर आती हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि विभाग की कार्रवाई व्यवस्था सुधारने के लिए है या केवल महज औपचारिकता निभाने के लिए? जिले में बरसों से बिना परमिट या शर्तों का उल्लंघन कर बसें दौड़ रही हैं। जुर्माना जमा हुआ, फाइल बंद हुई और वाहन फिर सडक़ पर। यदि यही सिलसिला चलता रहा, तो नियम तोडऩे वालों में कानून का खौफ कैसे रहेगा?

प्रतिबंध के बावजूद चौपहिया वाहनों से अवैध शिफ्टिंग..

प्रतिस्पर्धा की इस अंधी दौड़ में सबसे बड़ा दांव यात्रियों की जान पर लगाया जा रहा है। स्लीपर बसों में क्षमता से दोगुनी तीगुनी सवारियां भूसे की तरह भरी जा रही हैं। सालेटेकरी से लांजी तक हैदराबाद रूट की बसों के संचालन पर रोक है। इसके बावजूद, यात्रियों को चौपहिया वाहनों में ठूंस-ठूंस कर मुख्य बसों तक लाने-ले जाने का खेल खुलेआम जारी है। यह न सिर्फ मोटरयान अधिनियम का उल्लंघन है, बल्कि किसी बड़े हादसे को खुला आमंत्रण भी है। जिले में कई ऐसी बसें चल रही हैं, जो यात्रियों को उनके गंतव्य तक ले जाने के बजाय बीच रास्ते में ही उतार देती हैं। इसके बाद यात्रियों को भटकना पड़ता है और दूसरी बसों के लिए अतिरिक्त किराया देना पड़ता है।

अजीबो–गरीब गणित : 800 किमी का किराया 500 रूपये..

इस समय सबसे ज्यादा चर्चा में लांजी-हैदराबाद मार्ग है। इस रूट पर वर्तमान में दर्जनभर से अधिक स्लीपर बसें बिना किसी डर के दौड़ रही हैं। यात्रियों को फंसाने की होड़ इस कदर है कि लगभग 800 किलोमीटर की लंबी यात्रा के लिए मात्र 500 रुपये तक किराया लिया जा रहा है। दूसरी ओर, बालाघाट से गोंदिया की महज 45 किलोमीटर की दूरी के लिए 85 से 90 रुपये और बालाघाट से लांजी की लगभग 60 किलोमीटर की दूरी के लिए भी करीब 90 रुपये किराया निर्धारित है। किराए का यह असामान्य अंतर इस मार्ग पर चल रही अवैध प्रतिस्पर्धा और 'प्राइवेट सिंडिकेट' की कहानी खुद बयां कर रहा है।

नपा का जल गंगा संवर्धन अभियान संपन्न वृक्षारोपण के साथ बताया जल का महत्व..

जगप्रेरणा लांजी।

नगर परिषद लांजी में शासन के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अन्तर्गत 30 जून तक अनेको कार्य किये गये तथा 30 जून को नगर के धार्मिक आस्था केन्द्र गणेश सरोवर की साफसफाई आस पास पौधारोपण के

साथ उक्त अभियान का समारोह पूर्वक समापन किया गया जिसमें बतौर मुख्य अतिथि विधायक राजकुमार कर्राहे, सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। नगर परिषद लांजी में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न कार्य जैसे रैन वाटर हार्वेस्टिंग, तालाबों/ बावडी/ कुंओं का गहरीकरण/ सौंदर्यिकरण, हेण्ड पम्प सुधार कार्य, काशी नाली व नालियों की सफाई एवं एनसीसी के बच्चों के द्वारा पौधा रोपण कार्य किये गये।

साथ ही इस अभियान से जुडने एवं उत्कृष्ट कार्य करने वालें नागरिक, जनप्रतिनिधिगण, सफाई कर्मियों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गए, साथ ही कार्यालय समिप स्थित गणेशी तालाब पाल पर पौधा रोपण भी किया गया।

उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय राजकुमार कर्राहे विधायक लांजी/ किरनापुर, श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले अध्यक्ष नगर परिषद, उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर, सभापतिगण दिनेश कचवाहे, किशोर रामटेक्कर, श्रीमती शीखा गोस्वामी, श्रीमती कस्तुरा वाकेडे एवं पार्षदगण सौरभ(मोनू) पशीने, श्रीमती तेजेश्वरी गोदुले, मुकेश रणदिवें, मनोनित पार्षद आलोक चौरसिया, अविनाश रैच, श्रीमती सुशीला दुग्गड, श्रीमती प्रगृति पालीवाल, विधायक प्रतिनिधि कैलाश गोस्वामी, सामाजिक कार्यकर्ता देवेश एडे, श्रीमती वीणा उपराडे, श्रीमती श्यामा मुरकुटे, विजय कुशले, संतोष दुरूगकर तथा डॉ. अक्षय उपराडे खण्ड चिकित्सा अधिकारी लांजी, संपूर्ण आयोजन मुख्य नगर पालिका अधिकारी मयूर वाहने के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में आयोजित किया गया। जिसमें परिषद के उपयंत्री, समस्त शाखा प्रभारी एवं कार्यालयीन अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थित रही।

सहायक सेनानी अखिलेश गौर के स्थानांतरण पर हुआ सुंदरकांड का पाठ

महाप्रसाद वितरण में पाई भक्तों ने प्रसाद..

जगप्रेरणा लांजी।

पुराना पुलिस थाना परिसर लांजी में स्थित श्री हनुमान मंदिर में 30 को एसटीजी 24 हॉक फोर्स में पदस्थ सहायक सेनानी

अखिलेश गौर और उनकी टीम के द्वारा मंदिर परिसर में संगीतमय सुन्दर काण्ड का आयोजन किया गया। बतादे कि सहायक सेनानी अखिलेश गौर का स्थानानंतरण सीएसपी कोतवाली जबलपुर हो चुका है। जिसके चलते श्री गौर एवं उनकी पूरी टीम के द्वारा श्री हनुमान जी की कृपा से सुन्दर काण्ड का आयोजन किया गया। श्री हनुमान जी महाराज की विधि विधान से पूजा अर्चना आरती की जाकर सुन्दर काण्ड पाठ किया गया। तथा मंदिर में 15 किलो घंटा विधि पूर्वक पूजन अर्चन कर अर्पित किया गया।

अंत में हॉकफोर्स के द्वारा महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस दौरान पुलिस थाना लांजी के सभी अधिकारी कर्मचारी, एसटीजी 24 हॉक फोर्स के सभी अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

महावीर इंटरनेशनल के मासिक नेत्र जांच शिविर संपन्न..

जगप्रेरणा लांजी।

महावीर इंटरनेशनल लांजी जिला बालाघाट (रीजन-9) द्वारा 26 जून से 30 जून 2026 तक क्षेत्र में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविरों का आयोजन किया गया।

शिविर के माध्यम से बड़ी संख्या में ग्रामीणों को स्वास्थ्य परीक्षण, नेत्र जांच एवं आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श प्रदान कर सेवा कार्य किया गया। संस्था द्वारा लांजी, भानेगांव, कुम्हारीकला, बोलेगांव, घोटी, बहेला, साडरा, कांद्रीकला, रिसेवाड़ा एवं कारंजा सहित विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित किए गए। शिविर में लोगों की स्वास्थ्य जांच के साथ उन्हें रोगों की रोकथाम, उपचार एवं बेहतर स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। शिविर का संचालन प्रशिक्षित चिकित्सक डॉ. कर्मवीर सिंह के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान सहयोगी अरशद खान एवं इंद्रकुमार राजा भुते ने भी सेवाएं प्रदान कीं। जांच के दौरान चयनित मरीजों को आगे के उपचार एवं स्वास्थ्य लाभ के लिए आवश्यक मार्गदर्शन तथा पूर्ण सहयोग उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया। महावीर इंटरनेशनल लांजी के पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना तथा जरूरतमंद लोगों तक निःशुल्क चिकित्सा सुविधा पहुंचाना है। संस्था भविष्य में भी इसी प्रकार के जनसेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी।

बोर्ड परीक्षा की प्रावीण्य सूची में चमके सितारों का एकलव्य स्पोर्ट्स अकादमी करेगी सम्मान..

जग प्रेरणा केवलारी (सिवनी)।

खेल जगत में उपलब्धियां हासिल कर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एकलव्य स्पोर्ट्स अकादमी केवलारी एक सराहनीय पहल करने जा रही है।

अकादमी द्वारा 'मेधावी छात्र सम्मान समारोह-2026' का आयोजन 2 जुलाई दिन गुरुवार को दोपहर 2 बजे एकलव्य भवन, केवलारी में करने जा रहा है। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल की कक्षा 10वीं एवं 12वीं की वार्षिक परीक्षा-2026 की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा।

केवलारी विकासखंड के 38 होनहार होंगे सम्मानित..

समारोह में कक्षा 10वीं के 18 एवं कक्षा 12वीं के 20 मेधावी विद्यार्थियों, कुल 38 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा। ये सभी प्रतिभाशाली विद्यार्थी केवलारी विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों से हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान बनाकर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है।

मेहनत और प्रतिभा का होगा सम्मान..

आयोजन का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों को सम्मानित करना ही नहीं, बल्कि अन्य छात्र-छात्राओं को भी शिक्षा के प्रति प्रेरित करना है। समारोह में मेधावियों की उपलब्धियों को मंच से साझा किया जाएगा, जिससे आने वाली पीढ़ी को आगे बढ़ने और बड़े लक्ष्य हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी।

शिक्षा के क्षेत्र में नई प्रेरणा बनेगा आयोजन..

एकलव्य स्पोर्ट्स अकादमी केवलारी लंबे समय से खेल के क्षेत्र में युवाओं को प्रोत्साहित करने का कार्य कर रही है। यह सम्मान समारोह विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचान देने के साथ-साथ शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

अभिभावकों और शिक्षकों में उत्साह..

कार्यक्रम को लेकर विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों की इस उपलब्धि को पूरे विकासखंड की उपलब्धि माना जा रहा है। क्षेत्र के लोगों का मानना है कि ऐसे आयोजन बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते हैं।

सभी नागरिकों से उपस्थिति की अपील..

एकलव्य स्पोर्ट्स अकादमी केवलारी ने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं गणमान्य नागरिकों से समारोह में उपस्थित होकर मेधावी विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है। आयोजन समिति ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल सम्मान समारोह नहीं, बल्कि केवलारी के उज्जवल भविष्य का उत्सव है, जहां प्रतिभा, परिश्रम और सफलता का अभिनंदन किया जाएगा।

दैनिक जगप्रेरणा में समाचार एवं विज्ञापनों के लिये संपर्क करे. मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

विज्ञापन आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

ऐतिहासिक बावड़ी में हुआ जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन, जल संरक्षण का दिया संदेश

बावड़ी की सफाई कर अतिथियों ने किया श्रमदान, जल स्रोतों के संरक्षण का लिया संकल्प

जगप्रेरणा बालाघाट।

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बालाघाट विकासखंड की ग्राम पंचायत हट्टा में मंगलवार को समापन कार्यक्रम उत्साह एवं जनभागीदारी के साथ आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन हट्टा स्थित गोंडवाना साम्राज्य के राजाओं द्वारा निर्मित ऐतिहासिक बावड़ी परिसर में किया गया, जहां जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं ग्रामीणों ने जल संरक्षण का संदेश देते हुए पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत बालाघाट के अध्यक्ष फूलचंद सहारे, तहसीलदार श्रीमती मंजूला महोबिया, जनपद पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री ममता कुलस्ते, ग्राम पंचायत हट्टा के सरपंच, पंच-प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा कन्या पूजन के साथ किया गया। इसके पश्चात सभी ने ऐतिहासिक बावड़ी की साफ-सफाई कर श्रमदान किया और लोगों को जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण के प्रति जागरूक किया। अतिथियों ने कहा कि बावडियां, कुएं और तालाब हमारी सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहर हैं, जिनका संरक्षण करना वर्तमान समय की आवश्यकता है।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि जल ही जीवन का आधार है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों का संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। जल गंगा संवर्धन अभियान का उद्देश्य केवल जल स्रोतों का संरक्षण करना ही नहीं, बल्कि समाज में जल के प्रति संवेदनशीलता और जनभागीदारी को बढ़ावा देना भी है। उन्होंने कहा कि वर्षा जल का अधिकतम संचयन, पुराने जल स्रोतों का पुनर्जीवन तथा जल के विवेकपूर्ण उपयोग से ही आने वाले समय में जल संकट से बचा जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों ने जल संरक्षण की शपथ लेते हुए अपने गांव के कुओं, बावडियों, तालाबों और अन्य पारंपरिक जल स्रोतों की नियमित साफ-सफाई एवं संरक्षण में सक्रिय सहयोग देने का संकल्प लिया। आयोजन के माध्यम से जल संरक्षण एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

आंगनवाडी कार्यकर्ता के 24 एवं सहायिका के 51, कुल 75 पदों पर आवेदन आमंत्रित

1 जुलाई से 13 जुलाई तक किये जाएंगे ऑनलाइन आवेदन, एम.पी. ऑनलाइन चयन पोर्टल के माध्यम से होगी प्रक्रिया

जगप्रेरणा बालाघाट।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी सहायिका के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विभाग ने पात्र एवं इच्छुक महिला अभ्यर्थियों से एम.पी. ऑनलाइन के 'चयन पोर्टल' के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री देवेंद्र सुंद्रीयाल ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 1 जुलाई 2026 से प्रारंभ होगी। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 13 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है, जबकि आवेदन पत्र में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर उसका सुधार 15 जुलाई 2026 तक किया जा सकेगा। भर्ती के लिए आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक महिला अभ्यर्थी द्धह्लह्लश्चह्य://ष्द्धड्ड4ड्ढ.द्बश्चशठ्ठ-द्यद्बठ्ठद्.द्द1.द्बठ्ठ पोर्टल के माध्यम से स्वयं अथवा किसी भी अधिकृत एम.पी. ऑनलाइन कियोस्क पर जाकर आवेदन प्रस्तुत कर सकती हैं। आवेदन के लिए 100 रुपये शुल्क तथा नियमानुसार लागू जीएसटी का भुगतान करना होगा।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि भर्ती से संबंधित पात्रता, रिक्त पदों का विवरण, चयन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, नियम एवं अन्य दिशा-निर्देश चयन पोर्टल और महिला एवं बाल विकास विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। अभ्यर्थियों को आवेदन करने से पहले सभी दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करने की सलाह दी गई है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने जिले की पात्र एवं इच्छुक महिलाओं से निर्धारित समय-सीमा के भीतर ऑनलाइन आवेदन करने की अपील की है, ताकि वे इस भर्ती प्रक्रिया का लाभ प्राप्त कर सकें।

परियोजनावार पदों का विवरण

श्री सुंद्रीयाल ने बताया कि विभाग द्वारा आंगनवाडी कार्यकर्ता के 24 एवं आंगनवाडी सहायिका के 51 पदों पर आवेदन आमंत्रित किये गए है, इस तरह कुल 75 पदों पर ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गए है। इसमें बैहर परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 02 एवं सहायिका के 02, बिरसा परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 06 एवं सहायिका के 06, परसवाडा परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 04 एवं सहायिका के 04, बालाघाट ग्रामीण परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 01 एवं सहायिका के 04, किरनापुर परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 02 एवं सहायिका के 11, लांजी परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 02 एवं सहायिका के 05, वारासिवनी परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 02 एवं सहायिका के 07, लालबर्रा परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 03 एवं सहायिका के 04, कटंगी परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 01 एवं सहायिका के 04, खैरलांजी परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 01 एवं सहायिका के 02 तथा बालाघाट शहरी परियोजना में आंगनवाडी कार्यकर्ता के 00 एवं सहायिका के 02 पदों पर ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गए है।

जागरूक महिला किसान ने सुपर सीडर से 5 एकड़ में की डीएसआर पद्धति से धान की बुवाई

आधुनिक खेती अपनाकर किसानों के लिए बनीं प्रेरणा, कम लागत और पानी की बचत पर जोर

जगप्रेरणा परसवाड़ा।

कृषि विभाग द्वारा प्रत्यक्ष बुवाई (डीएसआर) पद्धति को बढ़ावा देने के प्रयासों के बीच विकासखंड परसवाड़ा के ग्राम कलेगांव की प्रगतिशील महिला कृषक श्रीमती भिमेश्वरी हनवत ने आधुनिक कृषि तकनीक अपनाते

हुए सुपर सीडर मशीन से 5 एकड़ क्षेत्र में धान की बुवाई कर क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है।

सुपर सीडर के माध्यम से डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) पद्धति से की गई बुवाई से धान की खेती में श्रम और लागत दोनों में कमी आती है। साथ ही कम पानी में भी बेहतर उत्पादन प्राप्त करने की संभावना रहती है। यह तकनीक समय की बचत करने के साथ-साथ खेत की उर्वरता बनाए रखने और कृषि को अधिक लाभकारी बनाने में भी सहायक मानी जा रही है।

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार डीएसआर पद्धति वर्तमान समय में धान उत्पादन की एक प्रभावी और वैज्ञानिक तकनीक है। इसमें पौध तैयार कर रोपाई करने की आवश्यकता नहीं होती, जिससे मजदूरों पर निर्भरता कम होती है और समय पर बुवाई संभव हो पाती है। साथ ही जल संरक्षण, ईंधन की बचत तथा उत्पादन लागत में कमी आने से किसानों की आय बढ़ाने में भी यह पद्धति उपयोगी सिद्ध हो रही है।

श्रीमती भिमेश्वरी हनवत ने बताया कि आधुनिक तकनीकों को अपनाने से खेती अधिक सरल, किफायती और लाभदायक बन रही है। उन्होंने अन्य किसानों से भी अपील की कि वे कृषि विभाग के मार्गदर्शन में सुपर सीडर एवं डीएसआर जैसी उन्नत तकनीकों को अपनाकर कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करें।

कृषि विभाग भी जिले में डीएसआर पद्धति के विस्तार के लिए किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन, प्रशिक्षण तथा आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग के लिए लगातार प्रेरित कर रहा है, जिससे जल संरक्षण के साथ कृषि को अधिक टिकाऊ और लाभकारी बनाया जा सके।

खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को आधुनिक एवं प्राकृतिक खेती की दी गई जानकारी

डीएसआर पद्धति, संतुलित उर्वरक उपयोग और हरी खाद के महत्व पर किया गया जागरूक

जगप्रेरणा बालाघाट।

किसानों को टिकाऊ एवं लाभकारी खेती के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा संचालित 'खेत बचाओ अभियान' के अंतर्गत 30 जून मंगलवार को खैरलांजी विकासखंड के ग्राम सतोना में कृषक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों के साथ-साथ प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि अभियान के दौरान किसानों को धान की प्रत्यक्ष बुवाई (डीएसआर) पद्धति के लाभ एवं इसकी वैज्ञानिक विधि की विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि डीएसआर तकनीक अपनाने से श्रम एवं सिंचाई की आवश्यकता कम होती है, उत्पादन लागत घटती है तथा समय की बचत के साथ बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यक्रम में किसानों को फसलों में उर्वरकों के संतुलित एवं आवश्यकता आधारित उपयोग के बारे में भी बताया गया। कृषि विशेषज्ञों ने कहा कि संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करने से मिट्टी की उर्वराशक्ति बनी रहती है और फसल की गुणवत्ता एवं उत्पादन में वृद्धि होती है।

इसके अलावा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देते हुए रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के सीमित उपयोग तथा जैविक एवं प्राकृतिक विकल्प अपनाने पर जोर दिया गया। किसानों को हरी खाद के लाभ बताते हुए कहा गया कि ढैंचा जैसी हरी खाद वाली फसलों का उपयोग मिट्टी में जैविक कार्बन और नत्रजन की मात्रा बढ़ाता है, जिससे भूमि की संरचना में सुधार होता है और फसल उत्पादन क्षमता बढ़ती है।

प्रशिक्षण के दौरान किसानों को धान एवं अरहर के बीजों के सुरक्षित भंडारण की वैज्ञानिक तकनीकों की भी जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि उचित भंडारण से बीजों की गुणवत्ता एवं अंकुरण क्षमता लंबे समय तक बनी रहती है, जिससे आगामी फसलों में बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं।

कृषि विभाग ने किसानों से आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को अपनाने के साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देने की अपील की। कार्यक्रम में किसानों ने विभिन्न कृषि विषयों पर विशेषज्ञों से संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया।

7 दिवसीय सिविल डिफेंस कार्यशाला का हुआ समापन

जगप्रेरणा बालाघाट।

डायरेक्टर जनरल होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन, भोपाल (म.प्र.) के निर्देशानुसार होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा एवं एसडीईआरएफ बालाघाट द्वारा 24 जून से 30 जून 2026 तक आयोजित सात दिवसीय नागरिक सुरक्षा (सिविल डिफेंस) कार्यशाला का समापन मंगलवार को जिला कमांडेंट होमगार्ड/एसडीईआरएफ बालाघाट श्री ललित कुमार उद्दे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि डिप्टी कलेक्टर श्री प्रदीप कुमार कौरव ने अपने संबोधन में कहा कि आपदा एवं आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि वे प्राप्त प्रशिक्षण का उपयोग समाज एवं राष्ट्रहित में करते हुए जनसेवा के कार्यों में सक्रिय योगदान दें। कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को नागरिक सुरक्षा की भूमिका, आपदा प्रबंधन, प्राथमिक उपचार, खोज एवं बचाव (सर्च एंड रेस्क्यू), राहत कार्य तथा आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी कार्रवाई से संबंधित विषयों का सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

जिला कमांडेंट श्री ललित कुमार उद्दे ने प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर शुभकामनाएं देते हुए भविष्य में आपदा प्रबंधन एवं जनसेवा के कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यशाला में श्री श्याम सिंह धुर्वे (प्लाटून कमांडर, होमगार्ड/एसडीईआरएफ) सहित एसडीईआरएफ के करण सिंह वल्के, विशाल रजक, कमलेश मेरावी, विशेष कुतराहे, राजेश धुर्वे, आशीष खरोले तथा महिला सैनिक वर्षा तेकाम सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

वन पट्टाधारी किसानों को निःशुल्क अरहर बीज मिनीकिट वितरित..

दलहन उत्पादन बढ़ाने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में पहल

जगप्रेरणा बालाघाट।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएसएम) के अंतर्गत जिले में दलहन उत्पादन को बढ़ावा देने तथा वनांचल क्षेत्रों के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से वन पट्टाधारी किसानों को निःशुल्क अरहर बीज मिनीकिट का वितरण किया जा रहा है।

इसी क्रम में मंगलवार को विकासखंड परसवाड़ा के वनांचल क्षेत्र के नवीन वन पट्टाधारी किसानों को अरहर बीज की मिनीकिट प्रदान की गई। उप संचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने बताया कि एनएफएसएम योजना के तहत वनग्राम जामुनझीरिया के कृषक संतोष मेरावी (पिता बुधसिंह मेरावी), वनग्राम टाटीघाट के कृषक कोमल उइके (पिता महिपाल उइके) तथा रामसिंह उइके (पिता महासिंह उइके) को निःशुल्क अरहर बीज मिनीकिट वितरित किए गए। उन्होंने बताया कि योजना का उद्देश्य वन पट्टाधारी किसानों को दलहन फसलों की खेती के लिए प्रोत्साहित करना, कृषि उत्पादन में विविधता लाना तथा उनकी आय में वृद्धि करना है। अरहर जैसी दलहनी फसलें न केवल किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ प्रदान करती हैं, बल्कि मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम होती है और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा मिलता है।

उप संचालक कृषि ने किसानों से अपील की कि वे वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों को अपनाते हुए अरहर की उन्नत किस्मों की खेती करें, ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। उन्होंने बताया कि कृषि विभाग किसानों को समय-समय पर तकनीकी मार्गदर्शन एवं आवश्यक कृषि आदानों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर रहा है। किसानों ने कृषि विभाग द्वारा निःशुल्क बीज उपलब्ध कराने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस पहल से दलहन उत्पादन बढ़ाने के साथ उनकी आय में भी वृद्धि होगी तथा वे आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे।

मान्यता ऑटो पार्ट्स

सभी प्रकार की टू-व्हीलर गाड़ियों के स्पेयर पार्ट्स मिलते हैं एवं गाड़ियाँ सुधारी जाती है।
Hero BAJAJ HONDA TVS
मनीष वर्मा
मो. 9425448126
वार्ड नं. 17, महाराणा प्रताप चौक, शाह कॉम्पलेक्स, बालाघाट (म.प्र.)

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट, गोंदिया एवं सिवनी में एक साथ प्रसारित दैनिक 'जगप्रेरणा' अब व्हाट्स अप पर भी उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचाने के लिये जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को अपने किसी भी ग्रुप में जोड़ें और स्वयं और अन्य लोगों को भी ताजा एवं महत्वपूर्ण खबरों से जोड़ें।

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

जग प्रेरणा ग्रामीण गोंदिया भंडारा
● तिरोड़ा ● गोरेगांव ● आमगांव ● सालेकसा ● देवरी ● मोरगांव अर्जुनी ● तुमसर ● साकोली ● लाखांदूर

विज्ञापन
आमंत्रित है..
संपर्क - मो. 9329033433

'सेवा ही संगठन' के संकल्प के साथ भाजयुमो का आमगांव में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर..

सैकड़ों नागरिकों ने स्वास्थ्य जांच, दवा एवं स्वास्थ्य योजनाओं का लिया लाभ..

जगप्रेरणा आमगांव।

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) आमगांव शहर द्वारा भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं भाजपा के पितृपुरुष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के

अवसर पर 28 जून को आमगांव के पदमपुर क्षेत्र में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सैकड़ों नागरिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण, निःशुल्क दवा वितरण एवं विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर में उपस्थित नागरिकों को स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ आयुष्मान कार्ड एवं महात्मा फुले जनआरोग्य योजना से संबंधित सेवाओं का भी लाभ प्रदान किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम पूरे समय उपस्थित रही और नागरिकों को आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर विधायक संजय पुराम, भाजयुमो जिलाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक केशवराव मानकर, भेरसिंगभाऊ नागपुरे, पूर्व जिप अध्यक्ष विजयभाऊ शिवणकर, संपर्क प्रमुख वीरेंद्र अंजनकर, पूर्व जिलाध्यक्ष अँड. येशुलालजी उपराडे, जिला महामंत्री नरेंद्रजी बाजपेयी, आमगांव भाजपा शहराध्यक्ष मनोज सोमवंशी, संदिप थानथराटे -सौ. सुषमा भुजाड़े-अध्यक्ष महिला मोर्चा, आमगांव शहर, सौ सुनंदा उके- अध्यक्ष महिला मोर्चा, आमगांव तालुका, राजेश मानकर, प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सकीय सेवाएं प्रदान करने हेतु डॉ. अनुराग बाहेकर, डॉ. गार्गी बाहेकर, डॉ. अक्षत अग्रवाल, डॉ. सतीश बंसोडे, डॉ. शिवानी फुले, डॉ. युवराज दसरीया, डॉ. शिमेश्वरी मेश्राम एवं डॉ. गौरव पटले ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से सभी डॉक्टरों, सहयोगी संस्थाओं, कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा 'सेवा ही संगठन' के संकल्प के साथ समाजहित एवं जनसेवा के कार्यों में निरंतर सक्रिय है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने का प्रयास लगातार किया जा रहा है। आयुष्मान भारत एवं महात्मा फुले जनआरोग्य जैसी योजनाएं आम लोगों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का महत्वपूर्ण माध्यम बनी हैं। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान समय में ऐसे स्वास्थ्य जांच शिविरों की आवश्यकता बढ़ी है तथा भविष्य में भी अधिक से अधिक स्थानों पर इस प्रकार के जनसेवा कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भाजयुमो प्रयासरत रहेगा।

इन सेवाओं का लाभ उठाया नागरिकों ने..

स्वास्थ्य जांच शिविर में, ई.सी.जी., शुगर जांच, ब्लड प्रेशर, लिपिड प्रोफाइल, यूरिक एसिड, थायरॉइड जांच, बोन डेंसिटी, मुफ्त औषधि वितरण एवं आयुष्मान व महात्मा फुले कार्ड का लाभ प्रदान किया गया।

जी. एच. रैसोनी मेमोरियल गोंदिया जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप-2026 के सेमीफाइनल मुकाबले संपन्न..

जगप्रेरणा सालेकसा।

रैसोनी फाउंडेशन द्वारा प्रस्तुत एवं गोंदिया जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित जी. एच. रैसोनी मेमोरियल गोंदिया

जिला बैडमिंटन चैंपियनशिप-2026 का आयोजन जिला क्रीड़ा संकुल, गोंदिया में उत्साहपूर्ण वातावरण में जारी है। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में गोंदिया नगर परिषद के अध्यक्ष श्री सचिन शेंडे उपस्थित रहे। इस अवसर पर इंजीनियर तेजेंद्र रामटेके (आमगांव), काशिफ अहमद (जिला युवा कांग्रेस, गोंदिया), श्री राजकुमार कुठे (अध्यक्ष, गोंदिया जिला बैडमिंटन एसोसिएशन), डॉ. राणा (गोंदिया), शैलेन्द्र फुंडे, कार्तिक पटेल तथा भवर डोये प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में प्रो. सौरभ चेतुले (एन.एम.डी.) ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'बैडमिंटन केवल एक खेल नहीं, बल्कि शारीरिक फिटनेस, मानसिक संतुलन और अनुशासन का उत्कृष्ट माध्यम है। नियमित खेल से शरीर स्वस्थ, मन प्रसन्न और व्यक्तित्व सशक्त बनता है।' प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबलों में खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

सेमीफाइनल के परिणाम इस प्रकार रहे:

अंडर-11 बालक एकलः भव्य इसरका बनाम अर्शिता भगत। अंडर-11 बालिका एकलः ग्रेस पुलकांति बनाम सान्ज सिंगनजुडे। अंडर-13 बालक एकलः शर्वा शिंदे बनाम दर्श जैन। अंडर-15 बालक एकलः तनिष्क सिंघानिया बनाम अथर्व गोस्वामी। अंडर-15 बालिका एकलः लबोनी शेंडे बनाम संदीपता सारंगी। अंडर-17 बालक एकलः देवांश शेंडे बनाम कनिष्क वासनिक। अंडर-17 बालिका एकलः लबोनी शेंडे बनाम रिया कनोजिया। अंडर-19 बालक एकलः सिद्धार्थ पवार बनाम देवांश शेंडे। अंडर-19 बालिका एकलः रिया कनोजिया बनाम चार्वी राठौड़। अंडर-19 बालक युगलः पार्थ यादव एवं भूपेश हट्टीमारे बनाम सोम मोघे एवं तनिष्क सिंघानिया। ओपन पुरुष एकलः सिद्धार्थ पवार बनाम आर्यन कुंभलकर। ओपन महिला एकलः लबोनी शेंडे बनाम रिया कनोजिया। ओपन पुरुष युगलः सोम मोघे एवं शौर्य मोघे बनाम रोहित कपागते एवं प्रशांत लाडे (अर्जुनी मोरगांव)।

प्रतियोगिता का संचालन गोंदिया जिला बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा किया जा रहा है। प्रतियोगिता के सफल संचालन में मुख्य रेफरी मुकुल अग्रवाल के साथ किशोर राठौड़, विशाल ठाकुर, प्रो. सौरभ चेतुले एवं पुरुषोत्तम घाटोले निर्णायक की भूमिका निभा रहे हैं।

प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने भाग लिया है। सभी मुकाबले उच्च स्तर के रहे और खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय दिया। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबलों को लेकर खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। आयोजकों ने सभी खेल प्रेमियों से फाइनल मुकाबलों में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

नव विद्यार्थियों के उत्साहपूर्ण स्वागत के साथ नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ..

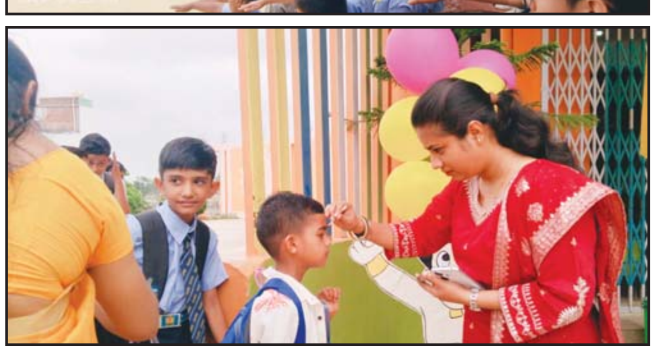

जगप्रेरणा आमगांव।

श्री स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल, रीसामा में नये शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में किया गया।

इस अवसर पर प्ले ग्रुप से कक्षा 10वीं तक के नवप्रवेशित विद्यार्थियों का विद्यालय परिवार द्वारा पारंपरिक भारतीय संस्कृति के अनुसार तिलक लगाकर एवं आत्मीय स्वागत के साथ अभिनंदन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यालय के शिक्षकों द्वारा स्वागत गीत, आकर्षक नाट्य प्रस्तुति तथा मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर विद्यार्थियों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। विद्यालय में अपने पहले दिन बच्चों के चेहरों पर दिखाई देने वाला उत्साह, उमंग और खुशी सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रहा।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों एवं विद्यालय परिवार से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा यह संकल्प लिया कि वे मन लगाकर अध्ययन करेंगे, अनुशासन का पालन करेंगे तथा अपने गुरुजनों एवं सभी बड़ों का सदैव आदर एवं सम्मान करेंगे।

विद्यालय की माननीय मुख्याध्यापिका श्रीमती स्मृति छपरिया ने सभी विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ दीं। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में शिक्षा, संस्कार, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों का महत्व बताते हुए निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक मंडल के सदस्य डॉ. विकास जैन, डॉ. लता जैन, डॉ. जितेंद्र वालके, डॉ. ललित कलंत्री, डॉ. भाग्यश्री वालके, श्री राजेश गोयल एवं श्री लीलाधर कलंत्री विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का प्रभावी एवं आकर्षक संचालन विद्यालय की शिक्षिकाएँ श्वेता असाटी एवं सोनम सिंह ने किया।

पूरा विद्यालय परिसर नए विद्यार्थियों की मुस्कान, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा से सराबोर रहा। यह स्वागत समारोह विद्यार्थियों के लिए यादगार बन गया तथा उनके नए शैक्षणिक जीवन की एक प्रेरणादायी शुरुआत सिद्ध हुआ।

आमगांव उपविभागीय की बागडौर महिला पुलिस अधिकारी के हाथ मे..

नंदनी चानपुरकर ने संभाला आमगांव उपविभागीय पुलिस अधिकारी का कामकाज

जगप्रेरणा आमगांव।

गोंदिया मे कार्यरत वरीष्ठ पुलिस निरक्षक एवं गोंदिया की प्रभारी पुलिस उप अधीक्षक नंदिनी चांदपुरकर की पदोन्नति के बाद उनको

आमगांव उपविभागीय पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है आमगांव पुलिस उपविभाग के तहत आमगांव सालेकसा एवं गोरेगांव पोलिस की कानुन एवं सुव्यवस्था की जिम्मेदारी अब महिला पोलिस अधिकारी नंदिनी चानपुरकर पर होगी आमगांव के उपविभागीय पुलिस अधिकारी मडामे के तबादले के बाद रिक्त हुई जगह पर महिला उपविभागीय अधिकारी नंदिनी चानपुरकर ने कामकाज संभाला है गोंदिया मे वरिष्ठ पुलिस निरक्षक के रुप में एवं प्रभारी पुलिस उप अधीक्षक के रुप में उनका कार्यकाल सराहणीय रहा है इस लिहाज से आमगांव उपविभाग मे उनसे अच्छे कार्य की उम्मीद जताई जा रही है।

गोंदिया पुलिस डायरी..

संजीव बापट, शहर प्रतिनिधि मो. 9922607145

घर के सामने से मोटरसायकल चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के अर्जुनी मोर पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 28/6/2026 के रात बाराभाटी मे फर्यादी रत्नदीप निलकंठ कानेकर उम्र 42 वर्ष निवासी बारभाटी ने अपने घर के सामने अपनी मोटरसायकल क्रमांक एम एच 35 ए एम 3824 किमत 15 हजार रुपये की रखी थी। रात के समय अज्ञात चोर ने चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे अर्जुनी मोर मे अपराध क्रमांक 272/2026 धारा 303,2, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा बंजार 1793 पोस्टे अर्जुनी मोर कर रहे है।

गोंदिया शहर के 3 मकान मे चोरी मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के शहर पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 26/6/2026 से 28/6/ 2026 के दरम्यान शास्त्री वार्ड गोंदिया मे अज्ञात चोर ने फर्यादी रियाजुल कबीर सिद्धीकी उम्र 70 वर्ष निवासी शास्त्री वार्ड गोंदिया घटना तारीख के दरम्यान मकान का ताला तोड़कर मकान मे प्रवेश कर चांदी के गहने सऊदी अरब करन्सी और नगदी 5 हजार कुल 31,500 रुपये, मोहल्ले मे रहनेवाले सुनिल मेहर के मकान से चांदी के गहने और नगदी 5 हजार कुल 11 हजार रुपये, पीछे गल्ली मे रहने वाले मनोज लांजेवार के घर से चांदी के गहने और नगदी 2 हजार कुल 7800 रुपये का माल कुल तीनो घर से 50,300 रुपये का माल चोरी होने से दिये शिकायत पर पोस्टे गोंदिया शहर मे अपराध क्रमांक 466/2026 धारा 305,331,2,331,4, बी एन एस 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोहवा दिपक राहांगडाले 318 पोस्टे गोंदिया शहर कर रहे है।

मेरे पैसे अभी वापस दे बोलकर की मारपीट मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के गोरेगाव पुलिस थाना अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 28/6/2026 के शाम 7 बजे के दरम्यान मेंगाटोला मे फर्यादी अपने घर पर भोजन कर रहा था। वहा आरोपीने आकर कहा मेरे 2 हजार रुपये वापस दे, बोलकर मारपीट की दूसरे दिन फर्यादी मजदुरी के काम पर गये थे। वहा पर आरोपी ने कहा मेरे पैसे दे फर्यादी ने कहा 2 दिन रुक जा मै पैसे देता हु, तो आरोपी ने लोहे के कवचे से मारकर जख्मी करने से फर्यादी की शिकायत और डाक्टर की रिपोर्ट पर पोस्टे गोरेगाव मे अपराध क्रमांक 442/2026 धारा 118,1, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जाच पोहवा देवेन्द्र काटेंगे 1022 पोस्टे गोरेगांव कर रहे है।

सरकारी क्वार्टर से अज्ञात चोर ने उड़ाया 2 लाख 40 हजार का माल मामला दर्ज..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया जिले के नवेगावबांध पुलिस थाना अंतर्गत चोरी का मामला दर्ज किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 24/ 6/ 2026 से दिनांक 25/6/2026 के दरम्यान जवाहर नवोदय विद्यालय नवेगावबांध मे फर्यादी भोजलाल रामलाल लिल्हारे उम्र 53 वर्ष निवासी बालाघाट के सरकारी क्वार्टर मे अज्ञात चोर ने ताला तोड़कर प्रवेश किया बेडरूम मे रखे सुटकेस और आलमारी मे रखे गहने और नगदी कुल 2 लाख 40 हजार का माल घटना तारीख के दरम्यान चुराकर ले जाने से दिये शिकायत पर पोस्टे नवेगांवबांध मे अपराध क्रमांक 171/2026 धारा 305,331,4, भान्यास 2023 के तहत अपराध दर्ज कर जॉच पोऊपनी अमोल भोसले पोस्टे नवेगांव बांध कर रहे है।

सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए सुनहरा अवसर, गोंदिया जिले के नागरिक उठाएं लाभ..

पीएमएफएमई योजना के तहत लाखों रुपये तक का अनुदान, जिला कृषि अधीक्षक की अपील..

जगप्रेरणा गोंदिया।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के युवाओं, किसानों और उद्यमियों के लिए स्वरोजगार स्थापित करने का सुनहरा अवसर उपलब्ध हुआ है। केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम (PMFME) योजना के तहत इस वर्ष गोंदिया जिले के लिए 291 लाभार्थियों का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिला कृषि अधीक्षक निलेश कानवडे ने अधिक से अधिक नागरिकों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की है। यह योजना बैंक ऋण से जुड़ी हुई है। इच्छुक लाभार्थियों को आवेदन के लिए पीएमएफएमई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

35 प्रतिशत तक अनुदान, अधिकतम 10 लाख रुपये..

योजना के अंतर्गत व्यक्तिगत एवं समूह आधारित खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जाता है। उद्योग स्थापना के लिए परियोजना लागत का 35 प्रतिशत तक, अधिकतम 10 लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया जाता है। ऋण स्वीकृत होने के बाद लाभार्थियों को प्रशिक्षण की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है। इसके अलावा किसान उत्पादक संगठन (FPO), सहकारी संस्थाएं और स्वयं सहायता समूह (SHG) सामूहिक आधारभूत सुविधाओं के निर्माण के लिए 3 करोड़ रुपये तक का अनुदान प्राप्त कर सकते हैं। वहीं उत्पादों की मार्केटिंग और ब्रांडिंग के लिए 50 प्रतिशत तक वित्तीय सहायता भी दी जाती है।

इन उद्योगों को मिलेगा प्राथमिकता.. योजना के तहत फल, सब्जी, दलहन, तिलहन, खाद्यान्न तथा गुड़ प्रसंस्करण जैसे खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को प्राथमिकता दी गई है।

आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह नि:शुल्क..

आवेदकों की सुविधा के लिए प्रत्येक तहसील में जिला संसाधन व्यक्तियों की नियुक्ति की गई है। आवेदन भरने से लेकर बैंक ऋण स्वीकृति तक पूरी प्रक्रिया में निःशुल्क मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। **कौन कर सकता है आवेदन?** योजना के लिए किसान, युवा, महिला स्वयं सहायता समूह, उद्यमी, संस्थाएं तथा एग्रो कंपनियां आवेदन कर सकती हैं। जिनके पास कृषि भूमि नहीं है, वे भी इस योजना का लाभ लेने के पात्र हैं।

आवश्यक दस्तावेज..

आवेदन के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड, न्यूनतम आठवीं उत्तीर्ण शैक्षणिक प्रमाणपत्र, उद्यम पंजीकरण, एफएसएसएआई (FSSAI) लाइसेंस, मशीनरी का कोटेशन, बिजली बिल सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। जिला कृषि अधीक्षक निलेश कानवडे ने कहा कि पीएमएफएमई योजना रोजगार सृजन और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। स्थानीय स्तर पर उद्योग स्थापित कर आय बढ़ाने का यह बेहतर अवसर है। उन्होंने इच्छुक नागरिकों से जल्द आवेदन करने तथा अधिक जानकारी के लिए संबंधित कृषि कार्यालय से संपर्क करने की अपील की है।

सहकार सप्ताह उत्साहपूर्वक मनाया गया

जगप्रेरणा सालेकसा।

केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय की स्थापना वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पूरे महाराष्ट्र में 29 जून से 6 जुलाई तक 'सहकार सप्ताह' बड़े उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इसी क्रम में 30 जून 2026 को सालेकसा स्थित गढ़माता मंदिर सभागार में सहकार

अधिकारी श्रेणी-1 कार्यालय द्वारा सहकार जागरूकता एवं परिसंवाद शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सहकारिता विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न उपक्रमों एवं अन्य योजनाओं की विस्तृत जानकारी उपस्थित लोगों को दी गई। कार्यक्रम में सहकार अधिकारी श्रेणी-1 सालेकसा श्री अमोल कोळेकर, सहायक सहकार अधिकारी श्री संतोष शेंद्रे, सहायक सहकार अधिकारी श्री अनंता जगताप, सालेकसा आदर्श ग्राम पतसंस्था के अध्यक्ष श्री ब्रजभूषण सिंह बैस, सचिव श्री नूरसिंह हरिणखेडे, श्री भोलाराम टेकाम (अध्यक्ष, गोर्रे), श्री हेमराज ढेकवार, श्री लक्ष्मण लढाई, श्री मेघनाथ येडे, श्री जे. बी. क्षीरसागर, श्री भैय्यालाल लिल्हारे, श्री के. एम. खंडाते, श्री एस. एम. कोसमे, श्री आर. बी. कोकोडे, श्री एस. के. मेश्राम, श्री गौतम, श्री बी. डी. मेश्राम, श्री जी. एम. वलथरे, श्री महेंद्र बहेकार, श्री नंदकिशोर वलथरे सहित सभी सेवा आदिवासी विविध कार्यकारी संस्थाओं के सचिव, पदाधिकारी, समूह सचिव, पतसंस्थाओं के अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य गणमान्य पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

अंकुर टेस्ट ट्यूब बेबी एंड रिसर्च सेंटर
बंधत्व पीड़ितों के लिये एक आशा की किरण
उपलब्ध सुविधाएं..
■ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF ET) ■ इक्सी टेस्ट ट्यूब बेबी (ICSI) ■ (IUI) आय.यू.आय. ■ अधिक उम्र में मातृत्व ■ ओव्हम डोनेशन द्वारा ■ बंद फॉलोपियन ट्यूब खोलना
■ पुरुष बंधत्व निदान व उपचार ■ शुक्राणु बैंक सुविधा ■ सोनोग्राफी ■ हार्मोस की जांच ■ हार्मोस की गड़बड़ी की ईलाज ■ दुरबीन द्वारा ऑपरेशन
डॉ. संजीव चिटणवीस अस्थि रोग विशेषज्ञ
डॉ.सौ.प्रणिता चिटणवीस प्रसुति, स्त्रीरोग व बंधत्व चिकित्सा विशेषज्ञ
एक्सीडेंट हॉस्पीटल व अंकुर क्लिनिक
गणेश नगर, गोंदिया फोन - 07182 - 236692 मो. 9823970754

महावीर डेवलपर्स गोरेगांव
1 महावीर कॉम्पलेक्स
एन.एच.रोड, बस स्टेंड के पास
2. अष्ट विनायक अपार्टमेन्ट
2 बीचके फ्लेट रेडी पजेशन, लिफ्ट, पार्किंग, बैंक लोन सुविधा.. 3) एनए किये हुए प्लॉट उपलब्ध..
संपर्क-नायरा पेट्रोल पंप मो. 9372316555

नागपुर पैटर्न पर गोंदिया में बनेगा चौरास्तों को जोड़ने वाला एलिवेटेड सर्कल फ्लाईओवर ब्रिज..

■ विधायक विनोद अग्रवाल के प्रयासों से 1000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों को मिली मंज़ूरी ■ 450 करोड़ की लागत से फ़्लाईओवर

■ 290 करोड़ की लागत से रावणवाड़ी-कामठा-आमगांव हाईवे को स्वीकृति.. ■ 218 करोड़ रुपये की लागत से जिला जेल निर्माण को मंज़ूरी ■ 116 करोड़ रुपये की लागत से नई आधुनिक आईटीआई इमारत को हरी झंडी..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया शहर को सर्वसुविधायुक्त, आधुनिक और विकसित बनाने के उद्देश्य से विधायक विनोद अग्रवाल लगातार प्रयासरत हैं। इसी क्रम में शासन द्वारा उनकी विभिन्न मांगों पर करीब 1000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों को मंज़ूरी प्रदान की गई है, जिससे जिले को बड़ी विकासात्मक सौगात मिली है।

विधानसभा चुनाव से पूर्व विधायक विनोद अग्रवाल ने बढ़ते शहरी यातायात को नियंत्रित करने व दुर्घटनाओं को रोकने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से बालाघाट टी-पॉइंट से कुड़वा स्थित साई बाबा राइस मिल तक लगभग 3 किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण की मांग की थी। इस मांग पर केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी ने बालाघाट टी-पॉइंट से कुड़वा तक प्रस्तावित लगभग 3 किलोमीटर लंबे (अनुमानित लागत 450 करोड़) फ्लाईओवर ब्रिज निर्माण कार्य को भी मंज़ूरी प्रदान कर दी गई है। वर्तमान में इस परियोजना का डीपीआर (विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन) तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही पिछले 4 वर्षो से रावणवाड़ीङ्ककामठाङ्कआमगांव मार्ग को हाईवे स्वरूप विकसित करने की विधायक विनोद अग्रवाल की मांग पर शासन ने 29 किमी लंबे रावणवाड़ीङ्ककामठाङ्कआमगांव हाईवे परियोजना के लिए 290 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

विधायक विनोद अग्रवाल के अनुसार गोंदिया में बनने वाला यह फ्लाईओवर नागपुर के एलिवेटेड रोटरी ब्रिज मॉडल पर आधारित होगा। यह एलिवेटेड सर्कल फ्लाईओवर शहर के प्रमुख चौराहों और मार्गों को ऊपरी स्तर पर जोड़ने का कार्य करेगा। प्रस्तावित संरचना के माध्यम से बालाघाट टी-पॉइंट पर इस फ़्लाईओवर में एलिवेटेड सर्कल (गोलाकार डिजाइन) बनाया जायेगा, जहां से कुड़वा, कलेक्टर कार्यालय रोड, नागरा रोड, हड्डीटोली ब्रिज तथा मरारटोली ब्रिज मार्ग आपस में जुड़ेंगे। उन्होंने बताया कि शहर में लगातार बढ़ते यातायात दबाव और प्रमुख चौराहों पर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए इस उड़ानपुल का निर्माण समय की आवश्यकता बन चुका है। इसके निर्माण के बाद दासगांव मार्ग के यातायात को भी वैकल्पिक बायपास कनेक्टिविटी उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे शहर के भीतर यातायात का दबाव कम होगा। इसके अतिरिक्त पिछले 27 वर्षों से लंबित जिला कारागृह निर्माण को भी शासन की स्वीकृति प्राप्त हो गई है। विधायक विनोद अग्रवाल के सतत पत्र व्यवहार व मांग के चलते सरकार ने जिला जेल निर्माण के लिए 218 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। प्रस्तावित जिला जेल कारंजा स्थित पुलिस मुख्यालय के समीप बनाई जाएगी। वहीं फुलचुर स्थित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) को आधुनिक एवं संसाधनयुक्त बनाने के लिए नई इमारत निर्माण हेतु 116 करोड़ रुपये की मंज़ूरी दी गई है। इससे तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। विधायक विनोद अग्रवाल ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार के सहयोग से गोंदिया विधानसभा क्षेत्र में तेजी से विकास कार्यों को गति मिल रही है और आने वाले समय में जिले का स्वरूप बदलता दिखाई देगा। उन्होंने इन परियोजनाओं को मंजूरी देने के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस, सार्वजनिक लोकनिर्माण मंत्री शिवेन्द्र राजे भोसले एवं कौशल्य विकास मंत्री मंगलप्रताप लोढा का आभार व्यक्त किया।

डॉक्टर्स डे एवं सीए डे पर आज गोंदिया में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन..

अधिक से अधिक रक्तदाताओं से रक्तदान की अपील..

लॉयन्स क्लब गोंदिया रॉयल, सहयोग हॉस्पिटल, जीडीसीडीए व अनेक संस्थाओं के सहयोग से बनेगा अग्रेसन भवन में रक्तदान का बड़ा रिकार्ड..

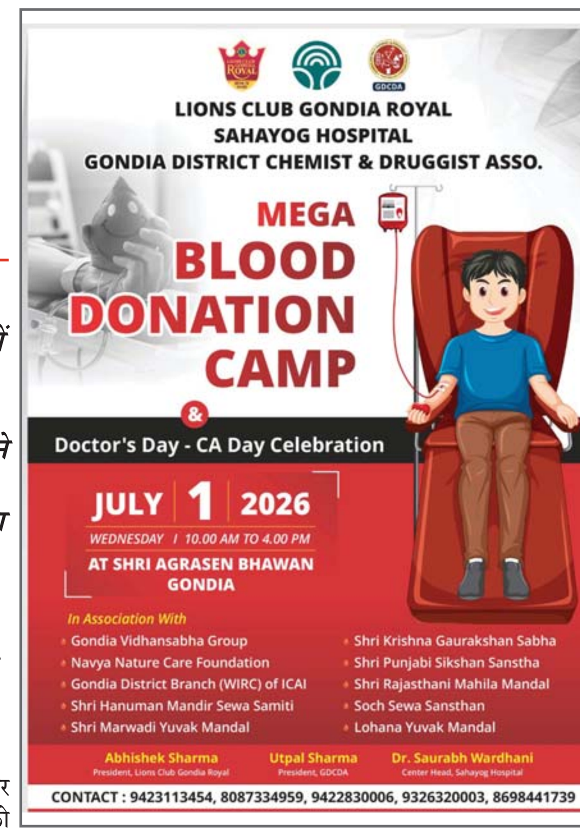

जगप्रेरणा गोंदिया।

शासकीय अस्पतालों में आकस्मिक उपचार परिस्थितियों में कई बार मरीजों को नया जीवन देने के लिये रक्त की आवश्यकता होती है, तथा रक्त की सबसे बड़ी आपूर्ति हमेशा रक्तदान के सहयोग से ही हो पाती है। रक्त की ऐसी ही महत्ता के चलते तथा रक्त की आपूर्ति के

लिये गोंदिया शहर में पहली बार अनेक सामाजिक संस्थाओं को संयुक्त प्रयासों से एक साथ लाने की पहल करते हुए शहर की प्रमुख सामाजिक संस्था लॉयन्स क्लब गोंदिया रॉयल द्वारा आज 1 जुलाई 2026 डॉक्टर्स डे एवं सीए डे के विशेष अवसर पर सहयोग हॉस्पिटल, गोंदिया डिस्ट्रीक्ट केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन (जीडीसीडीए) के साथ मिलकर स्थानीय अग्रसेन भवन में भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 01 जुलाई को आयोजित इस रक्तदान शिविर के संबंध में लॉयन्स क्लब गोंदिया रॉयल की ओर से एमजेएफ रितेश अग्रवाल ने बताया कि रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा, तथा इस रक्तदान शिविर को सफल बनाने में शहर की प्रमुख सामाजिक संस्थाओं में गोंदिया विधानसभा ग्रुप, नव्या नेचर केयर फउंडेशन, गोंदिया डिस्ट्रिक्ट ब्रांच ऑफआईसीएआई, श्री हनुमान मंदिर सेवा समिति, श्री मारवाड़ी युवक मंडल, श्री कृष्ण गौरक्षण सभा, श्री पंजाबी शिक्षण संस्था, श्री राजस्थानी महिला मंडल, सोच सेवा संस्थान तथा लोहाना युवक मंडल सहित अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाएं सहयोग प्रदान कर रही हैं, जिससे कि हम उम्मीद करते हैं कि सभी के संयुक्त प्रयासों से यह रक्तदान शिविर रक्तदान का एक रिकार्ड बनाने में सफल होगा।

आयोजित रक्तदान शिविर में अधिक से अधिक रक्तदाताओं से रक्तदान की अपील लायंस क्लब गोंदिया रॉयल के अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, जीडीसीडीए के अध्यक्ष उत्पल शर्मा तथा सहयोग हॉस्पिटल के सेंटर हेड डॉ. सौरभ वर्धानी ने की है, तथा आयोजकों ने कहा है कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त कई जरूरतमंद मरीजों का जीवन बचा सकता है, इसलिये अधिक से अधिक संख्या में संपूर्ण जिले के लोग आगे आकर इस मेगा रक्तदान शिविर को सफल बनाएं।

करोडो की धान को बारिश में खराब होने से बचाने गोदामों का निर्माण करें..

किसान मित्र दीपक कदम ने की मांग

जगप्रेरणा गोंदिया।

शासकीय आधारभूत धान्य केंद्र के द्वारा किसानों के धान आधारभूत किंमत देकर अधिकृत रूप में खरीदी की जाती है, लेकिन यह खरीदी किए हुए धान पर्याप्त गोदाम न होने से

तारपोलीन से बांधकर खुले में रखे जाते है तथा हम सब ने देखा है, यह धान गीला हो जाता है, और बाद में इसके बीज निकल आते हं, और शासन का नुकसान भी होता है, और इस तरह की खबरें अखबार में हमने देखी है। ऐसा हर साल नुकसान होने से अच्छा हर केंद्र में गोदामों का निर्माण किया जाना चाहिए। इस निर्माण के लिए अनुदान उपलब्ध करा कर परिसर के युवक को काम दिया जाए, जिससे उन्हें भी रोजगार उपलब्ध होगा ऐसी मांग सहकार एवं किसान नेता दीपक कदम ने की है। दीपक कदम ने कहा कि प्रत्येक केंद्र निहाय गोदाम निर्माण करने से धान को बारिश से बचाया जा सकेगा और नुकसान भी नहीं होगा।

- सूचना - यदि आपको प्रतिदिन दैनिक जगप्रेरणा समाचार पत्र नहीं मिल रहा हो तो कृपया दिनेश उके से मोबाईल नंबर 9860558902 पर संपर्क करें।

गोंदिया मे जयस्तंभ चौक पर भव्य राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) लगाने की मांग..

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्षद लोकेश (कल्लु) यादव ने नगर परिषद अध्यक्ष सचिन शेंडे एवं मुख्याधिकारी को सौपा ज्ञापन..

जगप्रेरणा गोंदिया।

गोंदिया शहर के राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता लोकेश (कल्लु) यादव ने आज 30 जून को गोंदिया नगर परिषद के अध्यक्ष सचिन शेंडे एवं मुख्य नगर परिषद अधिकारी श्री बोरकर से मुलाकात की, और ज्ञापन सौंपकर गोंदिया शहर के जयस्तंभ चौक पर भव्य राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) लगाने की मांग की। लोकेश (कल्लु) यादव ने ज्ञापन में उल्लेखित मांग की कि हमारे गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र में गोंदिया के हृदय स्थल जयस्तंभ चौक पर भव्य 121 फीट का राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगा) लगाया जाए। जिससे गोंदिया शहर की सुंदरता में निखार आए तथा यह देश के प्रति सम्मान का प्रतीक बने यह ध्वज 15 अगस्त से पहले स्थापित किया जाए, ताकि स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर हम सभी गोंदियावासी भव्य एवं गरिमामय तरीके से इसका लोकार्पण कर सकें।

गोंदिया के नए जिलाधिकारी मंदार पत्की ने संभाला पदभार..

जगप्रेरणा गोंदिया।

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वर्ष 2019 बैच के अधिकारी मंदार पत्की ने गोंदिया जिले के नए जिलाधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण कर लिया है। इससे पहले वे फरवरी 2024 से जून 2026 तक यवतमाल जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में कार्यरत रहे, जहां उन्होंने प्रभावी नेतृत्व प्रदान किया। इसके अलावा, नंदुरबार जिले

के तळोदा में परियोजना अधिकारी एवं उपविभागीय अधिकारी (एसडीओ) के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों के विकास कार्यों को गति दी। मूल रूप से महाराष्ट्र के बीड जिले के निवासी मंदार पत्की ने वर्ष 2019 की संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा में अखिल भारतीय 22 वीं रैंक प्राप्त की थी। उन्होंने पुणे स्थित वीआईटी कॉलेज से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की है। गोंदिया जिले का कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने कहा कि प्रशासन को अधिक पारदर्शी, जनकेंद्रित और प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना तथा जिले के विकास कार्यों में तेजी लाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

व्हाट्सअप पर प्रतिदिन की खबरें पढ़ने अपने ग्रुप में जोड़ें जगप्रेरणा को..

बालाघाट एवं गोंदिया से एक साथ प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'जगप्रेरणा' समाचार पत्र व्हाट्स अप पर भी आम जनों के लिये उपलब्ध है। अपने ग्रुप में जोड़कर इसका लाभ हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हैं। जगप्रेरणा के मो. 93290 33433 को किसी भी ग्रुप में जोड़ा जा सकता है।

गोंदिया शहर में दैनिक जगप्रेरणा की प्राप्ति हेतु संपर्क करें..
जग प्रेरणा
चौरसिया पान सेंटर
जय स्तंभ चौक बस स्टॉप, गोंदिया
मो. 08806083231

• दरियां • मेटिंग्स • कार्पेट्स • डोरमेट्स
• शॉल • ब्लैंकेट्स • स्कूल की भोजन पट्टियां
• ताड़पत्री • मच्छरदानी • ग्रीन नेट
• चादरें • बेड शीट्स
के थोक व चिल्लर विक्रेता..
रमन कुमार मेठी
हैंण्डलुम हाउस
दरियां | मीटिंग्स | कार्पेट्स | डोरमेट्स | शॉल | स्कूल की भोजन पट्टियां | ताड़पत्री | मच्छरदानी | ग्रीन नेट | चादरें / बेड शीट्स
मेन रोड, बड़ी मस्जिद के सामने, गोंदिया | मो. 9890696200

SONOGRAPHY
X-RAY
CT SCAN
SONO VIEW
DR. GHANSHYAM M. TURKAR
M.B.B.S., M.D., D.N.B., M.N.A.M.S.
Diplomate of National Board
Radiologist, Sonologist & Imagiologist
DR. PADMINI TURKAR
M.B.B.S., D.C.H.
बालरोग एवं नवजात शिशु विशेषज्ञ
FACILITIES AVAILABLE
SONOGRAPHY
■ Color Doppler ■ Power Doppler Imaging
■ B-flow Imaging ■ Tissue Harmonic Imaging
■ Transrectric & TV Sonography
■ Pediatric Sonography ■ Orbital Sonography
■ Breast, Thyroid, Scrotal Sonography
■ Neonatologist Neurosonogram
■ 2 D Echo Cardiography ■ Foetal Echo
■ Whole Body Ct Scan ■ Digital X-ray Digital Radiography System ■ M.R.I.
DIGITAL X-RAY
● 2D, 3D/4D High Resolution Sonography
● 2D Echo
● Colour Doppler
● Siemens Germany Multislice/Spiral High Resolution CT Scan
राष्ट्रीय क्षयरोग दुरीकरण कार्यक्रम अंतर्गत मुफ्त सोनोग्राफी, एक्स रे, सी.टी. स्कैन
तुरकर क्लिनिक SONOGRAPHY, X-RAY, C.T. SCAN
सिव्हिल लाईन, गोंदिया
फोन - 07182 - 231149, 234198, 236391
E-mail : sonoview@gmail.com SONOGRAPHY C.T. SCAN

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक आशीष वर्मा द्वारा जगप्रेरणा पेपर इंडस्ट्रीज कटंगीकला गोंदिया से मुद्रित तथा कार्यालय जगप्रेरणा, वार्ड नं.16, कल्पतरु मॉल, महावीर चौक, बालाघाट (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित..
संस्थापक - स्व. गंगाबिसन जी वर्मा, प्रधान संपादक - आशीष वर्मा मो. 9329033433 आर.एन.आई. रजि. नं. एमपी/हिन्दी/2012/43298 ईमेल - jagprernaw@gmail.com